वार्षिक रिपोर्ट

1996-97

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
17-B, श्री अरबिंद मार्ग, नई दिल्ली-110016.

डिप्लोमा कार्यक्रम (डीपा) के भागीदार नीपा स्टाफ के साथ

अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र

वार्षिक रिपोर्ट
1996-97

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
17-बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली- 110016

250 प्रतियां

© राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, 1998

LIBRARY & DOCUMENTATION CENTRE
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC, No.....
Date.....

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान के लिए कुलसचिव, नीपा द्वारा प्रकाशित तथा सुपरफैलक्स डी.टी.पी. सर्विसेज़, सी-4/17, एस.डी.ए., नई दिल्ली-110016 में लेजर टाइप सेट होकर, प्रभात ऑफसेट प्रेस, कुचा चेलान, दरिया गंज, नई दिल्ली-110002 में मुद्रित

विषय सूची

अध्याय

1..	विहंगावलोकन	1
2..	प्रशिक्षण	6
3..	अनुसंधान और प्रकाशन	17
4.	पुस्तकालय, प्रलेखन केंद्र और अकादमिक समर्थन प्रणाली	26
5.	संगठन, प्रशासन और वित्त	30

आनुलग्नक

I.	प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला/संगोष्ठी	34
II.	संकाय का अकादमिक योगदान	40

परिशिष्ट

II.	नीपा परिषद	52
III.	कार्यकारी समिति	55
IIII..	वित्त समिति	57
IIV..	योजना और कार्यक्रम समिति	58
W.	संकाय और प्रशासनिक स्टाफ	63
WI..	वार्षिक लेखा और लेखा परीक्षा रिपोर्ट	67

मिशन और उद्देश्य

- शैक्षिक योजना और प्रशासन में उत्कृष्टता का ऐसा राष्ट्रीय केंद्र विकसित करना जो योजना और प्रशासन की गुणवत्ता में सुधार लाए और इसके लिए अध्ययन, नए विचारों और तकनीकों के सृजन का रास्ता अपनाए तथा रणनीतिक समूहों के साथ अनुक्रिया और प्रशिक्षण के माध्यम से इनका प्रचार–प्रसार करे;

- केंद्र, राज्यों और संघ राज्यों की सरकारों के वरिष्ठ शिक्षाधिकारियों तथा शैक्षिक योजना और प्रशासन से जुड़े विश्वविद्यालयी और महाविद्यालयी प्रशासकों के लिए अभिविन्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों तथा परिचय–सत्रों का आयोजन करना;

- महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र से संबद्ध प्रशासकों के लिए अभिविन्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों का आयोजन करना;

- संस्थान के समान कार्यों से संबद्ध संस्थाओं का नेटवर्क विकसित करना और ऐसी समर्थनकारी तथा साहयोगिक भूमिका अदा करना जिससे राज्यों, क्षेत्रों और प्रादेशिक क्षेत्रों का क्रमशः विकास हो सके;

- केंद्र और राज्य सरकारों में शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी नीति–निर्माण से जुड़े विधायकों समेत राष्ट्रीय स्तर के व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम, संगोष्ठी और परिचर्चा का आयोजन करना;

- शैक्षिक योजना और प्रशासन के विभिन्न पक्षों पर शोधकार्यों की सहायता और प्रोत्साहन देना और उनका समन्वय करना। इनमें भारत के विभिन्न राज्यों और दुनिया के अन्य देशों में प्रयुक्त योजनाकारी तकनीकों और प्रशासनिक कार्यप्रणालियों के तुलनात्मक अध्ययन भी शामिल हैं;

- शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में कार्य कर रहे कार्मिकों, संस्थानों और एजेंसियों का अकादमिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन करना;

- राज्य सरकारों और शिक्षा संस्थाओं के अनुरोध पर सलाहाकारी सेवाएं प्रदान करना;

  शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी अनुसंधान, प्रशिक्षण और विस्तार कार्य से संबंधित विचारों और सूचनाओं के लिए कार्य करना;

- इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आलेखों, पत्रिकाओं और पुस्तकों की तैयारी, मुद्रण और प्रकाशन; विशेष रूप से शैक्षिक योजना और प्रशासन पर पत्रिका का प्रकाशन करना;

- अपने उद्देश्यों की अधिकाधिक पूर्ति के लिए भारत और विदेश में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, विश्वविद्यालय, प्रशासन और प्रबंध के क्षेत्र से जुड़े संस्थानों के साथ सहयोग करना;

- अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अध्येतावृत्ति, छात्रवृत्ति और अकादमिक प्रोत्साहन वृत्ति प्रदान करना;

- शैक्षिक योजना और प्रशासन से जुड़े विख्यात शिक्षाविदों को मानद अध्येतावृत्ति प्रदान करना;

- अन्य देशों और खासकर एशियाई देशों के अनुरोध पर शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी प्रशिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना तथा ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन में उनका सहयोग करना।

1996-97

अध्याय 1

विहंगावलोकन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशिक्षण संस्थान (नीपा) पिछले तीन दशकों से शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में शीर्ष सस्था की तरह काम करता आ रहा है। 1962 में स्थापना के बाद पहले 10 वर्षों तक संस्थान भारत सरकार और यूनेस्को के बीच एक अनुबंध के तहत यूनेस्को की एक संस्था की तरह अर्थात् एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शैक्षिक योजनाकर्मियों, प्रशासकों और पर्यवेक्षकों के लिए यूनेस्को क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र के रूप में काम करता रहा। 1 अप्रैल 1965 को केंद्र का नाम बदलकर एशियाई शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान कर दिया गया। यूनेस्को से अनुबंध समाप्त होने पर और कोठारी आयोग की सिफारिश पर भारत सरकार ने यूनेस्को केंद्र का दायित्व स्वयं पर लेकर, 1970 में एक स्वायत्त सस्थान के रूप में राष्ट्रीय शैक्षिक योनजनाकर्मी और प्रशासक स्टाफ कालेज की स्थापना की। इसका उद्देश्य शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी राष्ट्रीय आवश्यकताओं का पूरा करना तथा इस क्षेत्र में प्राप्त अनुभवों और विशेषज्ञता को दूसरे देशों के साथ बांटना भी था। संस्थान का नाम 1979 में बदलकर राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (नीपा) कर दिया गया।

अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए संस्थान ने अपने अकादमिक कार्यक्रमों की चार विषयवार एककों में संगठित किया है : (1) योजना, (2) प्रशासन; (3) वित्त, और (4) नीति। दो शैक्षिक स्तर के एकक भी हैं : (1) विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा, तथा (2) उच्च शिक्षा। फिर दो क्षेत्र स्तर के एकक हैं : (1) प्रादेशिक प्रणाली, और (2) अंतर्राष्ट्रीय एकक। अकादमिक कार्यों में सहयोग के लिए पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र, प्रकाशन एकक, हिंदी कक्ष, इलेक्ट्रानिक आंकड़ा प्रसंस्करण एकक, रिप्रोग्राफी और मानचित्रण कक्ष के अलावा सामान्य प्रशासन और वित्त अनुभाग भी हैं। प्रस्तुत रिपोर्ट में वर्ष 1996-97 के दौरान संस्थान की प्रमुख गतिविधियों का वर्णन किया गया है।

संस्थानों अकादमिक कार्यों को तीन प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया है : (1) क्षमता का विकास-प्रशिक्षण; (2) ज्ञान का सृजन और व्यवहार-अनुसंधान और क्रियात्मक अनुसंधान, और (3) ज्ञान का प्रसार, परामर्श सेवा, व्यावसायिक सहयोग और प्रकाशन।

प्रशिक्षण

कार्यक्रम के प्रमुख क्षेत्र : प्रशिक्षण के क्षेत्र में खास जोर शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी प्रशिक्षण सुविधाओं की नेटवर्किंग पर तथा प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण पर दिया जाता है ताकि क्षेत्र, राज्य, स्थानीय और संथागत स्तरों पर प्रशिक्षण की क्षमताएं विकसित की जा सकें।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों में जोर प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर दिया जाता है। जैसे सभी के लिए शिक्षा, व्यष्टि स्तरीय नियोजन, जिलास्तरीय नियोजन, संस्थागत नियोजन और मूल्यांकन, अनौपचारिक और वयस्क शिक्षा, जिला शिक्षा–प्रशिक्षण संस्थानों का नियोजन और प्रबंध, आदिवासी शिक्षा, विकेंद्रित प्रशासन, लैंगिक प्रश्न, पर्यावरण शिक्षा, कंप्यूटर के उपयोग, (अ) अकादमिक स्टाफ महाविद्यालयों और (ब) स्वायत्त महाविद्यालयों की योजना और विकास, तथा (स) उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता और प्रासंगिकता हेतु नियोजन।

विस्तार : इस वर्ष संस्थान ने 47 कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें देश के विभिन्न भागों से 859 तथा 21 देशों से 163 भागीदारों को भाग लेने का अवसर मिला।

प्रशिक्षण सामग्री : क्षेत्र, राज्य और राष्ट्र के स्तर पर क्षमता-विकास के अंग के रूप में संस्थान ने योजना व प्रशासन

1996-97

संबंधी स्वाधिगम माड्यूल, आलेख और आंकड़ों की रिपोर्टें तैयार कीं। पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में संकाय ने विभिन्न स्रोतों के आधार पर कार्यक्रमों के विषयों से संबंधित पठन सामग्रियां तैयार कीं और वे भागीदारों में बांटी गईं।

प्रशिक्षण की पद्धति : प्रशिक्षण के सभी कार्यक्रम अंतःशास्त्रीय प्रकृति के थे। कार्यक्रमों में व्यावहारिक और सामूहिक कार्यों, केस अध्ययनों व संगोष्ठियों को शामिल किया गया। कंप्यूटरों, फिल्मों, वीडियो और ओवरहेड प्रोजेक्टरों जैसी प्रशिक्षण-सहायक सामग्रियों का प्रयोग करके प्रस्तुतियों को समृद्ध बनाया गया। आवश्यकता पड़ने पर भागीदारों को क्षेत्रीय दौरों पर ले जाया गया।

मूल्यांकन : प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में मूल्यांकन का एक तत्व शामिल होता है। लंबी अवधि के कार्यक्रमों, जैसे 6 माह के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रमों में मूल्यांकन एक सतत् आधार पर किया जाता है। इन कार्यक्रमों के भागीदारों को पाठ्यचर्या संबंधी कार्यों के अलावा डिप्लोमा पाने के लिए लघुप्रबंध भी लिखने पड़ते हैं।

अनुसंधान

अनुसंधान और क्रियात्मक अनुसंधान संस्थान के महत्वपूर्ण कार्यकलाप हैं। कोई भी नया कार्यक्रम शुरू करने से पहले एक प्रायोगिक या गहन अध्ययन किया जाता है। प्रायः क्रियात्मक अनुसंधान प्रशिक्षण कार्यक्रमों में विवेचित पक्षों पर कराए जाते हैं। अनुसंधान कार्यों में ध्यान उन पक्षों पर दिया जाता है जो शैक्षिक योजना, प्रशासन और नीतियों से संबंधित हों। संस्थान शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अनुसंधान के इच्छुक विद्वानों की परियोजनाओं के लिए धन देकर भी अनुसंधान को बढ़ावा देता है।

इस वर्ष 10 अनुसंधान परियोजनाएं पूरी हुईं जबकि 9 चल रही थीं। इस वर्ष पांच नए अध्ययन शुरू किए गए।

परामर्श और व्यावसायिक सहयोग

संस्थान के संकाय के सदस्य राष्ट्र और राज्य स्तर के संस्थानों तथा अंतराष्ट्रीय संगठनों को भी परामर्श और व्यावहारिक सहयोग प्रदान करते हैं। मसलन मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, राज्यों के शिक्षा विभागों, राज्य उच्च शिक्षा परिषदों, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषदों, राज्य शैक्षिक प्रबंध एवं प्रशिक्षण संस्थानों तथा यूनेस्को, विश्व बैंक और सी आई डी ए जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को परामर्श और व्यावसायिक सहयोग दिया गया।

सूचनाओं का प्रसार

प्रकाशन : संस्थान नियमित रूप से अनुसंधान–अध्ययनों का तथा दो पत्रिकाओं का प्रकाशन करता है। एक पत्रिका अंग्रेजी में है (जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन) और दूसरा (परिप्रेक्ष्य) हिंदी में है। त्रैमासिक नीपा न्यूजलेटर तथा अर्धवार्षिक एनट्रिप (एशियन नेटवर्क आफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्सस इन एजुकेशनल प्लानिंग न्यूजलेटर) का प्रकाशन भी किया जाता है। इस वर्ष संस्थान ने पांच पुस्तकों तथा पत्रिकाओं के सात (अंग्रेजी में पांच और हिंदी में दो) अंकों का नीपा न्यूजलेटर के तीन अंकों तथा एनट्रिप न्यूजलेटर के दो अंकों का, और साथ में अनेक अनुलेखित पत्रों और शोध पत्रों का प्रकाशन किया।

अकादमिक और सहायक एकक

नौ अकादमिक एकक संस्थान के अकादमिक कार्यक्रम चलते हैं। इन अकादमिक और सहायक एककों का एक संक्षिप्त विवरण नीचे प्रस्तुत है :

अकादमिक एकक

शैक्षिक योजना एकक : अब हम केंद्रीकृत की जगह विकेंद्रीकृत योजनाओं पर जोर दे रहे हैं। योजना एकक में अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श का स्थान केंद्र बदला है। इस समय संस्था, जिला, राज्य और राष्ट्र स्तरों पर योजना के आगतों, प्रक्रियाओं और उत्पादों का एकीकरण हमारा मुख्य प्रयास है। अर्थ व्यवस्था का उदारीकरण आरंभ होने के बाद अब परंपरागत अर्थ में व्यापक योजनाबंदी की जगह रणनीतिक, सांकेतिक

योजनाबंदी पर अधिक ध्यान दिया जाने लगा है। सार्वभौम प्रारंभिक शिक्षा के अलावा सामाजिक सुरक्षातंत्र योजना के सिद्धांत और व्यवहार का एक नया तत्व बनकर उभरा है। यह एकक अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श के कार्यक्रम चलाता है।

शैक्षिक प्रशासन एकक : अपने विभिन्न प्रशिक्षण, अनुसंधान और अन्य कार्यक्रमों के माध्यम से यह एकक संस्था और उससे ऊपर के शैक्षिक प्रशासकों की क्षमताएं विकसित करने के प्रयास करता है। चूंकि देश में 80,000 से अधिक विद्यालय हैं, इसलिए यह एकक अधिक से अधिक विद्यालयों तक पहुंचने के लिए नेटवर्किंग के द्वारा प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण पर जोर देता रहा है। यह एकक रेलवे विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, केंद्रीय विद्यालयों, आश्रम विद्यालयों आदि विशेष प्रकार की संस्थाओं की आवश्यकताएं भी पूरी करता है। शैक्षिक प्रशासन के तंत्र के आधुनिकीकरण के लिए यह एकक शैक्षिक प्रशासकों में आवश्यक प्रबंध-कौशल विकसित करने के प्रयास करता है ताकि वे शैक्षिक विकास की नई मांगों और चुनौतियों का सामना कर सकें।

शैक्षिक वित्त एकक : नई आर्थिक दशाएं शिक्षा बजटों पर भारी दबाव डाल रही हैं। शिक्षा व्यवस्था की संसाधन संबंधी आवश्यकताएं तेजी से बढ़ रही हैं जबकि संसाधनों की उपलब्धता सीमित हैं और दोनों के बीच का अंतर बढ़ रहा है। आवश्यकता संसाधनों के आवंटन, सरकारी और गैरसरकारी संसाधनों की लामबंदी और संसाधनों के सुदक्ष उपभोग के कारगर तरीके निकालने की है। शैक्षिक वित्त का कारगर प्रबंध इस प्रकार आज भारी महत्व का विषय है।

इसी कारण यह एकक अनुसंधान परामर्श और प्रशिक्षण में तथा राज्यों के शिक्षा विभागों और विश्वविद्यालयों के वित्त अधिकारियों की क्षमताओं के विकास में रत है। यह उन्हें शैक्षिक वित्त के नवीनतम विकासक्रमों और प्रवृत्तियों से परिचित कराता है तथा संसाधनों के आवंटन, लामबंदी और उपयोग समेत वित्तीय प्रबंध की आधुनिक विधियों और तकनीकों की जानकारी देता है।

शैक्षिक नीति एकक : यह एकक शैक्षिक नीतियों के निर्धारण और क्रियान्वयन, मय मूल्यांकन के कुछ अहम प्रश्नों पर जोर देता हैं। यह शैक्षिक नीति के नाजुक मुद्दों पर अनुसंधान तथा विचार विमर्श का आरंभ करता है। यह राष्ट्रीय नीति के बेहतर क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करता है। इस एकक का खास जोर शिक्षा में समता और इसकी मांग के सृजन से जुड़े प्रश्नों पर होता है।

चालू वर्ष में इस एकक के कार्यकलाप मुख्यतः दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा के नियोजन और प्रबंध, अल्पसंख्यकों के शैक्षिक विकास, विकेंद्रीकृत योजना और सामुदायिक भागीदारी पर केंद्रित रहे हैं। 1992 की संसोधित शिक्षा नीति और इसकी कार्रवाई की योजना के कुछ पक्षों से जुड़े मार्गदर्शक सिद्धांत तैयार करने में भी इस एकक का भारी योगदान रहा है।

विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा एकक : यह एकक जिला शिक्षा अधिकारियों, वयस्क और अनौपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत अधिकारियों तथा विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा से जुड़े अन्य अधिकारियों की समताएं विकसित करने पर जोर देता है। यह विद्यालयों और अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों के प्रबंध से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और मुद्दों को उठाता है तथा उनके समाधान की वैकल्पिक रणनीतियां विकसित करने के प्रयास करता है। प्रमुख अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाकर यह उनकी व्यावसायिक योग्यता/कौशल बढ़ाने के प्रयास करता है। अनुसंधान परियोजनाएं चलाकर यह विद्यालय व्यवस्था के सुदक्ष नियोजन और प्रबंध के बारे में उनका ज्ञान बढ़ाने का प्रयास करता है। यह एकक विद्यालय शिक्षा के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों और योजनाओं पर जोर देता हैं।

यह एकक अनुसंधान कार्य भी करता है तथा गुणवत्ता सुधार के लिए यह विद्यालय शिक्षा के नियोजन और प्रबंध संबंधी परामर्श भी प्रदान करता है।

उच्च शिक्षा एकक : यह एकक उच्च शिक्षा के विकास के भविष्यमुखी नियोजन और प्रबंध के लिए एक मंच प्रदान करता है। इसके लिए यह परामर्श, अनुसंधान और प्रशिक्षण के कार्य

1996-97

करता है तथा जिन क्षेत्रों से आवश्यक हो उनसे संस्था, राज्य और केंद्र स्तर के नीतिनिर्माताओं, योजनाकारों, प्रशासकों और सहायक कार्मिकों को एक साथ लाता है। समता, उत्कृष्टता, प्रासंगिकता, स्वायत्तता, जबावदेही, स्वमूल्यांकन और संस्थागत मूल्यांकन तथा स्टाफ के विकास संबंधी धारणाओं को उच्च शिक्षा के नियोजन और प्रबंध संबंधी प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श-कार्य के द्वारा बढ़ावा देता इस एकक का प्रमुख कार्य हैं। 'प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण' संबंधी कार्यक्रम आयोजित करके तथा साथ ही महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों, अकादमिक स्टाफ महाविद्यालयों के निर्देशकों, महाविद्यालय विकास परिषदों के निर्देशकों और उच्च शिक्षा निर्देशकों की क्षमताएं विकसित करने के कार्यक्रम आयोजित करके नियोजन और प्रबंध की क्षमताएं बढ़ाना इस एकक के प्रयासों का उद्देश्य है। इस वर्ष इसने सामान्य, महिला और ग्रामीण महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों, स्वायत्त महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों, अकादमिक स्टाफ महाविद्यालयों के निर्देशकों तथा शैक्षिक व आर्थिक रूप से पिछड़े जिलों के महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए हैं।

अनुसंधान के क्षेत्र में इस एकक के स्वायत्त महाविद्यालयों पर महिला महाविद्यालयों की प्रधानाचार्यों की आवश्यकताओं की पहचान, पिछड़े क्षेत्रों के महाविद्यालयों के विकास की योजनाओं, तथा देश के चुनिंदा महाविद्यालयों के विकास के परिदृश्यों पर ध्यान दिया है। इसने राज्य सरकारों, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, राज्य उच्च शिक्षा परिषदों, देश के विश्वविद्यालयों की परामर्श-सेवाएं प्रदान की हैं।

प्रादेशिक प्रणाली एकक : इस एकक के प्रमुख ध्यानकेंद्र इस प्रकार हैं: सभी के लिए शिक्षा के संदर्भ में विकेंद्रीकृत और व्यष्टिस्तरीय योजनाबंदी, संस्थागत नियोजन और मूल्यांकन, शैक्षिक कार्यक्रमों की निगरानी और उनका मूल्यांकन, तथा प्रादेशिक स्तरों पर शिक्षा के सूचकों का विकास। 'सार्वभौम प्रारंभिक शिक्षा की निगरानी के लिए राष्ट्रीय प्रतिदर्शी सर्वेक्षण,' दूसरा 'अखिल भारतीय शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षण' और 'विद्यालय-मानचित्रण' इस एकक के प्रमुख राष्ट्रस्तरीय अध्ययन रहे है। इस एकक ने अनौपचारिक शिक्षा की केंद्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं के संदर्भ में देश के शैक्षिक रूप ये पिछड़े नौ राज्यों के मूल्यांकन संबंधी अनुसंधान को आधार बनाकर 'नान फार्मल' एजुकेशन इन इंडिया: ऐन इवैल्यूएशन' शीर्षक से एक विस्तृत रिपोर्ट भी प्रकाशित की है। राज्य सरकारों के सहयोग से एकक ने जिला प्रशिक्षण संस्थानों में अनेक क्षेत्र-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय एकक : विचारों और अनुभवों के आदान-प्रदान के द्वारा विशेषकर विकासशील देशों के बीच अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और समझदारी की भावना की बढ़ावा देना अंतर्राष्ट्रीय एकक का उद्देश्य है। इसके लिए वह मानव संसाधन विकास के लिए महत्वपूर्ण विषयों और मुद्दों पर संगोष्ठियों और बैठकों का आयोजन करता है। विकासशील देशों के शैक्षिक योजनाकर्मी और प्रशासकों का दीर्घकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना इसका प्रमुख कार्य है। इस कार्यक्रम में एक तरफ शिक्षा की संरचनाओं और प्रक्रियाओं, व्यष्टिस्तरीय, मध्यस्तरीय और समष्टिस्तरीय योजनाओं के देशीकरण पर और दूसरी तरफ शैक्षिक पर्यवेक्षण, प्रशासन, प्रबंध और नेतृत्व पर जोर दिया जाता है। विभिन्न देशों के आग्रह पर यह एकक पहले से निरूपित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाता है। यह अंतर्राष्ट्रीय तुलनात्मक शिक्षाशास्त्र के क्षेत्र में अनुसंधान और परामर्श की सेवायें भी प्रदान करता है।

संक्रियात्मक अनुसंधान और प्रणाली प्रबंध एकक : नीपा समीक्षा समिति की सिफारिश पर अक्टूबर 1995 में क्रियात्मक अनुसंधान और प्रणाली प्रबंध एकक का गठन किया गया। यह प्रणालीगत स्तर पर प्रबंध के विभिन्न मुद्दों की उठाता है। इनमें शामिल हैं : क्रियागत (लाजिस्टिक) प्रबंध, सूचना प्रणालियां, नियंत्रण की प्रणालियां, कंप्यूटर के उपयोग, शिक्षा में क्रियात्मक अनुसंधान, परियोजनाओं का निरूपण, निगरानी और क्रियान्वयन, निर्णय–सहायक प्रणाली आदि। यह एकक विशेष रूप से राज्य/जिला स्तर के उपयोगकर्ताओं की कंप्यूटर के उपयोग संबंधी क्षमता के विकास पर तथा सूचना प्रणालियों की रूपरेखा के विकास और क्रियान्वयन हेतु कंप्यूटर के पेशेवर स्टाफ के प्रशिक्षण पर जोर देता हैं। इस समय यह एकक जिला प्राथमिक शिक्षा परियोजना के लिए शैक्षिक प्रबंध सूचना प्रणाली के निरूपण और क्रियान्वयन में तकनीकी और व्यावसायिक सहयोग प्रदान कर रहा है। यह एकक अनुसंधान परियोजनाओं,

1996-97

प्रायोगिक परियोजनाओं, क्षेत्र–आधारित अध्ययनों, मुख्य अध्ययनों और क्रियात्मक अनुसंधान जैसे नवोदित क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य भी करता है।

अकादमिक सहायता एकक

पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र : पुस्तकालय शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी नवीनतम और अधुनातन सामग्रियों का संचय करता और उनके उपयोग की सुविधाएं प्रदान करता है। सूचनाओं का प्रसार प्रलेखन–सूचना सेवा के द्वारा किया जाता है। पुस्तकालय के पास 49,063 पुस्तकें हैं और वह 350 पत्रिकाएं भी खरीदता है। यहां पुस्तकों और लेखों की एक कंप्यूटरीकृत सूची भी है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र ने जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थानों के पुस्तकालयों के नियोजन व प्रबंध के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए हैं।

डेलनेट का सदस्य होने के नाते यह पुस्तकालय दिल्ली के 65 पुस्तकालयों से फोन द्वारा जुड़ा हुआ है। संकाय के सदस्यों को ई–मेल की सेवा भी प्रदान की जाती है जिससे वे देश–विदेश से अपनी डाक मंगा और भेज सकते है।

पुस्तकालय व प्रलेखन केंद्र जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थानों के पुस्तकालयों के नियोजन और प्रबंध के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाता है।

प्रकाशन एकक : अनुसंधान के परिणामों का प्रसार स्वयं अनुसंधान जितना ही महत्वपूर्ण होता है। कार्यपत्रों और सामयिक आलेखों के द्वारा भी अनुसंधान का प्रसार किया जाता है। विनिबंध और अनुलेखित पांडुलिपियां प्रसार का एक और साधन है। यह एकक कार्यपत्रों और सामयिक आलेखों, अंग्रेजी में जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन तथा हिंदी में 'परिप्रेक्ष्य' नामक पत्रिकाओं, नीपा न्यूज़लेटर का तथा शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी पुस्तकों या अनुसंधान की रिपोर्टों का प्रकाशन भी करता है।

हिंदी कक्ष : प्रशिक्षण सामग्रियों के हिंदी अनुवाद को बढ़ावा देने की राष्ट्रीय नीति के तहत यह कक्ष राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में प्रशासन और संकाय को सहयोग प्रदान करता है।

मानचित्रण कक्ष : यह कक्ष आंकड़ों की सचित्र प्रस्तुति, प्रशिक्षण, प्रकाशन और प्रदर्शन के लिए मानचित्रों और चार्टों आदि की सुविधाएं प्रदान करता है।

रिप्रोग्राफी कक्ष : यह कक्ष संस्थान की अकादमिक आवश्यकताएं पूरी करने के लिए प्रशिक्षण सामग्रियों, शोधपत्रों और अनुलेखित सामग्रियों की प्रतियां तैयार करने में सहायता देता है।

प्रशासन और वित्त

प्रशासन : प्रशासन की व्यवस्था में सामान्य, अकादमिक और कार्मिक प्रशासन आते है। 31 मार्च 1997 तक संस्थान की कुल स्वीकृत सदस्य संख्या 180 थी जिसमें अकादमिक और प्रशासनिक, दोनों प्रकार के सदस्य आते हैं। इनके अलावा विभिन्न परियोजनाओं की अपनी–अपनी अवधियों तक के लिए नियुक्त 24 परियोजनाकर्मी भी थे।

वित्त : इस वर्ष संस्थान को कुल 197.59 लाख (योजनागत 99.89 लाख और गैर–योजनागत 97.70 लाख) रुपयों का अनुदान मिला। संस्थान के पास वर्ष के आरंभ में योजना और गैर योजना, दोनों मदों के अंतर्गत 8.41 लाख रुपये शेष थे। वर्ष के दौरान कार्यालय और छात्रावास से 123.63 लाख रुपयों की प्राप्ति हुई। वर्ष के दौरान कुल योजना और गैर योजना व्यय 321.44 लाख रुपये था।

वर्ष के दौरान दूसरे संगठनों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों की मद में संस्थान के पास 33.01 लाख रुपयों की राशि शेष थी और 188.60 लाख रुपयों की अतिरिक्त प्राप्ति हुई। प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों पर वर्ष के दौरान कुल 164.21 लाख रुपये व्यय हुए।

परिसर की सुविधाएं : संस्थान के पास एक चार–मंजिला कार्यालय, 48 कमरों का एक सात–मंजिला छात्रावास तथा एक आवास–क्षेत्र है जिसमें टाइप I के 16, टाइप II से V तक प्रत्येक प्रकार के 8 क्वार्टर थे। एक निर्देशक–आवास है। छात्रावास के विस्तार और उन्नयन के लिए निर्माण कार्य जारी है। इसमें वार्डन का आवास, अतिथि संकाय के निवास की सुविधा, अतिरिक्त कुछ ब्लाक, भोजन कक्ष का विस्तार और मनोरंजन कक्ष शामिल होंगे।

1996-97

अध्याय 2

प्रशिक्षण

प्रशिक्षण, संस्थान के प्रमुख कार्यकलापों में एक है। संस्थान शैक्षिक योजना और प्रशासन के कार्यों में लगे वरिष्ठ सरकारी शिक्षा अधिकारियों तथा विद्यालयों और महाविद्यालयों के प्रशासकों के लिए अभिविन्यास और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और ऐसे ही दूसरे कार्यक्रमों का आयोजन करता है। संस्थान दूसरे देशों के प्रमुख शिक्षाकर्मियों के लिए भी प्रशिक्षण के कार्यक्रम चलाता है।

दृष्टिकोण और मुख्य बल

प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा क्षेत्र के नए विकासक्रमों से उत्पन्न आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाई जाती है। कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाते समय भागीदारों और निर्णयकर्ताओं द्वारा पहचानशुदा प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं पर भी ध्यान दिया जाता है। कार्यक्रमों के ब्यौरों की विवेचना के लिए कार्यबलों का गठन किया जाता है।

इसके अलावा संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची बनाते समय प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जाता है। जैसे जिला स्तरीय नियोजन, आदिवासी क्षेत्रों में संस्थाओं का नियोजन व प्रबंध, अल्पसंख्यक प्रबंधवाली संस्थाएं, शैक्षिक योजना और प्रबंध में कंप्यूटरों की भूमिका आदि। जिला प्राथमिक शिक्षा परियोजना वाले जिलों में कार्यरत शिक्षाकर्मियों के लिए भी कार्यक्रम चलाए गए।

संस्थान विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के सहयोग से विकसित देशों के शिक्षाकार्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन करके अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी भूमिका निभा रहा है।

संस्थान धीरे–धीरे अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण तथा राज्य व क्षेत्र स्तर की संस्थाओं व विश्वविद्यालयों के शिक्षाशास्त्र विभागों से नेटवर्किंग पर जोर दे रहा है। इसके लिए प्रशिक्षण के माड्यूल विकसित किए गए और अब व्यापक प्रसार के लिए वे मुद्रण के चरण में हैं।

प्रशिक्षण सामग्री

नीपा का संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए अनुसंधान पर आधारित सामग्रियों की तैयारी में व्यस्त रहा है। यह सामग्री कार्यक्रमों के दौरान भागीदारों के लिए बुनियादी आलेखों का काम करती हैं। संबंधित विषयों पर इन सामग्रियों के पूरक रूप में प्रकाशित साहित्य दिया जाता है।

मूल्यांकन

हर प्रशिक्षण कार्यक्रम का औपचारिक मूल्यांकन किया जाता है। इसका पहला चरण हर कार्यक्रम के अंत में आता है जब हर भागीदार से एक संरचनाबद्ध प्रपत्र पर कार्यक्रम का मूल्यांकन करने के लिए कहा जाता है। लंबी अवधि के कार्यक्रमों में इस मूल्यांकन से पहले एक या दो मध्यावधि मूल्यांकन कराए जाते हैं।

भागीदारी

राष्ट्रीय स्तर पर : विचाराधीन वर्ष में संस्थान ने राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न अवधियों के कुल 45 राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रमों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों का आयोंजन किया। इनमें कुल 859 अधिकारियों ने भाग लिया। उनमें 769 विभिन्न राज्य सरकारों और संघीय क्षेत्रों से और 90 भारत सरकार के विभिन्न संगठनों और विभागों से थे।

कार्यक्रमों की सूची, उनकी अवधियां और हर कार्यक्रम के भागीदारों की संख्या तालिका 1 में दर्शाई गई है।

1996-97

नीपा द्वारा आयोजित कार्यक्रम दो श्रेणियों में आते हैं: (अ) डिप्लोमा कार्यक्रम (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय), (ब) शैक्षिक योजना और प्रबंध पर सामान्य व विषयवार प्रशिक्षण कार्यक्रम; विषयों पर आधारित अल्पकालिक व दीर्घकालिक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम।

तालिका 1

संस्थान द्वारा 1996-97 में आयोजित, श्रेणीवार कार्यक्रम

	कार्यक्रमों की श्रेणी	कार्यक्रमों की संख्या	अवधि (दिन)	भागीदारों की संख्या
	डिप्लोमा कार्यक्रम			
(अ)	राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम*	2	190	47
(ब)	अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम*	2	183	50
	शैक्षिक योजना और प्रशासन पर विषयवार कार्यक्रम			
	योजना और प्रबंध में विद्यालयों के प्रधानाचार्यों का प्रशिक्षण	4	27	102
	उच्च शिक्षा का नियोजन और प्रबंध	4	28	125
	जि शि प्र संस्थानों/राज्य शै अ प्र परिषदों पर नियोजन और प्रबंध	3	24	64
	आदिवासी शिक्षा का नियोजन और प्रबंध	2	10	73
	परिमाणात्मक तकनीकें और जनांकीय दबाव	2	30	46
	वित्तीय प्रबंध और संसाधनों का आवंटन	3	13	67
	शैक्षिक आंकड़ों का नियोजन और प्रबंध	11	24	154
	कंप्यूटरों के व्यवहार	2	11	33
	अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम	7	139	119
	अन्य कार्यक्रम	5	28	142
	योग	**47**	**707**	**1022**

* दो डिप्लोमा कार्यक्रम (एक राष्ट्रीय और एक अंतर्राष्ट्रीय) पहले से जारी थे।

(अ) संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों में लगभग सभी राज्यों और संघीय क्षेत्रों ने (चंडीगढ़, दादरा व नागर हवेली, दमन व दयू तथा लक्षद्वीप को छोड़कर) भाग लिया। राज्यवार भागीदारी तालिका 2 में दी गई है।

(ब) लगभग 45.19 प्रतिशत भागीदार शैक्षिक रूप से पिछड़े दस राज्यों से थे – आंध्रप्रदेश (106), अरुणाचलप्रदेश (3), असम (74), बिहार (15), जम्मू–कश्मीर (47), मध्यप्रदेश (78), उड़ीसा (11), राजस्थान (12), उत्तरप्रदेश (22) और पश्चिम बंगाल (20)।

1996-97

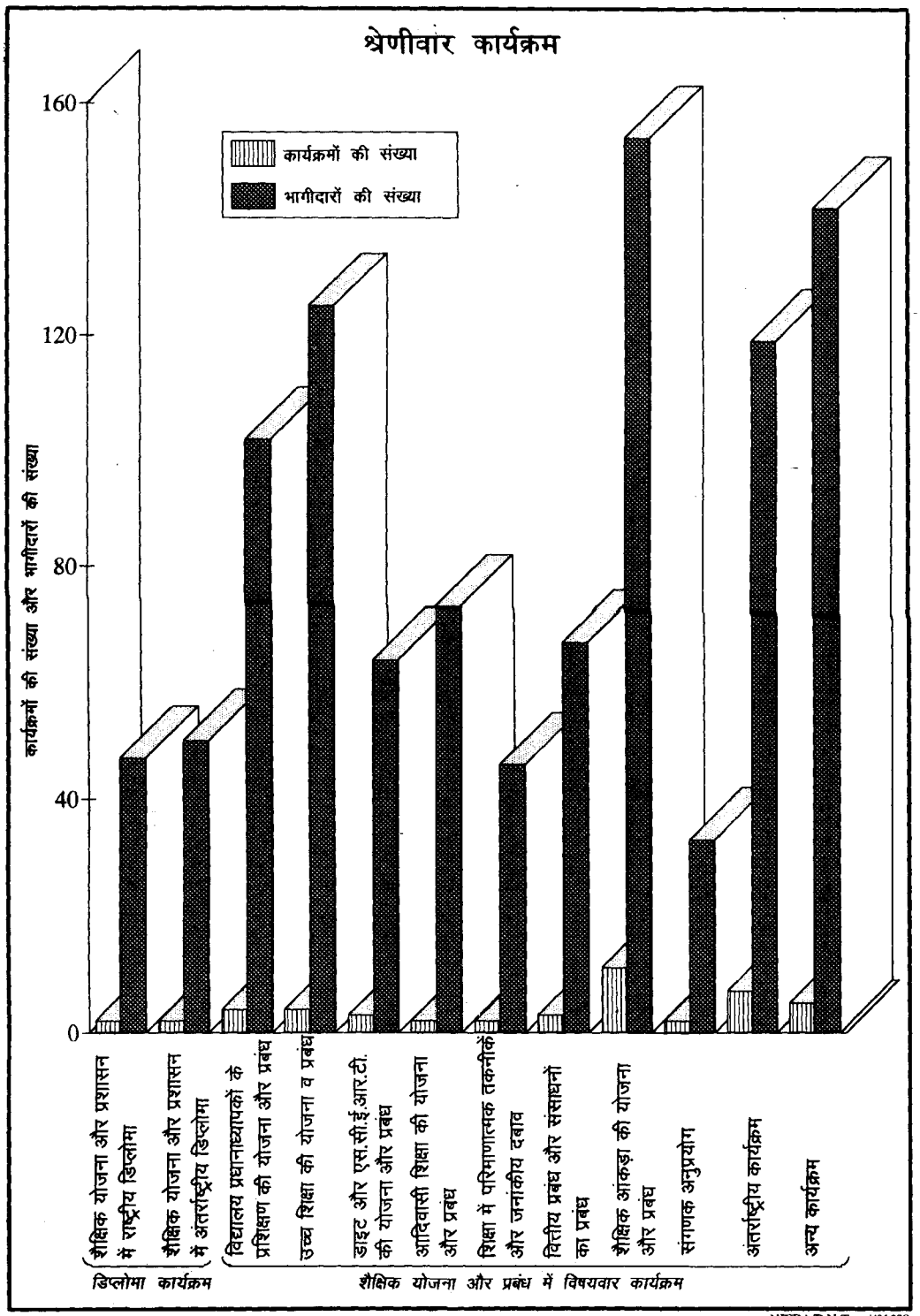

NIEPA/P.N.Tyagi/01298

1996-97

भागीदारी का प्रकार और स्तर : स्तर के आधार पर विभिन्न कार्यक्रमों के भागीदारों एक मिला जुला समूह थे। इनमें राज्यों के मंत्रालयों, शिक्षा निदेशालयों, राज्य शै.अ.प्र. परिषदों/ जि. शि.प्र. संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी, क्षेत्र व जिला अधिकारी, आदिवासी कल्याण अधिकारी तथा विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों जैसे संस्थाप्रमुख शामिल थे। इसी तरह महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों और विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ प्रशासकों ने भी उच्च शिक्षा संबंधी कार्यक्रमों में भाग लिया। प्रकार और स्तर के अनुसार भागीदारों के ब्यौरे तालिका 3 में देखे जा सकते हैं।

तालिका 2

राज्यवार भागीदारी

क्रम संख्या	राज्य/संघीय क्षेत्र	भागीदारों की संख्या
1	आंध्रप्रदेश*	106
2	अरुणाचलप्रदेश*	3
3	असम*	74
4	बिहार*	15
5	गोवा	3
6	गुजरात	17
7	हरियाणा	61
8	हिमाचलप्रदेश	10
9	जम्मू–कश्मीर*	47
10	कर्नाटक	48
11	केरल	23
12	मध्यप्रदेश*	78
13	महाराष्ट्र	42
14	मणिपुर	8
15	मेघालय	32
16	मिजोराम	10
17	नागालैंड	5
18	उड़ीसा*	11
19	पंजाब	15
20	राजस्थान*	12
21	सिक्किम	42
22	तमिलनाडु	33
23	त्रिपुरा	9
24	उत्तरप्रदेश*	22
25	पश्चिम बंगाल*	20
संघीय क्षेत्र		
26	अंडमान–निकोबार द्वीप समूह	3
27	चंडीगढ़	–
28	दादरा व नागर हवेली	–
29	दमन और दयू	–
30	दिल्ली	15
31	लक्षद्वीप	–
32	पांडिचेरी	5
33	भारत सरकार व अन्य संगठन	90
योग		**859**

* दस शैक्षिक रूप से पिछड़े राज्यों से (388 भागीदार)

1996-97

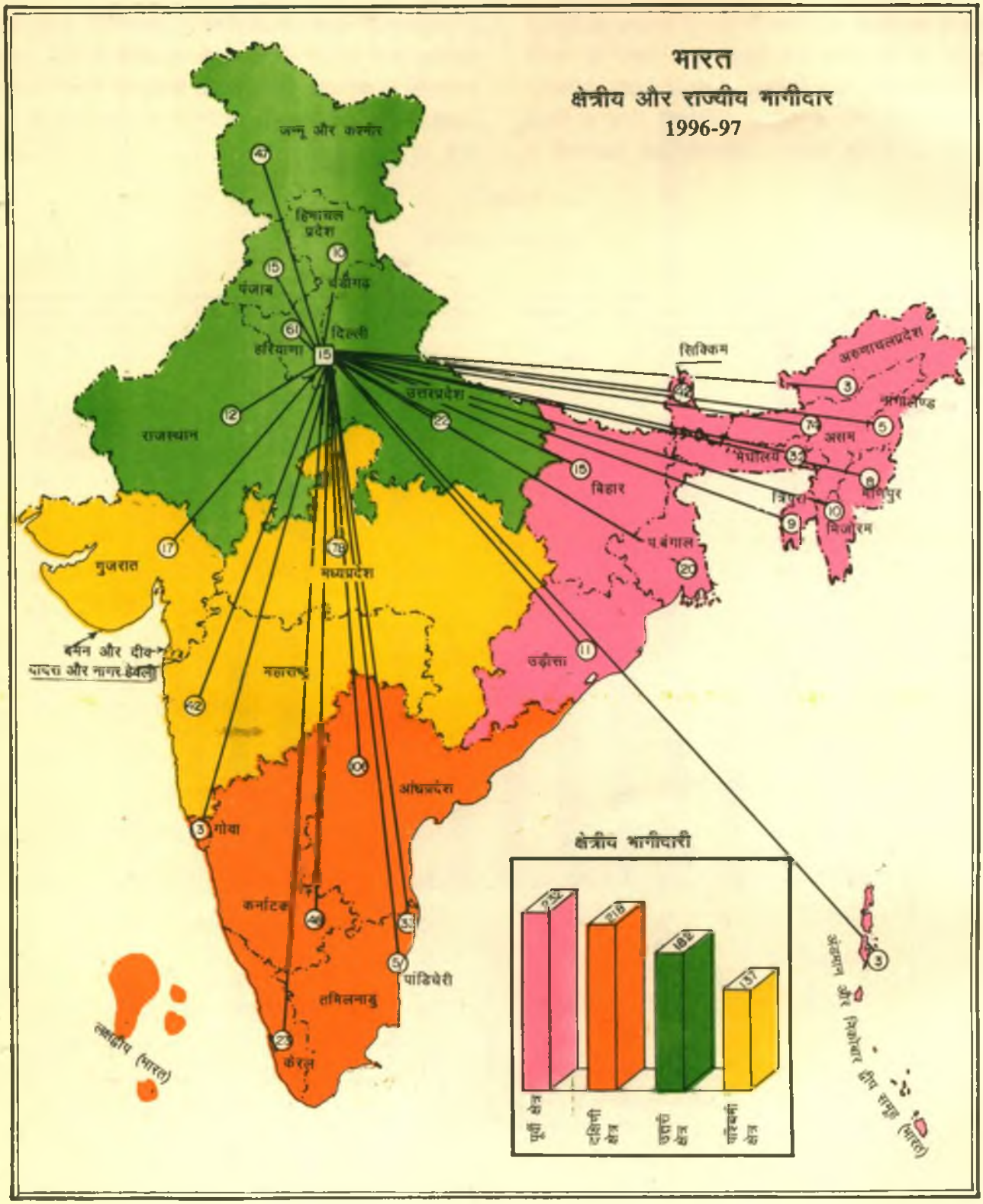

भारत
क्षेत्रीय और राज्यीय भागीदार
1996-97
जम्मू और कश्मीर
हिमाचल प्रदेश
पंजाब
चंडीगढ़
दिल्ली
हरियाणा
राजस्थान
उत्तरप्रदेश
सिक्किम
अरुणाचलप्रदेश
नागालैण्ड
असम
मेघालय
मणिपुर
त्रिपुरा
मिजोरम
बिहार
प.बंगाल
उड़ीसा
गुजरात
मध्यप्रदेश
दमन और दीव
दादरा और नागर हवेली
महाराष्ट्र
आंध्रप्रदेश
गोवा
कर्नाटक
पांडिचेरी
तमिलनाडु
केरल
लक्षद्वीप (भारत)
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (भारत)
क्षेत्रीय भागीदारी
232
218
182
137
पूर्वी क्षेत्र
दक्षिणी क्षेत्र
उत्तरी क्षेत्र
पश्चिमी क्षेत्र

1996-97

तालिका 3

संस्थान द्वारा 1996-97 में आयोजित अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और सम्मेलनों आदि में स्तरवार भागीदारी

स्तर	भागीदारों की संख्या
विद्यालयों के प्रधानाध्यापक	45
जिला शिक्षा अधिकारी	28
वयस्क शिक्षा अधिकारी	100
जि.शि.प्र. संस्थानों/राज्य शै.अ.प्र. परिषदों के कार्मिक	327
वरिष्ठ शैक्षिक प्रशासक	87
महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य	45
विश्वविद्यालयों के प्रशासक/वरिष्ठ अकादमिक	155
अन्य	72
योग	**859**

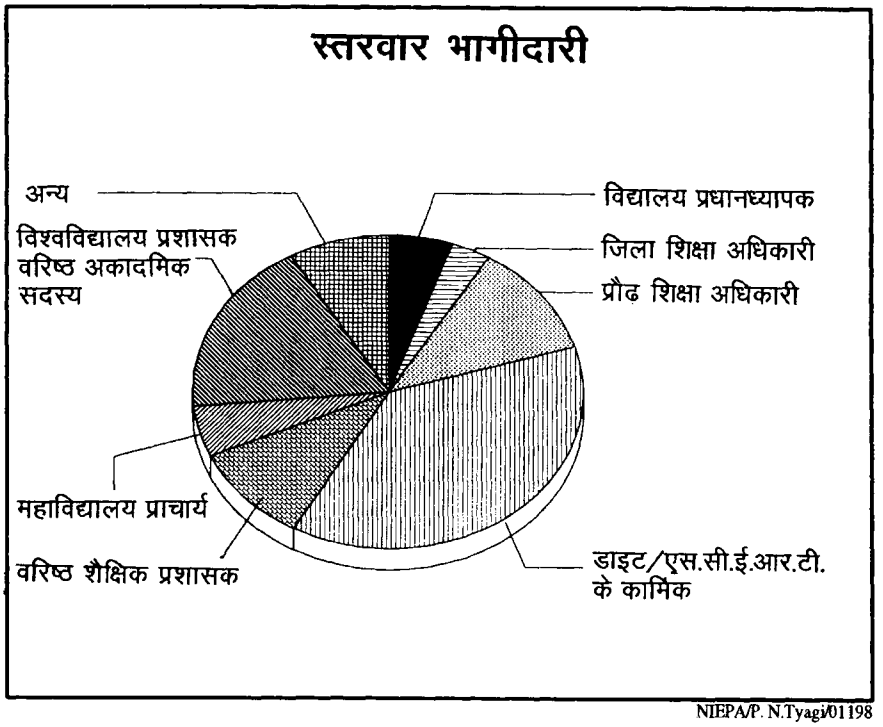

NIEPA/P. N.Tyagi/01198

अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी : 1996-97

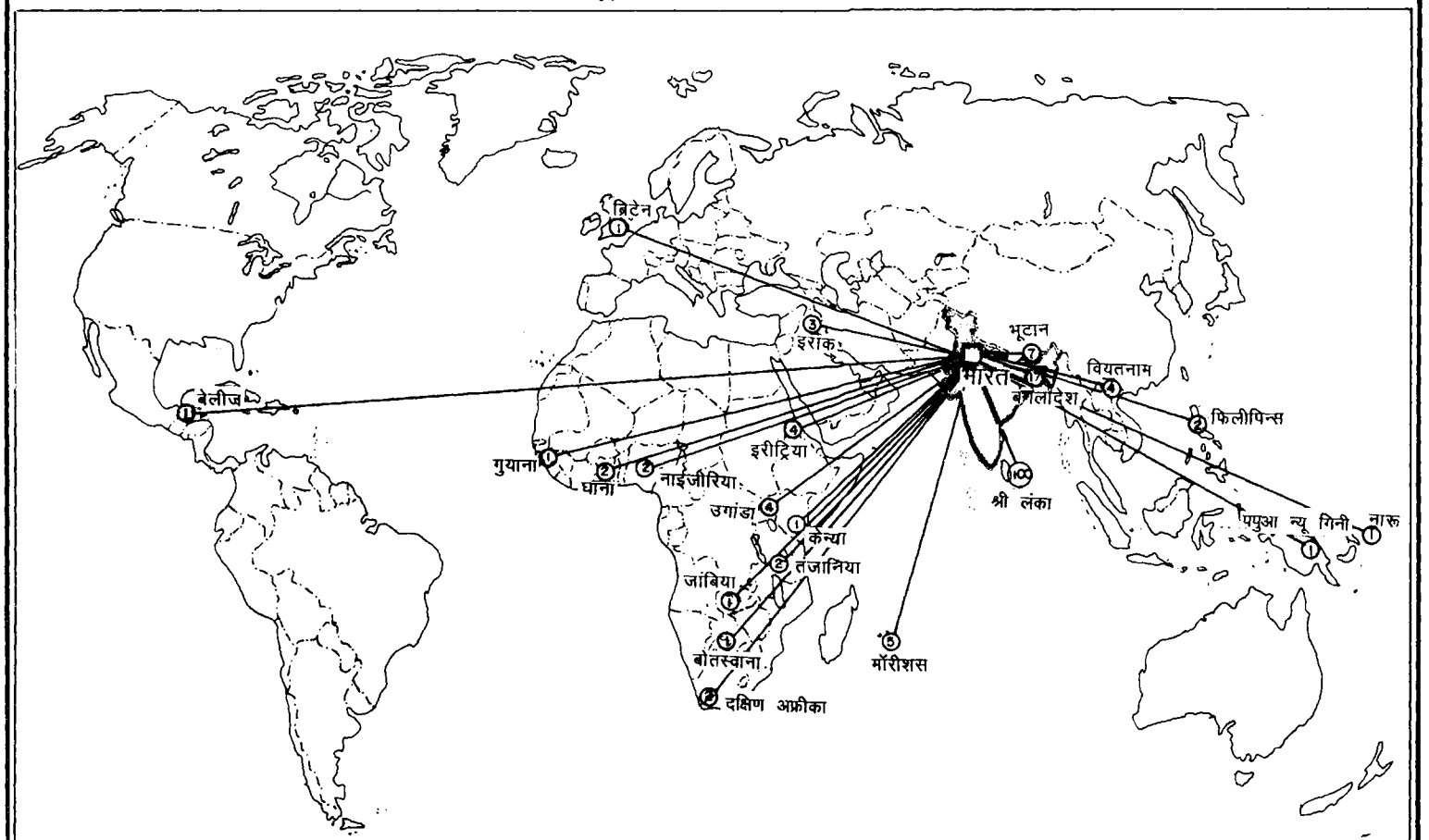

1996-97

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर

इस वर्ष संस्थान ने दो अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित किए। (इनमें से एक अभी जारी है।) विकासशील और दूसरे विभिन्न देशों से कुल 163 अधिकारियों ने इनमें भाग लिया। इसके अलावा एशियाई विकास बैंक द्वारा आयोजित और श्रीलंका के विद्यालय–प्रधानाध्यापकों के लिए 3, यूनेस्को द्वारा आयोजित और बंगलादेश के अधिकारियों के लिए अध्ययन–भ्रमण के दो, श्रीलंका के अधिकारियों के लिए विश्व बैंक द्वारा प्रायोजित व शैक्षिक योजना का एक तथा बुनियादी शिक्षा के विकास की परियोजना की रूपरेखा के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी तालिका 4 से स्पष्ट है।

क्षेत्रवार और विषयवार कार्यक्रम

इस वर्ष संस्थान ने चार डिप्लोमा पाठ्यक्रम आयोजित किए–दो अंतर्राष्ट्रीय और दो राष्ट्रीय इनमें से दो (एक अंतर्राष्ट्रीय और एक राष्ट्रीय) कार्यक्रम अभी जारी हैं। संस्थान ने 23 प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रमों, 15 कार्यशालाओं; 2 संगोष्ठियों, 1 बैठक और 2 अध्ययन–भ्रमण कार्यक्रम भी चलाए। इन कार्यक्रमों का एक संक्षिप्त विवरण नीचे दिया जाता है।

शैक्षिक योजना और प्रशासन का राष्ट्रीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम (डेपा) : संस्थान ने शैक्षिक योजना और प्रशासन पर अपना पहला राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम जुलाई 1983 में चलाया था। इस साल संस्थान ने अपने 16वें डिप्लोमा कार्यक्रम का दूसरा और तीसरा चरण पूरा किया; यह नवंबर 1995 में शुरू हुआ था। 17वां डिप्लोमा पाठ्यक्रम 28 अक्टूबर 1996 को शुरू हुआ। इसका पहला चरण जनवरी 1997 में पूरा हुआ। राज्य शै.अ.प्र. परिषदों और जिला शि.प्र. संस्थानों के कुल 47 जिला–स्तरीय अधिकारियों और कार्मिकों ने इन दो डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में भाग लिया। इन कार्यक्रमों में राज्यवार भागीदारी तालिका 5 में दी गई है।

तालिका 4

1996-97 में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी

देश का नाम	भागीदारों की संख्या
बंगलादेश	17
बेलीज	1
भूटान	7
ब्रिटेन	1
बोतस्वाना	1
इरीट्रिया	4
घाना	2
गुयाना	1
इराक	3
केनिया गणराज्य	1
मारीशस	5
नाउरू गणराज्य	1
नाइजीरीया	2
पपुआ न्यू गिनी	1
फिलीपीन	2
दक्षिण अफ्रीका	2
श्रीलंका	100
तंजानिया	2
यूगांडा	4
वियतनाम गणराज्य	4
जांबिया	1
अंतर्राष्ट्रीय संगठन	
यूनेस्को	1
योग	**163**

1996-97

पिछले कार्यक्रमों के भागीदारी से प्राप्त प्रतिज्ञान की रौशनी में और उनकी बदलती भूमिका और दायित्वों के पुनराकलन के आधार पर इन कार्यक्रमों की अंत:वस्तु और पद्धति को नए सिरे से ढाला गया। अब इसमें विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रबंध–कौशल के उन्नयन, परियोजनाओं और कारवाई की योजनाओं की तैयारी पर जोर दिया जाता है। इनमें संस्थागत नियोजन, विद्यालय मानचित्र, विद्यालय संकुलों परिमाणात्मक तकनीकों, गुणवत्ता–सुधार, संस्थागत मूल्यांकन, नेतृत्व के गुणों, संकट के निवारण, सामुदायिक भागीदारी आदि की विस्तृत विवेचना की गई।

तालिका 5

16 वें और 17वें राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रमों में राज्यवार भागीदारी

राज्य	16वां डिप्लोमा	17वां डिप्लोमा	योग
असम	2	3	5
बिहार	–	3	3
गुजरात	2	3	5
जम्मू–कश्मीर	2	–	2
कर्नाटक	–	2	2
केरल	2	3	5
मध्यप्रदेश	–	2	2
महाराष्ट्र	2	–	2
मणिपुर	2	–	2
मेघालय	1	–	1
मिजोरम	–	1	1
नागालैंड	2	2	4
राजस्थान	–	3	3
तमिलनाडु	2	1	3
त्रिपुरा	–	3	3
उत्तरप्रदेश	–	2	2
पंश्चिम बंगाल	1	–	1
अंडमान–निकोबार	–	1	1
योग	**18**	**29**	**47**

पाठ्यक्रम का पद्धतिशास्त्र व्याख्यान और विचार विमर्श, सामूहिक विचार विमर्श, केस अध्ययन, समूह विधि, अनुकरण के अभ्यासों, भूमिका–निर्वाह, इन–बास्केट विधि और पहचानशुदा विषयों पर सामूहिक बहसों पर आधारित या व्यवहारिक कार्यों, पुस्तकालय पर निर्भर–कार्यों और कुछ महत्वपूर्ण शिक्षा संस्थाओं की यात्राओं के लिए पर्याप्त समय दिया गया।

विद्यालय शिक्षा के और समुदाय पर केंद्रित कार्यक्रमों संबंधी प्रवर्तनकारी प्रयोगों से भागीदारों को परिचित कराने के लिए इलाहाबाद (उ.प्र.) का एक सप्ताह का दौरा आयोजित किया गया। इन दोनो डिप्लोमा कार्यक्रमों में 47 व्यक्तियों ने भाग लिया।

शैक्षिक योजना और प्रशासन का अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम (आई-डेपा) : पहला अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम जनवरी 1985 में चलाया गया था। फरवरी 1996 में शुरू होकर उसी वर्ष समाप्त होने वाले 12वें डिप्लोमा कार्यक्रम में 8 देशों के 17 अधिकारियों ने भाग लिया। 13वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम फरवरी 1997 में शुरू हुआ जिसमें 17 देशों के 33 अधिकारियों ने भाग लिया। संस्थान को औपचारिक और अनौपचारिक तौर पर विभिन्न धनदाता संगठनों से इस कार्यक्रम के बारे में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलती रही है। इन अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी तालिका 6 में दिखाई गई है।

तालिका 6

12 वें और 13वें अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी

देश का नाम	12वां डिप्लोमा	13वां डिप्लोमा	योग
बंगलादेश	–	1	1
बेलीज	1	–	1
भूटान	3	4	7
बोत्सवाना	–	1	1
इरीट्रिया	–	4	4

क्रमशः

देश का नाम	16वां डिप्लोमा	17वां डिप्लोमा	योग
घाना	1	1	2
गुयाना	–	1	1
इराक	–	3	3
केनिया गणराज्य	–	1	1
मारीशस	2	3	5
नाउरू गणराज्य	–	1	1
नाइजीरिया	–	2	2
पपुआ न्यू गिनी	–	1	1
फिलीपीन	–	2	2
दक्षिण अफ्रीका	–	2	2
श्रीलंका	2	3	5
तंजानिया	–	2	2
यूगांडा	3	1	4
वियतनाम गणराज्य	4	–	4
जांबिया	1	–	1
योग	**17**	**33**	**50**

आई–डेपा के पहले चरण में नीपा में तीन माह का गहन पाठ्यचर्यात्मक कार्य बुनियादि पाठ्यक्रमों और साथ में व्यवहारिक कार्य पर आधारित होता है। कार्यक्रम के पद्धतिशास्त्र में सिद्धांत और व्यवहार के संतुलन पर जोर दिया जाता है। मोटे तौर पर इसमें व्याख्यान और विचार विमर्श, अनुकरण के और व्यावहारिक कार्य, भूमिका निर्वाह, केसों पर बहस, व्यापारिक खेल, खोजी सम्मेलन, प्रदर्शन और सामूहिक विचार विमर्श शामिल होते हैं। इसके अलावा भागीदारों को प्रोत्साहित करने के लिए सामूहिक विचार विमर्श और भागीदारों की संगोष्ठियां पद्धतिशास्त्र की खास विशेषताएं हैं। कार्यक्रम में व्यष्टिगत स्तर पर अकादमिक कार्यों, शैक्षिक/सांस्कृतिक क्षेत्रीय दौरों, क्षेत्र से शैक्षिक संबद्धताओं और समृद्धिकारी व्याख्यानों पर भी जोर दिया जाता है।

विद्यालय-प्रमुखों के प्रशिक्षण का नियोजन और प्रबंध : विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए केस अध्ययन और माड्यूल तैयार करने के वास्ते विद्यालय नियोजन और प्रबंध के क्षेत्र में चार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें 102 व्यक्तियों ने भाग लिया जिनमें खाड़ी के देशों में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों के 43 अधिकारी भी शामिल थे।

उच्च शिक्षा का नियोजन और प्रबंध : उच्च शिक्षा के नियोजन और प्रबंध के क्षेत्र में नीपा ने महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों और भारतीय विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ प्रशासकों के लिए चार प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं/बैठकों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों में कुल 125 अधिकारियों ने भाग लिया।

जिला शि.प्र. संस्थानों/राज्य शै.अ.प्र. परिषदों का नियोजन और प्रबंध : नीपा ने जिला शि.प्र. संस्थानों/ राज्य शै.अ.प्र परिषदों की नियोजन–प्रबंध शाखाओं के संकाय तथा उनके पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए 3 प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए। पूरे देश से इन संस्थानों/परिषदों से आए 64 व्यक्तियों ने इनमें भाग लिया।

आदिवासी शिक्षा का नियोजन और प्रबंध : आदिवासी शिक्षा और आश्रम विद्यालयों के नियोजन और प्रबंध पर इस वर्ष दो कार्यक्रम आयोजित किए गए। आदिवासी शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत 73 अधिकारियों ने इन कार्यक्रमों में भाग लिया।

परिमाणात्मक तकनीकें और जनांकीय दबाब : परिमाणात्मक तकनीकों, शिक्षा पर जनांकीय दबावों, आंकड़ों के संग्रह और विश्लेषण पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें राज्य/जिला स्तर के 46 कार्मिकों ने भाग लिया।

वित्तीय प्रबंध और संसाधनों का उपयोग : वित्तीय प्रबंध, संसाधनों के उपयोग और शिक्षा की लागत पर तीन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा राज्य व क्षेत्र स्तर के 67 कार्मिकों ने भाग लिया।

शैक्षिक आंकड़ों का नियोजन और प्रबंध : नीपा ने जिला प्राथमिक शिक्षा परियोजना वाले राज्यों में DISE/शैक्षिक प्रबंध सूचना प्रणाली के क्रियान्वयन के लिए शैक्षिक आंकड़ों

1996-97

के नियोजन व प्रबंध तथा नियोजन व प्रबंध के लिए शैक्षिक आंकड़ों के उपयोग पर 11 प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं का आयोजन किया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं में जि.प्रा.शि. परियोजना वाले राज्यों से राज्य/जिला स्तर के 154 अधिकारी शामिल हुए।

कंप्यूटरों के उपयोग : कंप्यूटरों के उपयोग पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के तथा राज्य/जिला स्तर के अधिकारियों के लिए दो कार्यक्रम चलाए गए। इनमें 33 अधिकारियों ने भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम : नीपा ने इस वर्ष निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया – शैक्षिक प्रबंध पर श्रीलंका के विद्यालयों के वरिष्ठ प्रधानाध्यापकों के लिए तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम, एशियाई विकास बैंक द्वारा अयोजित; श्रीलंका के ही शिक्षा अधिकारियों के लिए एक कार्यक्रम, विश्व बैंक द्वारा प्रयोजित; तथा बुनियादी शिक्षा के विकास के कार्यक्रम/परियोजना की रूपरेखा की तैयारी पर एक कार्यशाला/इसके अलावा संस्थान ने बंगलादेश के अधिकारियों के लिए यूनेस्को द्वारा प्रायोजित दो अध्ययन–भ्रमण कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन सात कार्यक्रमों में श्रीलंका और बंगलादेश के 119 अधिकारी शामिल हुए।

अन्य श्रेणियों के कार्यक्रम : नीपा ने वयस्क शिक्षा के तात्कालिक प्रश्नों, व्यष्टि स्तरीय योजना और विद्यालय–मानचित्रण पर 5 कार्यक्रमों/कार्यशालाओं का आयोजन भी किया। नियोजन और प्रबंध पर लेह (जम्मू–कश्मीर) तक पूर्वोत्तर क्षेत्र के शिक्षाकर्मियों के लिए एक–एक कार्यक्रम चलाए गए। इन पांच कार्यक्रमों मे 142 अधिकारियों ने भाग लिया।

सभी अभिविन्यास–प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों आदि की विस्तृत रिपोर्टें संस्थान के पुस्तकालय व प्रलेखन केंद्र में उपलब्ध हैं।

1996-97

अध्याय 3

अनुसंधान और प्रकाशन

अनुसंधान

नीपा शैक्षिक योजना और प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान को सहायता, प्रोत्साहन देने और उसे समन्वित करने में सक्रिय है। यह अनुसंधान बहुशास्त्रीय प्रकृति का होता है तथा इसमें खास जोर शैक्षिक योजना और प्रशासन के सिद्धांतों, नीतियों, प्रासंगिक विधियों, तकनीकों और प्रक्रियाओं पर दिया जाता है।

नीपा संकाय की शोध परियोजनाओं के लिए धन देकर, दूसरे संगठनों से शोध परियोजनाएं लेकर तथा प्राथमिकता के पहचानशुदा क्षेत्रों में शोध के लिए विशेषज्ञों और संस्थानों को वित्तीय सहायता देकर अनुसंधान की बढ़ावा देती है।

नीपा के शोधकार्य में सैद्धांतिक और अनुभवाश्रित प्रश्नों का समन्वय किया जाता है। संस्थान के शोधकार्य बराबर नीतियों व योजनाओं के निर्धारण के लिए ठोस अनुभवाश्रित और वैश्लेषिक आधार तैयार करने के प्रयास करते है। ये विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए भी महत्वपूर्ण सामग्री देते हैं।

समीक्षाधीन वर्ष में 10 शोध अध्ययन पूरे हुए जबकि 9 जारी थे और 5 नए अध्ययनों के लिए स्वीकृति दी गई।

पूरे हो चुके अध्ययन

1. वर्ष 2000 तक प्रारंभिक शिक्षा का सार्वजनीकरण : वैकल्पिक नीति समूहों के संसाधन संबंधी निहितार्थो का अध्ययन

नीपा ने 95,000 रुपयों के बजट–प्रावधान के साथ यह अध्ययन आरंभ किया था। नीपा के शैक्षिक योजना एकक के अध्यक्ष और वरिष्ठ अध्येता प्रोफेसर श्रीप्रकाश इसके परियोजना निदेशक थे।

अध्ययन के उद्देश्य इस प्रकार थे : नीतिगत परिप्रेक्ष्यों के लिए आवश्यक समर्थन का एक ढांचा तैयार करना, प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण के लिए आवश्यक व्यय का विश्लेषण करना, सभी राज्यों और संघीय क्षेत्रों के लिए नामांकन के राज्यवार दीर्घकालिक प्रक्षेपण करना जबकि अल्पकालिक अवधि में इसमें केवल पिछड़े राज्य शामिल रहे।

2. माध्यमिक शिक्षा में विद्यालयों की गुणवत्ता का परिदृश्य : चुनिंदा माध्यमिक विद्यालयों का अध्ययन

यह परियोजना विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा एकक में अध्येता डा. (श्रीमती) सुदेश मुखोपाध्याय ने शुरू की थी। इसके उद्देश्य इस प्रकार थे: माध्यमिक शिक्षा में गुणवत्ता के परिप्रेक्ष्यों का विकास करना, विभिन्न प्रशासनिक व्यवस्थाओं के अंतर्गत विद्यालय की गुणवत्ता में योगदान देनेवाले तत्वों की पहचान करना, तथा गुणवत्ता में सुधार के लिए हस्तक्षेप की रणनीतियों का विकास करना।

3. पिछड़े राज्य उड़ीसा के आश्रम विद्यालय

पिछड़े राज्य उड़ीसा के आश्रम विद्यालयों के अध्ययन की यह परियोजना नीपा में परियोजना सहअध्येता डा. बी.के. पंडा के नाम स्वीकृत की गई थी। इसकी अनुमानित लागत 15,000 रुपये और अवधि 8 माह थी।

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार थे : (अ) आश्रम विद्यालयों के मोजूदा ढर्रे और स्थिति का अध्ययन, (ब) भागीदारी, मांग और प्रभाविता का अध्ययन, तथा स) राज्य, जिला, और संस्था के स्तरों पर आश्रम विद्यालयों के नियोजन और प्रबंध की छानबीन।

4. प्राथमिक शिक्षा की योजना और प्रबंध में लाई स्वायत्त जिला परिषद्, मिजोरम की भूमिका

प्राथमिक शिक्षा के नियोजन और प्रबंध में मिजोरम की लाई स्वायत्त जिला परिषद् की भूमिका पर यह परियोजना 15,000 रुपये की लागत और 6 माह की अवधि के साथ स्वीकृत की

1996-97

गई थी। प्रादेशिक प्रणाली एकक में सह–अध्येता श्रीमति जयश्री जलाली इसकी प्रभारी थीं।

अध्ययन के उद्देश्य इस प्रकार थेः (अ) प्राथमिक विद्यालयों की स्थापना, (ब) मातृभाषा में प्राथमिक शिक्षा देने, स) प्रवर्तनकारी और क्षेत्र के लिए प्रासंगिक पाठ्यचर्चा के व्यवहार में जिला परिषद् की शक्तियों की छानबीन करना, (द) विद्यालय के रोजमर्रा के मुआमलों के प्रशासन संबंधी स्वतंत्रता की छानबीन करना, तथा (य) प्राथमिक अध्यापकों की भर्ती, स्थानांतरण और प्रोन्नति के बारे में जिला परिषद् के अधिकार क्षेत्र की छानबीन करना।

5. अध्यापकों के कार्यकारी जीवन की गुणवत्ता पर शैक्षिक परिवर्तन के प्रभाव

अध्यापकों के कार्यकारी जीवन की गुणवत्ता पर शैक्षिक परिवर्तन के प्रभावों के बारे में यह परियोजना नीपा की वरिष्ठ अध्येता डा. (श्रीमती) जया इंदिरेसन को स्वीकृति की गई थी। इसकी अनुमानित लागत 15,000 रुपये थी।

अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार थेः (अ) पेशे से संतुष्टि में योगदान देनेवाले तत्वों के व्यापक माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों के एक प्रतिनिधिक प्रतिदर्श के विचारों का अध्ययन करना; इन तत्वों में काम की दशाएं, गतिविधियां, भूमिकाएं और जिम्मेदारियां भी शामिल थीं; (ब) एक तरफ विद्यालयों के वातरवरण और दूसरी तरफ अध्यापकों की निजी विशेषताओं और जनांकीय तत्वों के अलावा अध्यापकों के कार्यकारी जीवन से भी उपरोक्त तत्वों के संबंधों का अध्ययन करना; (स) ऐसी विधियों और तौरतरीकों का विकास करना कि हर देश के शोधकर्ता अपनी एकल–संस्कृति के संदर्भ में और अंतर्राष्ट्रीय तुलनाओं के संदर्भ में भी अपने निष्कर्षों की व्याख्याएं कर सकें, तथा (द) प्रत्येक एकल–संस्कृति के परिवेश में अध्यापक शिक्षा के कार्यक्रमों, विद्यालय प्रशासन और सांगठनिक विकास की नीतियों से जुड़े निहितार्थों पर विचार करना।

6. स्वतंत्र भारत में सार्वभौम अनिवार्य शिक्षा की नीतियां और व्यवहार

यह परियोजना 15,000 रुपये की लागत और छः माह की समयसीमा के साथ स्वीकृत की गई थी। शैक्षिक नीति एकक में सह–अध्येता डा. श्रीमती नलिनी जुनेजा इसकी परियोजना प्रभारी थीं।

अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार थेः (अ) अनिवार्य प्राधमिक शिक्षा के बारे में (स्वतंत्र) भारत की सरकार की नीतियों को समझना; (ब) इस बारे में कानून बनाने वाले राज्यों और संघीय क्षेत्रों में सार्वभौम अनिवार्य शिक्षा से संबंधित दस्तावेजी साक्ष्यों की छानबीन करना; (स) दिल्ली संघीय क्षेत्र/राज्य के संदर्भ में इन कारकों की पड़ताल करना जिन्होंने दिल्ली अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा अधिनियम 1960 के क्रियान्वयन को प्रभावित किया हो।

7. शिक्षा की संगणकीय योजना (शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित)

यह परियोजना मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा 31,21,700 रुपये की लागत के साथ प्रायोजित की गई थी।

शिक्षा की संगणकीय योजना (कोप) के बारे में हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और संघीय क्षेत्र दिल्ली के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शिक्षा निदेशालय, दिल्ली में 'कोप' प्रणाली के प्रदर्शन के बाद इसे संघीय क्षेत्रों में लागू करने का फैसला किया गया। इस बारे में उपनिदेशकों, अंचल अधिकारियों और राज्य 'कोप' कक्षों के कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आंकड़ा–संग्रह के प्रपत्र छप चुके हैं तथा दिल्ली के शैक्षिक जिलों में आवश्यक हार्डवेयर भी लग चुके हैं।

जिला इटावा (उत्तरप्रदेश) और रांची (बिहार) के आंकड़ा–भंडार पूरे हो चुके हैं। बिहार शिक्षा परियोजना में रांची जिले के आंकड़ा–भंडार का व्यापक उपयोग किया जा रहा है।

8. दिल्ली के सोशलिस्ट और नगर निगम विद्यालयों में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता का अध्ययन

यह अध्ययन पिछले वर्ष डा. (श्रीमती) रश्मि दीवान को स्वीकृत किया गया था। इसके उद्देश्य इस प्रकार थेः (अ) प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने वाले सूचकों का अध्ययन करना; (ब) दिल्ली के संश्लेषण विद्यालयों और नगरनिगम के विद्यालयों

की प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रधानाध्यापिका/प्रधानाध्यापक के व्यवहार के प्रभावों का अध्ययन करना।

यह एक शुद्ध रूप से गहन, क्षेत्र–आधारित अध्ययन था। नगरनिगम के विद्यालयों का चयन शिक्षा अधिकारियों की राय के आधार पर किया गया कि कौन से सर्वोत्तम विद्यालय हैं। सांश्लिष्ट विद्यालयों का आरंभ 1990 में हुआ जब सरकारी माडल विद्यालयों को सांश्लिष्ट विद्यालयों में बदलने का फैसला लागू किया गया। अंतिम प्रतिदर्श 18 विद्यालयों तक सीमित था जिसमें दिल्ली के 9 नगर निगम के और 9 सांश्लिष्ट विद्यालय शामिल थे। इन विद्यालयों से सूचनाओं के संग्रह के लिए मुख्यतः प्रश्नावलियों, निजी दौरों और साक्षात्कारों की विधियों का उपयोग किया गया।

निष्कर्ष : दिल्ली में प्राथमिक विद्यालयों की गुणवत्ता कुछ तत्वों से बहुत अधिक प्रभावित हो रही है। ये है : अपर्याप्त मानव संसाधन, अध्यापकों के स्थानांतरण की नीति, प्रवेश नीति, विद्यालयों के परिवेश, भौतिक सुविधाएं, अध्यापक–अभिभावक संबंध, अध्यापन–सहायक सामग्रियों की अनुपलब्धता, कक्षा लेने में अध्यापकों की अनियमितता, अनुभवहीन अध्यापकों की नियुक्ति, अप्रतिधारण की दोषपूर्ण नीति तथा उच्चतर अधिकारियों के रवैये।

विद्यालयों के सामने मौजूद बाधाओं की सीमा में उनकी गुणवत्ता सुधारने के लिए प्रधानाध्यापकों और अध्यापकों ने कुछ सुझाव दिए हैं। कुछ प्रमुख सुझाव इस प्रकार हैं: बालकेंद्रित शिक्षा पर अधिक जोर, प्रोत्साहन की योजनाएं, अध्यापक–अभिभावक संघ, निरीक्षण और निगरानी, तथा बच्चों की सहायता से विद्यालय में पर्याप्त अध्यापन–सहायक सामग्रियों की व्यवस्था।

9. आदर्श-स्थापक महिला महाविद्यालय

यह अध्ययन नीपा के उच्च शिक्षा एकक में वरिष्ठ अध्येता डा. (श्रीमती) जया इंदिरेसन को स्वीकृत किया गया था। इसके प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार थेः (अ) महिला महाविद्यालयों के जो भी घेषित उद्देश्य हों उनकी पड़ताल करना, (ब) महाविद्यालयों की स्थापना के पीछे कार्यरत परिस्थितियों का अध्ययन करना, (स) अपने विकास के सभी पक्षों के संदर्भ में छात्राओं की विशिष्ट आवश्यकताओं का निरूपण करना, (द) पहचानशुदा आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए शुद्ध किए गए विशिष्ट कार्यक्रमों का विश्लेषण करना, (य) उन विशिष्ट कार्यक्रमों के कारगर क्रियान्वयन के मूल्यांकन के लिए सूचकों का विकास करना, (र) उन कार्यक्रमों की प्रक्रियाओं और परिणामों की पड़ताल करना, ल) नेतृत्व की भूमिका और शैली का आकलन करना, तथा व) महिला महाविद्यालयों के नियोजन व प्रबंध संबंधी निहितार्थों को स्पष्ट करने के लिए सफलता के अन्य महत्पूर्ण तत्वों की पहचान करना।

10. लोक-सम्पर्क केंद्रों की स्थापना के आकलन का अध्ययनः एक सर्वेक्षण (शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय)

यह अध्ययन नीपा में सह–अध्येता डा. बी.के.पंडा द्वारा किया गया। इसकी रिपोर्ट शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को सौंपी जा चुकी है।

जारी अध्ययन

1. दूसरे अखिल-भारतीय शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षण की परियोजना

यह परियोजना 19.84 लाख रुपये की लागत के साथ स्वीकृत की गई। नीपा के संयुक्त निदेशक श्री अनिल सिन्हा एक टीम के साथ इसका समन्वय कर रहे हैं।

सभी राज्यों, संघीय क्षेत्रों और केंद्र में शैक्षिक प्रशासन का एक व्यापक सर्वेक्षण इस परियोजना का प्रमुख उद्देश्य है ताकि विद्यमान व्यवस्था, प्रक्रियाओं और संरचनाओं की पहचान की जा सके और राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन की जो परिकल्पना राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रस्तुत की गई है उसकी आवश्यकताओं के अनुसार परिवर्तन लाने के लिए कार्रवाई की योजना बनाई जा सके।

अरुणाचलप्रदेश, केरल, पंजाब, मिजोरम, गोवा, हरियाणा, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, सिक्किम, चंडीगढ़, लक्ष्यदीप, अंडमान–निकोबार, राजस्थान और त्रिपुरा की सर्वेक्षण रिपोर्टें समूल्य पुस्तकों के रूप में प्रकाशित की जा चुकी हैं। इनको संस्थान की तरफ से मेसर्स विकास पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ने शैक्षिक प्रशासन व शृखला के तहत प्रकाशित किया है।

1996-97

हिमाचलप्रदेश और असम की रिपोर्टें प्रेस में है। बिहार और मेघालय की रिपोर्टों को अंतिम रूप दिया जा रहा है जबकि उत्तरप्रदेश और दिल्ली की रिपोर्टों की अंतिम रूप देने के लिए हाथ में लिया गया है। तमिलनाडु, दमन–दयू तथा पांडिचेरी की रिपोर्टों में आंशिक संशोधन किए गए हैं। जहां तक गुजरात, नागालैंड, उड़ीसा, मणिपुर, दादर–नगर हवेली, जम्मू–कश्मीर, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र की रिपोर्टों का सवाल है, वे तैयारी के विभिन्न चरणों में हैं।

2. लातीनी अमरीका में अनौपचारिक शिक्षा की योजना और प्रबंध : भारत के लिए सबक और उसके निहितार्थ

यह परियोजना 1,46,200 रुपये की लागत से स्वीकार की गई। इसका संचालन अंतर्राष्ट्रीय एकक में अध्येता डा.अंजना मंगलगिरि कर रही हैं।

अध्ययन के उद्देश्य इस प्रकार हैं: लातीनी अमरीका में अनौपचारिक शिक्षा की संरचना और प्रक्रिया, इन कार्यक्रमों के संगठन और प्रबंध की छानबीन करना, तथा शिक्षा में अंतःक्षेत्रीय समझदारी और सहयोग के लिए तुलनात्मक शिक्षाशास्त्र के विकास का आधार तैयार करना।

यह अध्ययन भारत में व्यवहृत रणनीतियों की रौशनी में, विकेंद्रीकरण और सामुदायिक भागीदारी के विशेष संदर्भ में, लातीनी अमरीका में अनौपचारिक शिक्षा के नियोजन और प्रबंध की रणनीतियों की छानबीन करता है। लातीनी अमरीका के अनुभव से जाहिर है कि वहां भारत के विपरीत अनौपचारिक शिक्षा को एक शैक्षिक कार्यक्रम नहीं बल्कि ढांचाबद्ध और मानकीकृत औपचारिक शिक्षा का एक भरा–पूरा विकल्प समझा जाता है। जहां भारत में इसके लिए ऊपर–नीचे का दृष्टिकोण अपनाया जाता है वहीं लातीनी अमरीकी दृष्टांत में विकेंद्रीकरण, जनता की भागीदारी, आत्मीकरण, और अधिकारों की प्राप्ति के लिए जनता की लामबंदी जैसे तत्व पाये जाते हैं। लातीनी अमरीका में स्वयं कार्यक्रम की बजाय नियोजन और प्रबंध की प्रक्रियाओं पर जोर दिया जाता है जिसके कुछ सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

3. भारत में शैक्षिक विकास की क्षेत्रीय विषमताएं : आधारभूत स्तर पर समाज-कल्याण के संदर्भ में शैक्षिक विषमताओं का विश्लेषण

यह परियोजना 3,48,480 रुपये की लागत के साथ स्वीकृत की गई है। प्रादेशिक प्रणाली एकक के भूतपूर्व अध्येता डा. एस.सी.नुना इसका संचालन कर रहे थे। इसका पूरा होना अभी बाक़ी है।

अध्ययन के उद्देश्य इस प्रकार हैं: विद्यालय के स्तर पर शैक्षिक विकास संबंधी विषमताओं का विश्लेषण करना, उनमें कमी लाने की दिशाएं दर्शाने के लिए एक व्याख्या–प्रणाली का विकास करना, शिक्षा तथा विकास के अन्य क्षेत्रों के आपसी संबंधों का विश्लेषण करना, तथा आधारभूत स्तर पर स्वीकृत योजना का ढांचा विकसित करने के लिए मौजूदा विकास–प्रदाय व्यवस्था का मूल्यांकन करना।

यह अध्ययन पांचवें अखिल–भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण से प्राप्त जिलावार आंकड़ों तथा परिवार सर्वेक्षण से प्राप्त प्राथमिक आंकड़ों पर आधारित है। अध्ययन अब अपने अंतिम चरण में है।

4. आधारभूत स्तर पर महिला कल्याण (महिला और बाल विकास विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित)

यह अध्ययन 2,24,200 रुपये की लागत के साथ महिला और बाल विकास विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया। प्रादेशिक प्रणाली एकक के भूतपूर्व अध्येता डा. एस.सी. नुना परियोजना के निदेशक थे।

अध्ययन के विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार हैं: महिला और विकास संबंधी अध्ययन के लिए देश के सभी जिलों को पांच श्रेणियों में बांटकर महिला कल्याण के एक सांश्लिष्ट सूचकांक का सत्यापन करना, आधारभूत स्तर पर महिला कल्याण की प्रकृति का आकलन करना, तथा महिला कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से योजना की समन्वित रणनीतियों के विकास

के लिए सेवाओं के अभिसार का एक प्रतिरूप तैयार करना। आंकड़ों के संग्रह का काम जारी हैं।

5. गंदी बस्तियों के बच्चों की शैक्षिक योजनाएं : अध्ययन के लिए प्रतिदर्शी सर्वेक्षण तकनीकों के उपयोग की परियोजनाः दिल्ली और मुंबई के केस अध्ययन

इस परियोजना का संचालन शैक्षिक योजना एकक के अध्यक्ष और वरिष्ठ अध्येता प्रोफेसर श्रीप्रकाश कर रहे हैं। इसके प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं: नामांकन की कमी, प्रतिधारण और विद्यालय–त्याग का निर्धारण करने के लिए गंदी बस्तियों के बच्चों की शिक्षा की समस्याओं का अध्ययन करना, तथा सामाजिक–आर्थिक विकास से उनके अंतःसंबंधों का अध्ययन करना।

प्रश्नावाली का विकास करके उसे क्षेत्र में परखा जा चुका हैं। समष्टि–क्षेत्र को सूचीबद्ध किया गया है तथा प्रतिदर्शन की विधि को अंतिम रूप दे दिया गया है।

अध्ययन इस समय प्रगति पर हैं।

6. उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों द्वारा समय का प्रबंध

यह अध्ययन शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी अध्ययनों के लिए नीपा की सहायता योजना के तहत शिक्षा विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय में रीडर डा.सिंथिया पांड्यन को स्वीकृत किया गया। इसकी अनुमानित लागत 64,680 रुपये तथा समयसीमा 12 माह है।

अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य ये हैं: (अ) प्रधानाध्यापकों द्वारा समय–प्रबंध के विभिन्न पक्षों का अध्ययन करना, (ब) समय–प्रबंध तरीकों के सिलसिले में प्रधानाध्यापकों के तौर–तरीकों के अंतरों का पता लगाना, और (स) सोचे–समझे ढंग से बरबाद करनेवाले तथा कार्यों और समय के बीच संतुलन बिठानेवाले प्रधानाध्यापकों के ढर्रों की पहचान करना।

7. साक्षरता कार्यक्रमों की योजना और प्रशासनः प्रखंड स्तर के अनुभवों के सबक

यह अध्ययन शैक्षिक अनुसंधान और विकास संस्थान, बंगलौर के अध्यक्ष प्रोफेसर आर. भारद्वाज को शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी अध्ययनों के लिए नीपा की सहायता योजना के अंतर्गत स्वीकृत किया गया था। अध्ययन की अनुमानित लागत 87,600 रुपये और समय सीमा 9 माह थी।

अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं: (अ) आंदोलन की सहारा देने वाले संस्थागत ढांचे और स्वयं आंदोलन की गति के आपसी संबंधों का अध्ययन करना; (ब) इस प्रकार प्रशिक्षित व्यक्तियों के परवर्ती जीवन के परिदृश्य तैयार करना ताकि यह आकलन किया जा सके कि साक्षरता के लाभार्थी क्या उसकी सहायता से अपने जीवन में सुधार ला सके हैं।

8. जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत शैक्षिक सूचना प्रणाली के विकास के लिए यूनिसेफ द्वारा आयोजित प्रायोगिक परियोजना

शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के आग्रह पर नीपा ने यूनिसेफ द्वारा प्रायोजित इस प्रायोगिक परियोजना को अपने हाथ में लिया। इसकी अनुमानित लागत 25,37,325 रुपये और समय–सीमा 9 माह थी। नीपा में वरिष्ठ अध्येता डा. वाई.पी.अग्रवाल इस परियोजना के निदेशक हैं।

अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं : (अ) प्रत्येक राज्य से आंकड़ों के संग्रह और संकलन तथा विद्यालय से राज्य स्तर तक उनके संप्रेषण की मौजूदा व्यवस्था का विश्लेषण करना, (ब) परियोजना के आगतों और निर्गतों की निगरानी के लिए सूचकों का तथा इसके लिए एक प्रपत्र का विकास करना, (स) अतिरिक्त आवश्यक (जनगणना और प्रतिदर्शी विधियों से प्राप्त) आंकड़ों की पहचान करना तथा उपरोक्त (द) के लिए उनकी रिपोर्टिंग की बारंबारता का पता लगाना, (य) निगरानी के विभिन्न सूचकों के आधार पर प्राप्त आंकड़ों के संग्रह, रिपोर्ट–लेखन और संप्रेषण की विधियों को निरूपित करना, य) आंकड़ों के कुल परिमाण का आकलन करना तथा जिला या राज्य स्तर पर आंकड़ों के कंप्यूटरीकरण के लिए आवश्यक देशवार श्रमशक्ति संबंधी सुझाव देना, (र) आंकड़ों के भंडार, तालिकाओं की तैयारी, समेकन तथा जिला से राज्यस्तर तक रिपोर्टों के संप्रेषण के लिए साफ्टवेयर का विकास करना, (ल) विभिन्न स्तरों पर आंकड़ों के प्रवाह और रिपोर्ट की तैयारी की एक प्रणाली की रूपरेखा तैयार करना, (ब) जिला, राज्य और राष्ट्र के स्तर पर एक शैक्षिक सूचना

1996-97

प्रणाली स्थापित करने के लिए प्रशिक्षण का एक पैकेज तैयार करना, (श) इस प्रणाली और उससे प्राप्त शैक्षिक आंकड़ों के उपयोग के बारे में वरिष्ठ नीति–निर्माताओं और प्रशासकों के लिए अभिविन्यास का एक कार्यक्रम आयोजित करना, तथा (ष) जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम से बाहर रह गए जिलों तक DISE का विस्तार करने की रणनीतियों के बारे में सिफारिशें देना।

9. पंचायती राज के अंतर्गत शिक्षा के प्रबंध के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधन

यह अध्ययन हैदराबाद, आंध्रप्रदेश, के श्री वी वी रामाराव, आई.ए.एस., को स्वीकृत किया गया है।

गह अध्ययन आंध्रप्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में वित्तीय संसाधनों के प्रबंध को समझने के मकसद से चलाया जा रहा है।

नए स्वीकृत अध्ययन

1. प्रावधान और कीर्तिमान : मल्लपुरम, केरल के प्राथमिक विद्यालयों का एक अध्ययन

यह अध्ययन प्रादेशिक प्रणाली एकक के वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष डा. एन.वी. वर्गीज द्वारा चलाया जा रहा है।

उद्देश्य : विभिन्न प्रखंडों में प्राथमिक विद्यालयों के कार्यकलाप की स्थिति का अध्ययन करना; विद्यालयों में पठन–पाठन की दशाओं को स्पष्ट करना; और विभिन्न प्रखंडों और विद्यालयों के बीच छात्रों की उपलब्धि के स्तरों संबंधी अंतरों का विश्लेषण करना।

2. भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में प्रारंभिक शिक्षा की स्थिति और समस्याएं

उद्देश्य : अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं :

(अ) जन्म के विशेष संदर्भ में प्रारंभिक विद्यालयों की समस्याओं का तथा कम स्त्री–साक्षरता वाले क्षेत्रों के संदर्भ में अनुसूचित जातियों और जनजातियों के बच्चों की समस्याओं का निदान करना, (ब) नवीं योजना (1997-2000 ईसवी) के लिए चरणबद्ध ढंग से नियोजन की एक व्यवस्था समेत हस्तक्षेप की रणनीतियों का विकास करना।

यह अध्ययन श्रीमती जयश्री राय जलाली द्वारा चलाया जा रहा है।

3. शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों के लाभ के क्षेत्र-सघन कार्यक्रम के प्रभाव का अध्ययन

उद्देश्य : इस योजना में क्रियान्वयन के जिस ढांचे की व्यवस्था की गई है उसे और क्षेत्र में उसके वास्तविक क्रियान्वयन को ध्यान में रखकर अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य ये रखे गए हैं :

शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों की बहुलता वाले क्षेत्रों में बुनियादी शैक्षिक ढांचे और सुविधाओं की व्यवस्था के प्रमुख उद्देश्य के आधार पर योजना का मूल्यांकन करना; उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए पर्याप्तता की दृष्टि से क्रियान्वयन के ढांचे का मूल्यांकन करना; तथा क्रियान्वयन तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के ढांचे के बीच मौजूद खाई को ध्यान में रखकर योजना में परिवर्तनों के सुझाव देना।

अध्ययन के विशिष्ट उद्देश्य ये हैं :

प्राथमिक/उच्चतर प्राथमिक विद्यालयों और अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों की स्थापना तथा बुनियादी शैक्षिक ढांचे की मजबूती की योजना के उपयोग की सीमा का अध्ययन करना; नामांकन और भागीदारी में गोचर सुधारों की छानबीन करना; तथा मुख्यधारा के आवासी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की योजना के माध्यम से माध्यमिक चरण में मुस्लिम लड़कियों की भागीदारी के प्रभाव को समझना।

4. मेघालय की पश्चिमी गारो पहाड़ियों के प्राथमिक विद्यालयों में लड़कियों के नामांकन और प्रतिधारण पर दोपहर के भोजन के कार्यक्रम का प्रभाव

उद्देश्य : पश्चिमी गारो पहाड़ियों के प्राथमिक विद्यालयों में लड़कियों के विशेष संदर्भ में नामांकन और प्रतिधारण की समस्याओं की पड़ताल करना;

राज्य में तथा पश्चिमी गारो पहाड़ियों में दोपहर के भोजन की योजना के संचालन का अध्ययन करना;

गारो पहाड़ियों में प्राथमिक स्तर पर लड़कियों के नामांकन

और प्रतिधारण पर दोपहर के भोजन की योजना (राष्ट्रीय पोषाहार कार्यक्रम) के प्रभाव का आकलन करना।

परियोजना की स्थिति : क्षेत्र (पश्चिमी गारो पहाड़ियो) से प्राथमिक आंकड़े जमा करके उनके विश्लेषण और व्याख्या का का कार्य पूरा हो चुका है।

5. जिला प्रा.शि.का. वाले जिलों में लागू की जानेवाली सूचना प्रणालियों की रूपरेखा, विकास और प्रशिक्षण

उद्देश्य : प्रत्येक राज्य में विद्यालय से राज्य स्तर तक आंकड़ों के संग्रह, संकलन और संप्रेषण की मौजूदा व्यवस्था का विश्लेषण करना;

परियोजना के आगतों और निर्गतों की निगरानी के लिए सूचकों का और इसके लिए एक प्रपत्र का विकास करना;

अतिरिक्त आवश्यक (जनगणना और प्रतिदर्शी आधार पर प्राप्त) आंकड़ों की पहचान करना तथा उपरोक्त निगरानी के लिए उनकी रिपोर्टिंग की बारंबारता का पता लगाना;

निगरानी के विभिन्न पहचानशुदा सूचकों के आधार पर आंकड़ों के संग्रह, रिपोर्ट की तैयारी और संप्रेषण की विधियों का निरूपण करना;

आंकड़ों के कुल परिमाण का आकलन करना तथा जिला/राज्य स्तर पर प्राप्त आंकड़ों के कंप्यूटरीकरण के लिए आवश्यक पेशेवर श्रमशक्ति की पहचान करना;

आंकड़ों के संकलन, तालिकाओं की तैयारी, समेकन और जिला से राज्य स्तर तक रिपोर्टों के संप्रेषण के लिए साफ्टवेयर का विकास करना;

विभिन्न स्तरों पर आंकड़ों के प्रवाह और रिपोर्ट की तैयारी की एक प्रणाली की रूपरेखा तैयार करना;

जिला, राज्य और राष्ट्र के स्तर पर उपरोक्त सूचना प्रणाली की स्थापना के लिए प्रशिक्षण का पैकेज तैयार करना;

उपरोक्त प्रणाली के उपयोग तथा उससे प्राप्त शैक्षिक आंकड़ों के उपयोग के बारे में वरिष्ठ नीति–निर्माताओं और प्रशासकों के लिए अभिविन्यास के कार्यक्रम चलाना;

जि.प्रा.शि. कार्यक्रम से इतर जिलों तक उपरोक्त प्रणाली के विस्तार की रणनीतियों की सिफारिश करना।

यह परियोजना जि.प्रा.शि. कार्यक्रम के पहले चरण में पहले ही 42 जिलों में लागू की जा चुकी है। जि.प्रा.शि. कार्यक्रम के दूसरे चरण में उपरोक्त प्रणाली की स्थापना के बारे में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने और कार्यक्रम के ब्यूरो को तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए तैयारीयां की जा चुकी हैं। इस तरह इस परियोजना में अब 130 जिले समेट लिए जाएंगे।

उपरोक्त सूचना प्रणाली के साफ्टवेयर की समीक्षा की जा चुकी है और DISE 2.01 नाम से एक संशोधित साफ्टवेयर जारी किया जा चुका है। इस नए साफ्टवेयर में बहुत सी नई विशेषताएं हैं और इसका अच्छा स्वागत हुआ हैं।

प्रकाशन

अनुसंधान के परिणामों का प्रकाशन स्वयं अनुसंधान जितना ही महत्व होता है। अनुसंधान के परिणामों का प्रसारण कार्यपत्रों और सामयिक आलेखों के द्वारा भी किया जाता है। विनिबंध और अनुलेखित पांडुलिपियां प्रसार का एक और साधन हैं। प्रकाशन एकक अनेक आलेखों, अंग्रेजी में *जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन* तथा हिंदी पत्रिका *परिप्रेक्ष्य, नीपा न्यूजलेटर, एनट्रिएप* (एशियन नेटवर्क आफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूशंस इन एजुकेशनल प्लानिंग) नामक न्यूजलेटर, तथा शैक्षिक योजना और प्रशासन से संबंधित पुस्तकों और शोध–रिपोर्टों का प्रकाशन भी करता है।

समीक्षाधीन काल में संस्थान ने निम्नलिखित का प्रकाशन किया।

समूल्य

दूसरा अखिल भारतीय शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षण से संबंधित पुस्तकें

दो दशकों के अंतराल के बाद नीपा ने शैक्षिक प्रशासन संबंधित दूसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण का विशाल कार्य आरंभ किया हैं। इस काल में इस शृंखला की निम्नलिखित दो पुस्तकों का प्रकाशन किया गया :

1996-97

1. एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन इन राजस्थान : स्ट्रक्चर्स, प्रोसेसेज एंड फ्यूचर प्रास्पेक्ट्स, लेखकः बलदेव महाजन, आर.एस. त्यागी और शांता अग्रवाल

2. एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन इन त्रिपुरा : स्ट्रक्चर्स, प्रोसेसेज एंड फ्यूचर प्रास्पेक्ट्स, लेखकः अनिल सिन्हा, बलदेव महाजन, श्रीलेखा मजुमदार और एस के घोष

प्रत्येक पुस्तक संबद्ध राज्य/संघीय क्षेत्र से प्राथमिक स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं पर ही नहीं बल्कि अधुनातम द्वितीयक आंकड़ों पर भी आधारित है। इनमें मुख्यतः विद्यालय शिक्षा के प्रशासन पर ध्यान देते हुए संस्था से राज्य/संघीय क्षेत्र के स्तर तक शैक्षिक प्रशासन की वर्तमान स्थिति को दर्शाया गया है।

ये पुस्तकें शैक्षिक योजना और प्रशासन के विभिन्न कार्यकलापों का एक आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करती हैं। साथ ही ये प्रशासन व्यवस्था के भावी विकास संबंधी सुझाव भी देती हैं और शैक्षिक योजनाकारों और प्रशासकों के सामने मौजूद कार्यभार की रूपरेखा प्रस्तुत करती हैं।

ये पुस्तकें शोधकर्ताओं, शिक्षाशास्त्रियों, शैक्षिक योजनाकारों और प्रशासकों तथा साथ ही शिक्षा के विकास में रुचि रखनेवाली सभी व्यक्तियों के लिए उपयोगी संदर्भ–सामग्री प्रदान करती हैं।

3. सिंगिल टीचर स्कूल्स इन ट्राइबल एरियाज : ए स्टडी आफ गिरिजन विद्या विकास केंद्राज इन आंध्रप्रदेश, लेखिका : के. सुजाता

आदिवासी क्षेत्रों में शैक्षिक भागीदारी बढ़ाने के लिए आंध्रप्रदेश ने वैकल्पिक नीतियां और लोचदार मानदंड अपनाए हैं। छोटी और बिखरी हुई आदिवासी बस्तियों में गिरिजन विद्या विकास केंद्र (एक अध्यापक वाले विद्यालय) नामक प्रवर्तनकारी संस्थाएं स्थापित की गई है।

प्रस्तुत पुस्तक दो प्रतिदर्शित जिलों में इन संस्थाओं के ढांचागत और प्रकार्यात्मक पहलुओं पर किए गए एक अनुभवाश्रित अध्ययन पर आधारित है। अत्यंत पिछड़ी और छोटी बस्तियों में शिक्षा की सुलभता बढ़ाने में इन लोचदार मानदंडों और प्रवर्तनकारी रणनीतियों ने निश्चित ही सहायता पहुंचाई है। इसके चलते विद्यालयगामी आयु के बच्चों और खासकर लड़कियों को बहुत बड़ी तादाद में शिक्षा में भागीदारी का अवसर मिला है। फिर भी इन प्रवर्तनकारी रणनीतियों और वैकल्पिक नीतियों में आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर ध्यान नहीं दिया गया है। प्रस्तुत पुस्तक में स्थानीय आदिवासी युवकों को अध्यापक-रूप में नियुक्त करने की प्रभाविता की पड़ताल करने का एक प्रयास किया गया है। यह मानयता कि आदिवासी अध्यापक प्रभावी होंगे, एक मिथक जान पड़ती है। विद्यालय और समुदाय की अंतःक्रिया, एक अध्यापक वाले विद्यालयों के नियोजन और प्रबंध की समस्याओं से जुड़े मुद्दों की अलग-अलग अध्यायों में विस्तार से विवेचना की गई है।

मूल्यरहित

4. रिफार्मिंग स्कूल एजुकेशन : इशूज इन पलिसी प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, एक सम्मेलन की रिपोर्ट

यह प्रकाशन विद्यालय शिक्षा सुधार : नीति-निर्माण और क्रियान्वयन के प्रश्नों पर संस्थान द्वारा आयोजित एक सम्मेलन (1-2 फरवरी 1996) की एक संक्षिप्त रिपोर्ट है। यह रिपोर्ट दो-दिवसीय सम्मेलन की कार्रवाइयों का ब्यौरा है जिसमें छः तकनीकी सत्रों में से प्रत्येक में हुए विचारविमर्श का एक संक्षिप्त विवरण भी शामिल है। यह सम्मेलन मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जि.प्रा.शि. कार्यक्रम के अनुसंधान-अध्ययन कार्यक्रम के तहत दी गई वित्तीय सहायता से संभव हुआ।

5. एजुकेशन फार इंटरनेशनल अंडरस्टैंडिंग : द इंडियन एक्सपेरिएंस, लेखकः सी.एल. सप्रा

प्रस्तुत अध्ययन 1977 में यूनेस्को द्वारा प्रायोजित और नीपा द्वारा 1977-78 में प्रकाशित एक पिछले अध्ययन का संशेधित संस्करण है। पिछला अध्ययन यूनेस्को सामान्य सम्मेलन के

1996-97

19वें सत्र (1976) द्वारा पारित एक प्रस्ताव का परिणाम था जिसमें सदस्य देशों से आग्रह किया गया था कि अंतर्राष्ट्रीय समझदारी, सहयोग, शांति को मानवाधिकारों तथा बुनियादी स्वतंत्रताओं के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा का और अधिक उपयोग करें। पिछले अध्ययन को अधुनातन बताना दो कारणों से आवश्यक हो गया था :

पिछले दो दशकों में यूनेस्को सामान्य सम्मेलन के प्रस्ताव को लागू करने में हुई प्रगति का जायज़ा लेना, तथा प्रगति की इस रिपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन, जेनेवा, अक्टूबर 1994, के 44वें सत्र में पेश करना।

अध्ययन की रिपोई 7 अध्यायों में विभाजित है : प्रस्तावना; राष्ट्रीय नीति, योजना और प्रशासन; पाठ्यचर्या के आगत : पाठ्यविवरण और अंतःतत्व; पाठ्यचर्या के अंतःतत्व–2: विधियां और सामग्रियां; अनुसंधान और प्रयोग; अंतर्राष्ट्रीय सहयोग; सुझाव और सिफारिशें।

जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन

संस्थान दो पत्रिकाओं – अंग्रेजी में *जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन* (संपादक: प्रोफेसर जे.बी.जी. तिलक) और हिंदी में *परिप्रेक्ष्य* (संपादक : प्रोफेसर श्रीप्रकाश) – का प्रकाशन करता है। इस वर्ष इन पत्रिकाओं के निम्नलिखित अंक प्रकाशित हुए :

1-5 **अंग्रेजी : वर्ष** 9, अंक 4, अक्तूबर 1995; वर्ष 10, अंक 1, जनवरी 1996; **वर्ष** 10, अंक 2, अप्रैल 1996; वर्ष 10, अंक 3, जुलाई 1996 और **वर्ष** 10, अंक 4, अक्तूबर 1996 के अंक। जनवरी 1997 से इस पत्रिका को समूल्य बना दिया गया है ताकि इसके वितरण को अधिक कारगर बनाया जा सके और कुछ संसाधन जुटाए जा सकें।

6-7 **हिंदी : परिप्रेक्ष्य, वर्ष** 2, अंक 1, अप्रैल 1995 तथा वर्ष 2, अंक 2, अगस्त 1995 के अंक।

नीपा न्यूजलेटर

संस्थान में आयोजित संगोष्ठियों और कार्यशालाओं, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रमों, अनुसंधान अध्ययनों की सूचनाएं और अन्य समाचार देने के लिए पिछले वर्ष *नीपा न्यूजलेटर* का प्रकाशन आरंभ किया गया। इस काल में इस त्रैमासिक न्यूजलेटर के तीन अंकों (अप्रैल 1996, जुलाई 1996 और अक्तूबर 1996) का प्रकाशन किया गया।

एनट्रिएप न्यूजलेटर

एनट्रिएप (एशियन नेटवर्क आफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूशंस इन एजुकेशनल प्लानिंग) न्यूजलेटर के दो अंक भी इस वर्ष प्रकाशित किए गए। ये हैं – जनवरी–जून 1996 और जुलाई–दिसंबर 1996 के अंक।

प्रकाशनाधीन

1-2 एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन हिमाचलप्रदेश और असम से संबंधित, समूल्य।

3. रिफार्मिंग स्कूल एजुकेशन : इशूज इन पालिसी, प्लानिंग एंड इंप्लिमेंटेशन, संपादक : वाई पी अग्रवाल और कुसुम प्रेमी, समूल्य।

4. जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, वर्ष 11, अंक 1, जनवरी 1997, समूल्य।

5. परिप्रेक्ष्य (हिंदी पत्रिका), वर्ष 2, अंक 3, दिसंबर 1995 का अंक।

6. नीपा न्यूजलेटर, जनवरी 1997 का अंक।

अनुलेखित प्रकाशन

संस्थान शोध अध्ययनों, सामयिक आलेखों तथा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रिपोर्टों और पठन-पाठन सामग्रियों के रूप में अनेक अनुलेखित/अनुकृत प्रकाशन भी प्रस्तुत किए।

1996-97

अध्याय 4

पुस्तकालय, प्रलेखन केंद्र और अकादमिक समर्थन प्रणाली

पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र

संस्थान के पास शैक्षिक योजना, प्रशासन और संबद्ध पिषयों पर एक सुसज्जित पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र है। इसे एशिया क्षेत्र में शैक्षिक योजना और प्रबंध पर सबसे समृद्ध पुस्तकालयों में एक कहा जा सकाता है। यह केवल संकाय, शोधछात्रों और विभिन्न कार्यक्रमों की ही नहीं बल्कि अंतः पुस्तकालय ऋण व्यवस्था के द्वारा दूसरे संगठनों की आवश्यकताएं भी पूरी करता है। यहां की वाचनालय सुविधाएं सभी के लिए मुक्त हैं।

समीक्षाधीन काल में पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र में 1042 पुस्तकों और दस्तावेजों की बढ़ोत्तरी हुई। इस समय पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र में 49063 पुस्तकों का संग्रह मौजूद है। इसके अलावा यहां संयुक्त राष्ट्रसंघ, यूनेस्को, आर्थिक सहयोग–विकास संगठन, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, यूनिसेफ, विश्व बैंक आदि अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों और सम्मेलनों की रिपोर्टों का एक समृद्ध संकलन भी है।

पत्रिकाएं

पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र में शैक्षिक योजना, प्रशासन, प्रबंध और दूसरे संबद्ध विषयों पर 350 पत्रिकाएं आती हैं। इन पत्रिकाओं में प्रकाशित सभी महत्वपूर्ण लेखों की सूची तैयार की जाती है। समीक्षाधीन काल में इन पत्रिकाओं के 1900 लेखों की सूचियां तैयार की गई।

अखबारी कतरनें

पुस्तकों और पत्रिकाओं के अलावा पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र में आनेवाले 23 समचार पत्रों से शैक्षिक योजना और प्रशासन पर कतरनों का एक विशेष संग्रह भी रखा जाता हैं।

अमुद्रित सामग्री

यह पुस्तकालय एक बहुमाध्यमी संसाधन केंद्र है। यहां वीडियो और आडियो कैसेटों, फिल्मों, माइक्रो फिल्मों और माइक्रोफिंचों का एक संग्रह भी है। इस समय यहां 6 फिल्में, 40 वीडियो कैसेट, 80 आडियो कैसेट, 50 माइक्रोफिल्में और 109 माइक्रोफिंचें हैं।

समसामयिक ज्ञान सेवा

शिक्षा संबंधी पत्र-पत्रिकाएं : किसी पखवाड़े में आनेवाली शैक्षिक पत्रिकाओं के लेखों के बारे में पाठकों को जागरूक बनाए रखने के लिए पुस्तकालय ने अपने पाक्षिक अनुलेखित प्रकाशन पीरियाडिकल्स इन एजुकेशनः टाइटिल्स रिसीव्ड एंड देयर कंटेंट का प्रकाशन जारी रखा।

नीपा पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र की प्राप्तियां

पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र में आनेवाली सामग्री की कंप्यूटरीकृत मासिक सूचियां भी तैयार की जाती हैं ताकि पाठकों को रूचि के दस्तावेजों, लेखों और नई सामग्रियों की जानकारी मिलती रहे।

चुनिंदा सूचनाओं का प्रसारण

इस काल में पुस्तकालय ने संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के लिए 207 संदर्भ सूचियां तैयार की।

पुस्तकालयों का नेटवर्किंग

1995 में नीपा पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र देहली लाइब्रेरी नेटवर्किंग (डेलनेट) में शामिल हुआ। इससे यहां निम्नलिखित सुविधाएं प्राप्त हुई :

(अ) **फोन पर संपर्क :** दिल्ली के 65 पुस्तकालयों से फोन पर संबंध स्थापित हुआ और वे भी नीपा पुस्तकालय के संग्रह की फोन पर जानकारी पा सकते हैं।

(ब) इलेक्ट्रानिक मेल सेवा : दिल्ली की 65 संस्थाओं से संबंध स्थापित हुआ।

रेनिक (RENNIC) के द्वारा देश के दूसरे भाग से संबंध स्थापित हुआ।

रेनिक के द्वारा इंटरनेट से संबंध स्थापित हुआ।

इस सुविधा के द्वारा नीपा का संकाय देश में तथा दूसरे देशों तक अपनी डाक ई–मेल से भेज और मंगा सकता है, तथा पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताएं कम समय में पूरी कर सकता है।

नीपा न्यूजलेटर

इस वर्ष इस न्यूजलेटर के तीन अंक प्रकाशित किए गए।

एजुकेशन फाइल

नीपा के पुस्तकालय के जयशंकर स्मारक केंद्र के सहयोग से एजुकेशन फाइल का प्रकाशन किया। इसका उद्देश्य देश में शिक्षा के क्षेत्र में हो रही तमाम अहम घटनाओं की सूचनाओं को एक जगह एकत्र करना है।

यह फाइल शिक्षा के सभी पक्षों पर अंग्रेजी–हिंदी में प्रकाशित समाचारों का संकलन है। इसमें देश भर के तीसेक समाचारपत्रों की खबरें शामिल की जाती हैं। यह एक मासिक प्रकाशन है। इसका प्रकाशन मई 1996 में शुरू हुआ। समीक्षाधीनकाल में पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र ने इसके 10 अंक प्रकाशित किए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. हरियाणा के पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए पुस्तकालय नियोजन और प्रबंध पर अभिविन्यास कार्यक्रम (1-6 जुलाई 1996): हरियाणा सरकार के आग्रह पर नीपा ने हरियाणा के पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए इस एक सप्ताह के अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार थे: भागीदारों को पुस्तकालय और सूचना सेवाओं की आधुनिक धारणा का परिचय देना, उन्हें पुस्तकालय नियोजन और प्रबंध की तथा मूल्यांकन की तकनीकों से लैस करना, तथा उन्हें हरियाणा के विभिन्न भागों के पुस्तकालयाध्यक्षों से संपर्क और अनुभवों के आदान प्रदान का अवसर प्रदान करना।

2. मध्यप्रदेश के जि शि प्र संस्थानों के लिए पुस्तकालय नियोजन और प्रबंध पर अभिविन्यास कार्यक्रम (11-17 दिसम्बर 1996) : नीपा ने क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल में मध्यप्रदेश के जि शि प्र संस्थानों के लिए पुस्तकालय नियोजन और प्रबंध पर इस एक सप्ताह के अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार थे : पुस्तकालय नियोजन और प्रबंध की आधुनिक तकनीकों पर व्यावहारिक अभिविन्यास प्रदान करना, पुस्तकालयाध्यक्षों को पुस्तकालयों में कंप्यूटरों के उपयोग का प्रशिक्षण देना, शैक्षिक योजना और प्रशासन के बारे में मशीन से पढ़ने योग्य आंकड़ा–भंडारों का विकास करना, तथा सूचनाओं की व्यापक सुलभता के लिए उपरोक्त पुस्तकालयों को राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्कों से जुड़ने के लिए तैयार करना।

प्रलेखन केंद्र

संस्थान के कार्यक्रमों और खासकर राज्यों और संघीय क्षेत्रों की आवश्यकताओं से जुड़े कार्यक्रमों को सूचनाओं का कारगर आधार देने के लिए पुस्तकालय का प्रलेखन केंद्र राज्यों व संघीय क्षेत्रों, शिक्षा विभागों, जिलों के अधिकारियों और शिक्षा संस्थाओं द्वारा शैक्षिक योजना और प्रशासन पर प्रकाशित संदर्भ सामग्रियों का संग्रह करता है। केंद्र मुख्यतः सूचनाओं के संग्रह, भंडारण और प्रसार पर जोर देता है ताकि संस्थान अपनी निकासीघर की भूमिका निभा सके।

इस दौरान केंद्र में 400 दस्तावेज शामिल किए गए। अब केंद्र के पास 19,461 दस्तावेज हैं। इनमें राज्यों के गजेटियर, राज्यों में जनगणना को पुस्तिका, वार्षिक योजनाएं, शैक्षिक योजनाएं, जिला साख योजनाएं, जिला प्रतिदर्शी सर्वेक्षण, जिला शैक्षिक सर्वेक्षण, जिलों की सांख्यिकीय पुस्तकें, ग्राम व प्रखंड स्तर की योजनाएं और अध्ययन, अनुसंधानों और परियोजनाओं की रिपोर्टें, संसाधन कोश संबंधी अध्ययन, तकनीकी–आर्थिक सर्वेक्षण, जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम संबंधी योजनाएं और अध्ययन, विश्वविद्यालयों के शोधप्रबंध शामिल हैं।

1996-97

केंद्र में देश भर से उपहार आदान-प्रदान के आधार पर 75 शैक्षिक व अन्य पत्रिकाएं आती हैं।

प्रलेखन केंद्र संदर्भ के लिए निम्न छः संकलन उपलब्ध कराता हैं जो नीपा के अपने योगदान हैं :

(1) नीपा के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रिपोर्टों, 1962 से 1997 तक।

(2) शैक्षिक योजना और प्रबंध के डिप्लोमा के तहत विषयवार लघुप्रबंध, 1982 से 1997 तक।

(3) नीपा के शोध अध्ययनों की विषयवार सूचियां, 1997 तक।

(4) अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन डिप्लोमा के लघुप्रबंधों की वर्गीकृत सूची, 1997 तक।

(5) विश्वविद्यालयों के शोधप्रबंध, विषयवार वर्गीकृत, 1997 तक।

(6) जिला प्राथमिक शिक्षा परियोजना की सूचियां, 1997 तक।

केंद्र एजुकेशन फाइल (मासिक समाचार–संकलन) में उपयोग के लिए 23 राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचारपत्र मंगाता है।

संदर्भ के लिए इस प्रलेखन केंद्र को अद्वितीय कहा जा सकता है और अब संकाय के सदस्य, शोधकर्ता स्टाफ और प्रशिक्षणार्थी ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा संस्थाओं के शोधछात्र भी इसका व्यापक उपयोग कर रहे हैं। इस वर्ष 1500 विद्वानों में केंद्र की सेवाओं का उपयोग किया।

कंप्यूटर केंद्र

संस्थान के पास अनेक प्रकार के कंप्यूटरों और प्रिंटरों वाला एक सुसज्जित कंप्यूटर केंद्र हैं। यह केंद्र सभी अकादमिक एककों और पुस्तकालय, प्रशासन और वित्त अनुभाग को कंप्यूटर की सुविधाएं प्रदान करता है। अकादमिक एककों को प्रशिक्षण, अनुसंधान और अन्य कार्यों में सहायता दी जाती है। यह केंद्र प्रेस–पूर्व पृष्ठ तैयार करके विभिन्न प्रकाशन–कार्यों में भी सहायता देता है। जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन, नीपा न्यूजलेटर, एनट्रिप न्यूजलेटर, वार्षिक रिपोर्ट आदि ऐसे कुछ अहम प्रकाशन हैं। इस केंद्र में भी ई–मेल और इंटरनेट की सुविधाएं है।

एक पेंटियम सर्वर मशीन स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क की सुविधा देती है। इसका ढांचा 25 नोडों पर आधारित है पर इससे संस्थान के लगभग सभी कक्ष जोड़े गए है। इस तरह इससे सर्वर की सुलभता के बिंदु बढ़ जाते हैं और विभिन्न स्थानों के अनेकों एप्लिकेशन साफ्टवेयर्स का उपयोग किया जा सकता है।

उपरोक्त हार्डवेयर के अलावा केंद्र में अलग–अलग प्रयुक्त होनेवाले और स्थानीय नेटवर्क वाली श्रेणी के अनेक साफ्टवेयर पैकेज भी हैं। कुछ साफ्टवेयर इस प्रकार हैं : लोटस 1-2-3 (रिला 3), डी–बेस चार, विंडोज के लिए एस पी एस एस, साफ्टकेल्क, साफ्टवर्ड, साफ्टबेस, वर्डस्टार 6 आदि। प्रोग्राम के लिए कोबाल, फोर्ट्रान, पास्कल और सी कंपाइलरों का उपयोग होता है। आसान उपयोग वाले कुछ साफ्टवेयर भी हैं जिनका उपयोग शिक्षा व अन्य क्षेत्रों से संबद्ध आंकड़ों के परिमाणात्मक विश्लेषण के लिए किया जाता है।

मानचित्रण कक्ष

यह कक्ष संस्थान के प्रशिक्षण व अनुसंधान कार्यों में चित्रात्मक सुविधा प्रदान करता है। इसने कंप्यूटर प्रणाली की सहायता से आंकड़ों और सूचनाओं की चित्रों, ग्राफों, चार्टों, तालिकाओं और पारदर्शियों के रूप में प्रयुक्त करने की नई विधियां विकसित की हैं।

इस कक्ष ने नीपा के प्रकाशनों, न्यूजलेटर, अंग्रेजी व हिन्दी पत्रिकाओं, वार्षिक रिपोर्टों तथा हिमाचल प्रदेश और त्रिपुरा में शैक्षिक प्रशासन संबंधी प्रकाशनों में विभिन्न चित्रों आदि का योगदान भी किया है।

हिंदी कक्ष

यह कक्ष अनुसंधान, प्रशिक्षण और प्रशासन के लिए अनुवाद की सुविधाएं और अकादमिक सहायता प्रदान करता है। यह विभिन्न प्रकाशनों को हिंदी में लाने में ही नहीं बल्कि राजभाषा नीति को लागू करने में भी सहायता करता है।

समीक्षाधीन वर्ष में संस्थान के हिंदी कक्ष ने रोजमर्रा के कार्यों के अलावा अनेक महत्वपूर्ण कार्य भी किए :

1996-97

(अ) हिंदी के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए संस्थान की राजभाषा क्रियान्वयन समिति की बैठकें की गईं।

(ब) प्रकाशन के लिए चुने गए आलेखों की समीक्षा हेतु हिंदी पत्रिका परिप्रेक्ष्य के संपादकमंडल की बैठकें की गईं।

(स) परिप्रेक्ष्य के दो अंक प्रकाशित किए गए और अगले तीन अंकों के मसौदे तैयार किए गए।

(द) निम्नलिखित को हिंदी में अनुवाद करके प्रकाशन के लिए तैयार किया गया:

(1) वार्षिक रिपोर्ट : 1995-96

(2) प्रशिक्षण समय सूची : 1997-98

(य) हिंदी दिवस का आयोजन : 2 से 16 सितम्बर तक, हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इस दौरान हिंदी में निबंध लेखन, नोटिंग और ड्राफ्टिंग, अनुवाद और टंकण की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। 16 सितम्बर 1996 को पुरस्कार वितरण समारोह हुआ। इस अवसर पर एक कवि गोष्ठी का आयोजन भी हुआ। मधुर शास्त्री, जगदीश चतुर्वेदी, मंजु गुप्ता, श्याम निर्मम और हीरालाल बाछौतिया जैसे सुज्ञात हिंदी कवियों ने कविताएं पढ़ीं।

(र) 11 से 15 सितंबर 1996 तक पांच दिन की हिंदी कार्यशाला चली। इसमें संस्थान के 35 अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

(ल) राजभाषा प्रयोग सहायिका, भाग 2 (अकादमिक) का पहला मसौदा तैयार किया गया।

(व) हिंदी कक्ष ने शैक्षिक योजना एकक से शिक्षा की लागत पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन में सहयोग किया। संगोष्ठी में विवेचित आलेखों को इसी विषय पर परिप्रेक्ष्य के विशेषांक में प्रकाशन के लिए चुना गया।

1996-97

अध्याय 5

संगठन, प्रशासन और वित्त

सांगठनिक ढांचा

नीपा सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन है और उसे भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय से सहायता अनुदान प्राप्त होता है। संस्थान के प्रमुख निकाय एक परिषद्, एक कार्यकारी समिति, वित्त समिति, तथा योजना और कार्यक्रम समिति है। संस्थान का प्रमुख कार्यकारी अधिकारी निदेशक होता है जो भारत सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है। उसकी सहायता संयुक्त निदेशक करता है। कुल सचिव कार्यालय के प्रमुख तथा पूरे प्रशासन का प्रभारी होता है।

परिषद्

परिषद् संस्थान की शीर्ष निकाय होती है। इसके अध्यक्ष को भारत सरकार द्वारा मनोनीत किया जाता है। नीपा का निदेशक इसका उपाध्यक्ष होता है। परिषद् में राष्ट्रीय और प्रादेशिक शिक्षा व्यवस्थाओं के कार्यपालक और यशस्वी शिक्षाशास्त्री सदस्य होते हैं। जैसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का अध्यक्ष, भारत सरकार के चार सचिव (शिक्षा, वित्त, कार्मिक और योजना आयोग), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के निदेशक, राज्यों और संघीय क्षेत्रों के छः शिक्षा सचिव और शिक्षा निदेशक, छः यशस्वी शिक्षाशास्त्री, कार्यकारी समिति के सभी सदस्य और नीपा संकाय के तीन सदस्य कुलसचिव परिषद् के सचिव का काम करता है।

संस्थान के उद्देश्यों को आगे बढ़ाना तथा उसकी गतिविधियों पर सामान्य निगरानी रखना परिषद् का प्रमुख कार्य होता है। 31 मार्च 1997 के अनुसार परिषद् के सदस्यों की सूची परिशिष्ट-I में दी गई है।

कार्यकारी समिति

संस्थान का निदेशक इसका पदेन अध्यक्ष होता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), वित्त आयोग, योजना आयोग के सचिवों के नामजद व्यक्ति, किसी एक राज्य का शिक्षा सचिव, एक यशस्वी शिक्षाशास्त्री, एक राज्य सरकार का शिक्षा निदेशक, शैक्षिक योजना और प्रशासन में रत एक राज्य शिक्षा संस्थान का निदेशक, नीपा का संयुक्त निदेशक तथा नीपा परिषद् में शामिल तीन संकाय सदस्यों में से दो इसके सचिव होते हैं। नीपा का कुलसचिव कार्यकारी समिति के सचिव का काम करता है।

कार्यकारी समिति संस्थान के मामलों और कोश के प्रबंध के लिए जिम्मेदार होती है तथा उसे परिषद् की सभी शक्तियों के व्यवहार का अधिकार है। 31 मार्च 1997 के दिन कार्यकारी समिति के सदस्यों की सूची परिशिष्ट-II में दी गई है।

वित्त समिति

वित्त समिति की नियुक्ति अध्यक्ष द्वारा की जाती है। इसमें संस्थान के निदेशक की पदेन अध्यक्षता में पांच सदस्य होते है। इसमें परिषद् के वित्त सलाहकार तथा परिषद् के वे सदस्य शामिल होते हैं जो मनोनीत हों! नीपा का कुलसचिव वित्त समिति के सचिव का काम करता है।

वित्त समिति खातों तथा बजट के आकलनों की छानबीन करती है तथा नए व्यय प्रस्तावों और अन्य वित्तीय विषयों पर अपनी सिफारिशें देती है। 31 मार्च 1997 के अनुसार वित्त समिति के सदस्यों की सूची परिशिष्ट-III में दी गई है।

योजना और कार्यकारी समिति

योजना और कार्यक्रम समिति में पदेन अध्यक्ष के रूप में निदेशक, संयुक्त निदेशक, नीपा के अकादमिक एककों के अध्यक्ष, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग), योजना

1996-97

आयोग और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एक–एक प्रतिनिधि, किसी एक विश्वविद्यालय का कुलपति (राष्ट्रपति द्वारा नामजद), दो राज्य सरकारों के शिक्षा सचिव और दो के शिक्षा निदेशक (भारत सरकार द्वारा नामजद), छः शिक्षाशास्त्री/समाज वैज्ञानिक/प्रबंध विशेषज्ञ (जिनमें से दो महिलाओं या बालिकाओं की शिक्षा से जुड़े हों), एक अनुसूचित जातियों/जनजातियों की शिक्षा से जुड़ा हो और एक अल्पसंख्यकों की शिक्षा से (सभी राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत) शामिल होते हैं।

यह समिति संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों को स्वीकृति और अंतिम रूप देती है, उनकी समीक्षा करती है, संस्थान के दीर्घकालिक और अल्पकालिक परिप्रेक्ष्यों और योजनाओं का विकास करती है, संकाय द्वारा नियोजित अनुसंधान, प्रशिक्षण, प्रसार और सलाह कार्यक्रमों का वार्षिक समेकन, उनका अध्ययन करती है, कमियों और प्राथमिकता के क्षेत्रों की पहचान करती है।

अकादमिक एकक

संस्थान का संकाय निम्नलिखित नौ अकादमिक एककों में विभाजित है:

शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन, शैक्षिक वित्त, शैक्षिक नीति, विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्रादेशिक प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय, तथा संक्रियात्मक अनुसंधान और प्रणाली प्रबंध। इन एककों के कार्यों और अकादमिक प्राथमिकताओं का वर्णन अध्याय 1 में किया जा चुका है।

अकादमिक नीति एकक को छोड़ शेष सभी अकादमिक एककों के अध्यक्ष वरिष्ठ अध्येता हैं।

अकादमिक एकक विभिन्न प्रशिक्षण व अनुसंधान कार्यक्रमों के विकास और क्रियान्वयन के प्रति पूरे उत्तरदायित्व के साथ अपना काम कर रहे हैं। वे सौंपे गए क्षेत्रों में परामर्श और सलाह की सेवाएं भी प्रदान करते हैं।

कार्यबल और समितियां

विशिष्ट कार्यक्रमों के लिए निदेशक द्वारा समय–समय पर विशेष कार्यबलों और समितियों का गठन किया जाता है। विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के लिए सलाह देने और उन पर निगरानी रखने के लिए विशेषज्ञों पर आधारित परियोजना सलाहकार समितियां गठित की जाती हैं।

निदेशक की अध्यक्षता में एक अनुसंधान अध्ययन सलाहकार बोर्ड शैक्षिक योजना और प्रशासन संबंधी अध्ययनों के लिए सहायता–योजना के तहत प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करता है। इसमें दूसरों के अलावा अकादमिक एककों के अध्यक्ष भी सदस्य होते हैं तथा कुलसचिव इसका सदस्य सचिव होता है।

प्रशासन और वित्त

प्रशासनिक व्यवस्था तीन अनुभागों और दो कक्षों पर आधारित है–अकादमिक प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, सामान्य प्रशासन, प्रशिक्षण कक्ष और समन्वय कक्ष। अकादमिक प्रशासन और समन्वय प्रशासन कक्ष सीधे कुलसचिव को रिपोर्ट देते हैं। कार्मिक और सामान्य प्रशासन तथा प्रशिक्षण कक्ष की निगरानी कुलसचिव के प्रभार के अंतर्गत प्रशासनिक अधिकारी द्वारा की जाती है।

वित्त अधिकारी वित्त और लेखा अनुभाग का प्रभारी होता है और कुलसचिव की रिपोर्ट देता हैं। 31मार्च 1997 के दिन संस्थान की कुल स्टाफ संख्या 180 थी। इनका श्रेणीवार वितरण इस प्रकार है :

काडर पद	संख्या
संकाय	50
अकादमिक सहायता	14
प्रशासन, वित्त, सचिवालय और अन्य तकनीकी स्टाफ	71
ग्रूप डी	45
योग	**180**

स्टाफ में परिवर्तन

डा. (श्रीमती) जयलक्ष्मी इंदिरेसेन, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष,

1996-97

उच्च शिक्षा एकक के 31.5.1996 को आयु पूरा होने पर सेवानिवृत्ति दी गई।

डा. जी.डी.शर्मा, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष, उच्च शिक्षा एकक, को 8.7.1996 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली में सचिव का पदभार संभालने के लिए सेवामुक्त किया गया।

श्री जी.एस. भारद्वाज, कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी की 11.9.1996 से नीपा का प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त किया गया।

श्री डी.पी.सिंह ने 30.9.1996 से वित्त अधिकारी का पदभार संभाला।

डा. (श्रीमती) सुदेश मुखोपाध्याय, अध्येता, को राज्य शै अ प्र परिषद्, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली की निदेशिका का पदभार संभालने के लिए 4.10.1996 से सेवामुक्त किया गया।

श्री अनिल सिन्हा, संयुक्त निदेशक, नीपा, को कृषि और सहकारिता विभाग, भारत सरकार में संयुक्त सचिव का पदभार संभालने के लिए 27.11.1996 के दिन अपराह्न में सेवामुक्त किया गया।

विदेश यात्राएं

प्रोफेसर कुलदीप माथुर, निदेशक ने कामनवैल्थ एसोसिएशन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट के दो–दिवसीय माल्टा सम्मेलन, (21-24 अप्रैल 1996), में भाग लिया।

वरिष्ठ अध्येता और शैक्षिक वित्त एकक के अध्यक्ष डा.जे.बी.जी. तिलक ने श्रीलंका में शैक्षिक वित्त की व्यवस्था के अध्ययन के लिए 11से 24 मई 1996, 12-31 अगस्त 1996 और 30 सितंबर से 22 अक्टूबर 1996 तक एशियाई विकास बैंक को परामर्श सेवाएं प्रदान कीं।

डा.जे.बी.जी. तिलक ने पूर्वी एशिया के विकास में सामाजिक व्यय पर विश्व बैंक की कार्यशाला, टोक्योः हितोत्सुबाशी विश्वविद्यालय, (6-9 जनवरी 1997) में भाग लिया।

सह अध्येता डा.ए.सी.मेहता ने हारवर्ड शैक्षिक विकास संस्थान, हारवर्ड विश्वविद्यालय कैंब्रिज मैसाचुसेट्स में शिक्षा नीति और योजना संबंधी कार्यशाला, (16 जून-19 जुलाई 1996) में भाग लिया।

वरिष्ठ अध्येता तथा क्रि अ प्र प्र एकक के अध्यक्ष डा.वाई.पी. अग्रवाल ने वियतनाम में अवर माध्यमिक शिक्षा के विकास पर एशियाई विकास बैंक की परियोजना, (30 सितंबर-25 अक्टूबर 1996) में भाग लिया।

परिसर सुविधाएं

संस्थान के पास एक चार मंजिला कार्यालय भवन है, एक 48 कमरों वाला सात मंजिला छात्रावास है जो संलग्न स्नानघरों से युक्त है, तथा एक आवास क्षेत्र है जिसमें टाइप एक के 16 तथा टाइप दो से पांच तक प्रत्येक के 8 क्वार्टर और एक निदेशक निवास है।

छात्रावास के विस्तार और अध्ययन का कार्य लगभग पूरा होनेवाला है। इसमें एक वार्डेन का आवास, अतिथि संकाय के लिए आवास, अतिरिक्त ब्लाक, भोजनालय का विस्तार आदि शामिल होंगे। केवल अंतिमोक्त का कार्य शेष है जो जल्द ही शुरू किया जाएगा।

वित्त

इस वर्ष संस्थान को 197.59 लाख रुपयों का अनुदान (गैरयोजना 97.70 लाख, योजना 99.89 लाख) प्राप्त हुआ जबकि वर्ष 1995-96 में 198.50 लाख रुपये (गैरयोजना 99.00 लाख, योजना 99.50 लाख) प्राप्त हुए थे। वर्ष के आरंभ में संस्थान के पास 8.41 लाख रुपये (गैरयोजना 8.30 लाख, योजना 0.11 लाख) की एकक बकाया थी। वर्ष के दौरान कार्यालय और छात्रावास से 123.63 लाख रुपयों की रकम प्राप्त हुई। इस तरह कुल प्राप्ति 329.63 लाख रुपये थी। दूसरी तरफ सरकारी अनुदानों में से इस वर्ष 321.44 लाख रुपयों (गैरयोजना 221.61 लाख, योजना 99.83 लाख) की रकम खर्च की गई। वर्ष 1995-96 में यह खर्च 256.60 लाख रुपये था।

संस्थान के पास इस वर्ष के आरंभ में प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों की मद में 33.01 लाख रुपयों की रकम बकाया थी और 188.60 लाख रुपयों की अतिरिक्त प्राप्ति हुई। वर्ष के

1996-97

दौरान प्रायोजित कार्यक्रमों और अध्ययनों पर कुल 164.21 लाख रुपए खर्च किए गए। वर्ष के दौरान सरकारी अनुदानों में से 321.44 लाख रुपये (योजना और गैर–योजना मदों में) खर्च किए गए जबकि वर्ष 1995-96 में यह खर्च 256.60 लाख रुपयों का था। इसके अलावा कार्यक्रमों और अध्ययनों के लिए अन्य संगठनों से 164.21 लाख रुपए वित्तीय सहायता के रूप में प्राप्त हुए। सरकारी अनुदानों और प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों दोंनों में से इस वर्ष कुल 485.65 लाख रुपए खर्च किए गए जबकि वर्ष 1995-96 में यह खर्च 375.70 लाख रुपयों का था।

1996-97

अनुलग्नक - I

वर्ष 1996-97 में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/सम्मेलन

क्रम सं	एकक कोड	कार्यक्रम का शीर्षक	तिथि व अवधि	भागीदारों की संख्या
डिप्लोमा कार्यक्रम				
राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम				
1.	05.0 (जारी)	जिला शिक्षा अधिकारियों व जिला शि प्र संस्थानों के संकाय व अन्य कार्मिकों के लिए 16वां शैक्षिक योजना और प्रशासन डिप्लोमा (दूसरा चरण)*	1 नवंबर 1995 से 30 अप्रैल 1996 (30 दिन)	18
		वही (तीसरा चरण)	8-12 जुलाई 1996 (5 दिन)	
2.	05.5	जि शि अधिकारियों तथा जि शि/प्र संस्थानों के संकाय व अन्य कार्मिकों के लिए 17वां शैक्षिक योजना प्रशासन डिप्लोमा (पहला व दूसरा चरण)	28 अक्टूबर 1996 से 30 अप्रैल 1997 (155 दिन)	29
		2	190	47
अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम				
3.	08.0 (जारी)	शैक्षिक योजना और प्रशासन का 12वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (पहला व दूसरा चरण)*	5 फरवरी से 4 अगस्त 1996 (126 दिन)	17
4	08.7	शैक्षिक योजना और प्रशासन का 13वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (पहला चरण)	3 फरवरी से 2 मई 97 (57 दिन)	33
		2	183	50

1996-97

क्रम सं	एकक कोड	कार्यक्रम का शीर्षक	तिथि व अवधि	भागीदारों की संख्या
शैक्षिक योजना और प्रशासन पर विषयवार कार्यक्रम				
विद्यालय-प्रमुखों के प्रशिक्षण का नियोजन व प्रबंध				
5.	05.1	केस अध्ययनों व प्रशिक्षण के माड्यूलों की रूप रेखा की तैयारी पर कार्यशाला	6-10 मई 1996 (5 दिन)	10
6.	05.2	प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की प्रभाविता संबंधी प्रशिक्षण के लिए संसाधन पैकेज की तैयारी संबंधी कार्यशाला	30 मई से 5 जून 1996 (7 दिन)	31
7	04.1	अल्पसंख्यक प्रबंधवाली संस्थाओं के प्रमुखों के लिए शैक्षिक योजना व प्रशासन का अभिविन्यास कार्यक्रम	19-30 अगस्त 1996 (12 दिन)	18
8.	08.5	खाड़ी में के मा शि बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों के प्रमुखों के लिए शैक्षिक प्रबंध का अभिविन्यास कार्यक्रम	27-29 दिसंबर 1996 (3 दिन)	43
		4	27	102
उच्च शिक्षा का नियोजन और प्रबंध				
9.	06.1	महिला अध्ययन कक्षों के नियोजन और प्रबंध पर कार्यशाला	7-9 मई 1996 (2 दिन)	28
10.	06.2	महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षिक योजना और प्रबंध पर अभिविन्यास कार्यक्रम	16 सितंबर से 4 अक्टूबर 1996, (19 दिन)	32
11.	06.3	हरियाणा के प्रधानाचार्यों के लिए महाविद्यालय के नियोजन व प्रबंध पर अभिविन्यास कार्यक्रम	6-10 जनवरी 1997 (5 दिन)	25
12.	06.4	अकादमिक स्टाफ महाविद्यालयों के निर्देशकों की समीक्षा बैठक	28-29 जनवरी 1997 (2 दिन)	40
		4	28	125

1996-97

क्रम सं	एकक कोड	कार्यक्रम का शीर्षक	तिथि व अवधि	भागीदारों की संख्या
जि शि प्र संस्थानों/राज्य शै अ प्र परिषदों का नियोजन व प्रबंध				
13.	05.3	जि शि प्र संस्थानों के संस्थागत नियोजन और प्रबंध पर प्रशिक्षण कार्यशाला	20-24 अगस्त 1996 (5 दिन)	22
14.	10.1	मध्यप्रदेश के जि शि प्र संस्थानों के पुस्तकालयों के नियोजन व प्रबंध पर प्रशिक्षण कार्यशाला	11-17 दिसंबर 1996 (7 दिन)	19
15.	07.6	जि शि प्र संस्थानों के संकाय के लिए नियोजन और प्रबंध पर अभिविन्यास कार्यक्रम	3-14 फरवरी 1997 (12 दिन)	23
		3	24	64
आदिवासी शिक्षा का नियोजन और प्रबंध				
16.	02.1	आदिवासी शिक्षा के नियोजन और प्रबंध पर अभिविन्यास कार्यक्रम	15-19 जुलाई 1996 (5 दिन)	36
17	02.2	आश्रम विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों के लिए संस्थागत नियोजन व प्रबंध पर अभिविन्यास कार्यक्रम (क्षेत्र–आधारित हैदराबाद)	15-19 अक्टूबर 1996 (5 दिन)	37
		2	10	73
परिमाणात्मक तकनीकें और शिक्षा पर जनांकीय दबाव				
18.	01.1	शैक्षिक योजना की परिमाणात्मक तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	19 अगस्त से 4 सितंबर 1996 (17 दिन)	12
19.	01.2	सिक्किम सरकार के शिक्षा विभाग के अधिकारियों के लिए शिक्षा पर जनांकीय दबाव, आंकड़ों के संग्रह और विश्लेषण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	16-28 सितंबर 1996 (13 दिन)	34
		2	30	46

1996-97

क्रम सं	एकक कोड	कार्यक्रम का शीर्षक	तिथि व अवधि	भागीदारों की संख्या
वित्तीय-प्रबंध और संसाधनों का उपयोग				
20.	03.1	शैक्षिक वित्त व्यवस्था पर अभिविन्यास कार्यक्रम	9-13 सितंबर 1996 (5 दिन)	15
21.	03.2	विश्वविद्यालयों के वित्तीय प्रबंध पर अभिविन्यास कार्यक्रम	18-22 नवंबर 1996 (5 दिन)	26
22.	01.3	शिक्षा की लागत पर संगोष्ठी	31 दिसंबर 1996 से 2 जनवरी 1997 (3 दिन)	26
		3	13	67
शैक्षिक आंकड़ों का नियोजन और प्रबंध				
23.	09.1	शैक्षिक नियोजन व प्रबंध के लिए शैक्षिक आंकड़ों के उपयोग पर कार्यशाला	3-5 जून 1996 (3 दिन)	20
24.	09.2	जि प्रा शि प वाले राज्यों में DISE के क्रियान्वयन पर कार्यशाला	27-28 जून 1996 (2 दिन)	3
25.	09.5	जि प्रा शि प वाले राज्यों में शैक्षिक प्रबंध सूचना प्रणाली के क्रियान्वयन पर कार्यशाला	9-11 दिसंबर 1996 (3 दिन)	23
26.	09.6	DISE के क्रियान्वयन पर कार्यशाला (क्षेत्र–आधारित हैदराबाद)	30-31 दिसंबर 1996 (2 दिन)	16
27.	09.7	DISE के क्रियान्वयन पर कार्यशाला (क्षेत्र–आधारितः मुंबई)	2-3 जनवरी 1997 (2 दिन)	15
28.	09.8	DISE के क्रियान्वयन पर कार्यशाला (क्षेत्र–आधारितः भोपाल)	6-7 जनवरी 1997 (2 दिन)	19
29.	09.9	DISE के क्रियान्वयन पर कार्यशाला (क्षेत्र–आधारितः गुवाहाटी)	7-8 जनवरी 1997 (2 दिन)	12
30.	09.10	DISE के क्रियान्वयन पर कार्यशाला (क्षेत्र–आधारितः चंडीगढ़)	7-8 जनवरी 1997 (2 दिन)	8
31.	09.11	DISE के क्रियन्वयन पर कार्ययाला (क्षेत्र–आधारितः चेन्नई)	10-12 जनवरी 1997 (3 दिन)	8
32.	09.12	DISE के क्रियान्वयन पर कार्यशाला (क्षेत्र–आधारितः तिरुवनंतपुरम)	27-28 जनवरी 1997 (2 दिन)	9
33.	09.13	DISE के क्रियान्वयन पर कार्यशाला (क्षेत्र–आधारितः बंगलौर)	30-31 जनवरी 1997 (2 दिन)	21
		11	24	154

1996-97

क्रम सं	एकक कोड	कार्यक्रम का शीर्षक	तिथि व अवधि	भागीदारों की संख्या
कंप्यूटरों का व्यवहार				
34.	09.3	शैक्षिक योजना व प्रबंध में कंप्यूटरों के व्यवहार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	30 जुलाई से 6 अगस्त 1996 (8 दिन)	14
35.	09.4	कंप्यूटर संबंधी धारणाओं पर वि अ आयोग के अधिकारियों के लिए अभिविन्यास + प्रशिक्षण कार्यक्रम	12-14 अगस्त 1996 (3 दिन)	19
		2	11	33
अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम				
36.	08.1	श्रीलंका के वरिष्ठ विद्यालय–प्रमुखों के लिए शैक्षिक प्रबंध पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, एशियाई विकास बैंक द्वारा प्रायोजित	24 मई से 14 जून 1996 (22 दिन)	25
37.	08.2	बंगलादेश की टीम का अध्ययन–भ्रमण कार्यक्रम यूनेस्को द्वारा प्रायोजित	2-9 सितंबर 1996 (8 दिन)	9
38.	08.3	श्रीलंका के विद्यालय प्रमुखों के लिए शैक्षिक प्रबंध पर पांचवां प्रशिक्षण कार्यक्रम, एशियाई विकास बैंक द्वारा प्रायोजित	13 सितंबर से 4 अक्टूबर 1996 (22 दिन)	26
39.	08.4	श्रीलंका के अधिकारियों के लिए शैक्षिक नियोजन व प्रबंध पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, विश्व बैंक द्वारा प्रायोजित	6 अक्टूबर से 21 दिसंबर 1996 (47 दिन)	17
40.	05.4	प्राथमिक और अनौपचारिक शिक्षा पर बंगलादेश की टीम का अध्ययन–भ्रमण	11-17 अक्टूबर 1996 (7 दिन)	3
41.	07.4	बुनियादी शिक्षा के विकास के कार्यक्रमों/ परियोजनओं की रूपरेखा	12-23 नवंबर 1996 (12 दिन)	14
42.	08.6	श्रीलंका के विद्यालय–प्रमुखों के लिए शैक्षिक प्रबंध पर छठा प्रशिक्षण कार्यक्रम, एशियाई विकास बैंक द्वारा प्रायोजित	28 दिसंबर 1996 से 17 जनवरी 1997 तक (21 दिन)	25
		7	139	119

1996-97

क्रम सं	एकक कोड	कार्यक्रम का शीर्षक	तिथि व अवधि	भागीदारों की संख्या
अन्य कार्यक्रम				
43.	04.2	वयस्क शिक्षा के तात्कालिक प्रश्नों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	17-19 मार्च 1997 (3 दिन)	29
44.	07.1	लेह के अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रबंध पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (क्षेत्र–आधारित:लद्दाख)	29 जुलाई से 9 अगस्त 1996 (12 दिन)	35
45.	07.2	व्यष्टिगत नियोजन और विद्यालय–मानचित्रण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	9-13 सितंबर 1996 (5 दिन)	12
46.	07.3	पूर्वोत्तर राज्यों और सिक्किम में शैक्षिक नियोजन और प्रबंध पर कार्यशाला: शिलाग	3-5 अक्टूबर 1996 (3 दिन)	41
47.	07.5	विद्यालय–मानचित्रण और व्यष्टिगत नियोजन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	3-7 फरवरी 1997 (5 दिन)	25
		5	28	142
महायोग		**47**	**707**	**1022**

* उपरोक्त सूची में दो डिप्लोमा (एक राष्ट्रीय व एक अंतर्राष्ट्रीय) कार्यक्रम ऐसे भी हैं जो पहले से जारी हैं।

कोड संख्या

01. शैक्षिक योजना एकक
02. शैक्षिक प्रशासन एकक
03. शैक्षिक वित्त एकक
04. शैक्षिक नीति एकक
05. विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा एकक
06. उच्च शिक्षा एकक
07. प्रादेशिक प्रणाली एकक
08. अंतर्राष्ट्रीय एकक
09. संक्रियात्मक अनुसंधान और प्रणाली प्रबंध एकक
10. पुस्तकालय व प्रलेखन केंद्र

1996-97

अनुलग्नक - II

संकाय का अकादमिक योगदान : 1996-97

कुलदीप माथुर

पुस्तकें और आलेख

डवलपमेंट, पालिसी एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन (सं.), सेज पब्लिकेशन, नई दिल्ली

चैलेंजेस आफ डिसेंट्रलाईजेशनः द पालिटिक्स ऑफ पंचायती राज, *सोशल एक्शन*, 47 (जनवरी–मार्च 1997)

संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भागीदारी

एपीजे स्कूल, साकेत, नई दिल्ली में 'सांगठनिक व्यवहार और प्रशासनिक कार्यशैली' पर व्याख्यान (9 अक्तूबर 1996)

राष्ट्रीय लोकवित्त और नीति संस्थान, नई दिल्ली द्वारा वित्तीय नीति लोक नीति और अच्छा अभिशासन पर आयोजित परचिर्चा गोष्ठी में शामिल हुए और 'अच्छेशासन की चुनौतीः आर्थिक सुधार के बाद भारत आलेख प्रस्तुत किए (5 अक्तूबर 1996)

आई. आई. एस. महमदाबाद द्वारा ह्वरगामी प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के लिए आधरभूत स्तर पर सृजनात्मकता और नवाचार पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। (11-14 जनवरी 1997)

रामलाल आनंद कालेज की अकादमिक मामले की समिति की बैठक में भाग लिया। (जनवरी 1997)

फोर्ड फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा मानेसर, हरियाण में उचच शिक्षा में विभिन्नता की चनौतियां, पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठि में भाग लिया। (22-23 जनवरी 1997)

डाइट, केशवपुरम, नई दिल्ली में पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर मुढय अतिथि (20 फरवरी 1997)

अकादमिक स्टाफ कालेज, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में शैक्षिक प्रशासकों के अभिविन्यास कार्यक्रम के भागीदारों को समापन समारोह के अवसर पर संबोधित किया। (3-5 मार्च 1997)

राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा लोक प्रशासन में अध्ययन और प्रशिक्षण पर आयोजित गोल मेज सम्मेलन में भाग लिया (9 मार्च 1997)

आर. गोविंद

प्रकाशन

टेस्टिंग एज ए मीनस आफ इंप्रूविंग स्कूल क्वालिटी : डज इट रियली वर्क ? रिसर्चेज आन क्वालिटी आफ प्राइमरी एजुकेशन इन इंडिया, (सं. एन.वी. वर्गीज़) नीपा, नई दिल्ली (प्रेस में)

डिसेंट्रलाइज्ड मैनेजमेंट आफ एजुकेशन : सक्सपेरियंशेज फ्राम साउथ एशिया, अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान, यूनेस्को, पेरिस, 1997

अंतर्राष्ट्रीय गतिविधियां

यूनेसको–प्रोप, बैंगकाक, थाईलैंड द्वारा साक्षरता और सतत शिक्षा की योजना औश्र प्रबंध पर आयोजित क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया। (6-17 अक्तूबर 1996)

1996-97

रायल नर्वे दूतावास के लिए ढाका, बंगलादेश में प्राथमिक शिक्षा विकास कार्यक्रम के मूल्यांकन मिशन का परामर्शदाता सदस्य (8-17 नवंबर 1996)

श्री प्रकाश

आलेख

'माइग्रेशन एज ए सोर्स आफ हयूमन रिसोर्स डवलपमेंटः एन इंडियन एक्सपीरिएंश' इकानमिक सिस्टम रिसर्च, कार्लफैक्स में प्रकाशन के लिए स्वीकृत'

डिटरमिनेट्स आफ एलोकेशन ऑफ लैंज एमांग डिफरेंट क्राप्स अंडर कंडीशंस आफ डायनमिक ग्रोथ, *मल्टी वेरायटी स्टैटिस्टिकल एनालिसिस -96*, वाल्यूम 15, यूनिवर्सिटी आफ लॉज पोलैंड

इनवेंटरी इनवेस्टमेंट एण्ड जनरलाइजेशन ऑफ महालनबीस मॉडल आफ ग्रोथ' *मैक्रो माडल्स आन इंटीग्रेशन एण्ड डवलपमेंट वाल्यूम 23, लॉज, पोलैंड*

'नियो लिबरिज्म एण्ड अनइंप्लायमेंट इन इंडिया' *इंडियन जर्नल आफ लेबर इकानमिक्स में प्रकाशन* स्कीकृत

'पावर्टी, चाइल्ड वर्कर्स एण्ड पार्टिसिपेशन इंन एजुकेशन' एम संपादित पुस्तक में प्रकाशनाधीम

एग्रीकल्चरल डवलपमेंट इन एम. जी.: ए स्टडी ऑफ रेट्स, पैटर्न एण्ड प्राडक्शन रिलेशंस, ए. शुक्ला की संपादित पुस्तक में प्रकाशनधीन

एजुकेशन सबसीटी इन इंडिया, *डाइमेंशंस आफ इकानमिक डवलपमेंटः स्पॉशियल एण्ड सेक्टोरियल पर्सपेक्टिव्स* (सं.) पी. आर. गोपीनाथन नायर, के. एन. एस. नायर, थंपी जोश और के ई. वेलायुथन, कॉमनवेल्थ, नई दिल्ली

फायनेसिंग एजुकेशन इन इंडिया, एम. मुखोपाध्याय के संपादन में प्रकाशित होने वाली पुस्तक में प्रकाशनाधीन

डवलपमेंट, मेथालॉजी एण्ड हयूमन रिसोर्सेज समीक्षा लेख—जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन में प्रकाशनाधीन

मूनशाइनिंग एप्रोच टू नाइंथ फाइव इयर प्लान, *नेशनल हेराल्ड* और *असमट्रिबून*

परियोजना रिपोर्टें

यूनिवर्सलाइजेशन ऑफ एलिमेंटरी एजुकेशनः रिसोर्स इंपीलिकेशंस आफ आल्टर्नेटिव पालिसीज, नीपा

यूज आफ सेंपल सर्वे टेकनीक्स टू स्टडी प्राबलम्स आफ एजुकेशन आफ द चिल्ड्रेन आफ सलम्स, नीपा।

परामर्शकारी/सलाहकारी सेवाएं

1. टाटा इकानमिक्स सर्विसेज, 2. अनुप्रयुक्त जनशक्ति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली

व्याख्यान

अनुप्रयुक्त जनशक्ति अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में जनशक्ति योजना में कामनवेल्थ डिप्लोमा के भागीदरों के लिए और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों में व्याख्यान दिए।

एस. सी. ई. आर. टी., नई दिल्ली, डाइट, राजेंद्र नगर मोतीबाग और भजनपुरा में व्याख्यान दिए।

संपादन कार्य

परिप्रेक्ष्य में दिसंबर 1996 तक के अंकों का संपादन। इसके अलावा हर अंक में संपादकीय लेखन और आलेख प्रकाशित

जे.बी.जी. तिलक

शोध आलेख और प्रकाशन

पुस्तकें और पुस्तकार मोनोग्राफ

कास्ट्स एण्ड फायनेंसिंग ऑफ हायर एजुकेशन इन श्रीलंका,

1996-97

मनीलाः एशियन डवलपमेंट बैंक/ बिस्बेनः यूनीक्वेस्ट, 1996 (अक्तूबर) शोध आलेख

"इनवेस्टमेंट इन ह्यूमन कैपिटल इन इंडियाः एन इंटर–स्टेट एनालिसिस आफ स्टाक एण्ड फ्लोआफ ह्यूमन कैपिटल"ए नई दिल्लीः यू एन. डी पी (मार्च 1997)

द डिप्लोमा आफ रिफार्म्स इन फायनेंसिंग हायर एजुकेशन," हायर एजुकेशन पालिसी 10(1) मार्च 1997 : 7-21.

"लेसंस फ्राम कास्ट रिकवरी इन एजुकेशन" मार्केटिंग एजुकेशन एण्ड हेल्थ इन डवलपिंमग कानट्रीजः मिरैकल आर मिरेज ? (सं. सी. कोलेला) आक्सफोर्डः क्लेरेंडान प्रेस, 1997 पृ. 63-89.

"इफेक्ट्स आफ एडजस्टमेंट ऑन एजुकेशनः ए रिव्यू आफ एशियन एक्सपेरियंश" प्राप्सेक्ट्स 27(1) (मार्च 1997) : 85-107" कास्ट–साइज रिलेशनसीप्स इन एजुकेशन इन आंध्रप्रदेश" इंडियन जर्नल आफ एप्लइड इकानमिक्स 6(1) (जनवरी–मार्च 1997) पृ. 85-107.

"एजुकेशन इन इंडियाः टूवर्ड्स इंप्रविंग इक्विटी एण्ड इफिसिएंसी" इंन इंडियाः डवलपमेंट पॉलिसी इंपरेटिव्स (सं. वी. एल. केलकर और वी. वी. भानोजी राव) नई दिल्ली, टाटा मैग्रा हिल, 1996 पृ. 85-136.

"हायर एजुकेशन अंडर स्ट्रक्चरल एडजस्टमेंट", जर्नल आफ इंडियन स्कूल आफ पोलिटिकल इकानमी 8(2) (अप्रैल–जून 1996) : 266-93.

"इंडिया' डिस्ट्रिक्ट प्राइमरी एजुकेशन प्रोग्राम "*नोरगि न्यूज* 19 जून 1996) : 41-43.

"कास्ट साइज रिलेशनशीप्स इन एजुकेशन इन आंध्रप्रदेश," इंडियन जर्नल आफ एप्लाइड इकानमिक्स 6(1) (जनवरी–मार्च 1997) : 99-112

"फिस्कल क्राइसिस एण्ड प्राइवेट इनीशिएटिब्स इन फायनेंसिंग टेकनीकल एजुकेशनः ए" *सिंथेसिस प्लानिंग एण्ड मैनेजमेंट आफ टेकनिकल एजुकेशन इन इंडिया*, नई दिल्ली ए. आई. सी. टी. ई., 1996, पृ. 334-48

"मेजरमेंट आफ ट्रेनिंग कॉस्ट्स", *इंटरनेशन इनसाइक्लोपीडिया आफ एडल्ट एजुकेशन एण्ड ट्रेनिंग* (सं.) (ए. सी. ट्यूजानम) आक्सफोर्डः पर्गामन, 1996

"एडल्ट एजुकेशन एण्ड ट्रेनिंग इन इंडियन सबकांटिनेन्ट" *इंटरनेशन इन साइक्लोपीडिया आफ एडल्ट एजुकेशन एण्ड ट्रेनिंग* (सं.) (ए. सी. ट्यूजानम), आक्सफोर्ड : पर्गामन, 1996।

"रिसेंट डवलपमेंट्स एण्ड इमार्जिग ट्रेंड्स इन रिसर्च इन द सोशल साइंसेज इन इंडिया" *कानसल्टेंसी एण्ड रिसर्च इन* इंटरनेशनल एजुकेशन (सं.: लून बूचर्ट और केनेथ किंग) बोनः डी एस ई और नोर्राग, 1996, पृ 105-111 (संयुक्त लेखक)।

"टूवर्डस ए फ्रेमवर्क फार द एनलिसीस आफ एड रिलेटेड का सल्टिंग फार एजुकेशन एण्ड डवलपमेंट (ए वर्किंग ग्रूप रिपोर्ट)" कानसल्टेंसी एण्ड रिवर्च इन इंटरनेशनल एजुकेशन (सं.: लून बूचर्ट और केनेथ किंग) बोनः डी. ए. ई और नोर्राग, 1996 पृ. 83-90 (संयुक्त लेखक)

"हायर एजुकेशन डिग्री एण्ड डिप्लोमा प्रोग्राम्स इन इंडिया" *सर्वे आफ स्टडी प्रोग्राम्स एण्ड आफ डिप्लोमाज, डिग्रीज एण्ड अदर सर्टिफिकेट्स ग्रांटेड बाइ हायर एजुकेशन इंस्टीयूशंस इन एशिया एण्ड द पैशिफिक बाल्यूम* II (बैंकाकः सिमियोरिहेड, 1996)

"प्रोफेसनल डवलपमेंट नीड्स इन एजुकेशन इन इंडिया," आगा खान विश्वविद्यालय कराची और आक्सफोर्डः यूनीवर्सिटी आफ आक्सफोर्ड में शैक्षिक विकास संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय कार्यदल की बैठक में प्रस्तुत आलेख (20-24 जुलाई 1996)

1996-97

"रिर्सोस रिक्वायर्मेट्स आफ एजुकेशन इन इंडिया, प्रॉडक्टिविटी (3) अक्टूबर–दिसंबर (1996) : 410-30

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

आगा खाँ विश्वविद्यालय कराची आक्सफोर्डः यूनिवर्सिटी आफ आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में शैक्षिक संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय कार्यदल की बैठक (20-24 जुलाई 1996)

यू एन डी पी शोध परियोजना के तहत मानव विकास मे लिए वित्त व्यवस्था का अध्ययन पर कार्यशाला, हैदराबाद (24-26 अक्टूबर 1996)

इंडिया–यूनेस्को के पचास वर्ष पर संगोष्ठी, नई दिल्ली, यूनेस्को के साथ आई. एन. सी. सी. (4 नवंबर 1996)

वित्तीय नीति, लोक नीति और शासन पर परिचर्चा गोष्ठी, नई दिल्ली, भारतीय लोक वित्त और नीति संस्थान, (5-6 दिसंबर 1996)

भारत में लैंगिक भेद और रोजगार, दिल्लीः भारतीय श्रमिक अर्थशास्त्र सोसायटी और आर्थिक विकास अध्ययन संस्थान (18-20 दिसंबर) (आलेख पर चर्चाकार)

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उभरती प्रवृत्तियाँ पर परिचर्चा गोष्ठी, 42वां राष्ट्रीय सम्मेलन' बेंगलौर ए बी वो पी (21-24 दिसंबर 1996) (मुख्य वक्ता)

शिक्षा की लागत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, नई दिल्ली, नीपा (31 दिसंबर 1996-2 जनवरी 1997) सत्र की अध्यक्षता

पूर्वी एशिया के विकास में समाजिक व्यय पर विश्व बैंक प्रायोजित कार्यशाला, टोक्योः हितोत्शूबासी विश्वविद्यालय (6-9 जनवरी 1997)

21 वीं शताब्दी के लिए शिक्षा में नवीनतम पहल पर संगोष्ठी, मुबईः के. जे. सुम्मैल शिक्षा प्रशिक्षण और शोध महाविद्यालय (8-9 मार्च 1997) (मुख्यवक्ता)

प्रारंभिक शिक्षा में गुणात्मक सुधार पर राष्ट्रीय कार्यशाला, लखनऊः एस सी ई आर टी (10-11 मार्च 1997)

एशिया में सहकारी विकास और शांति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, चंडीगढ़ः ग्रामीण और औद्योगिक विकास शोध केंद्र (7-14) मार्च 1997)

प्रौढ़ शिक्षा के वर्तमान मुद्दे पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, नई दिल्ली, नीपा (17-19 मार्च 1997) (सत्र की अध्यक्षता)

अन्य

मुफ्त प्राथमिक शिक्षा पर आयोजित परिचर्चा में भाग लिया, दूरदर्शन-2 क्रास फायर, 7 अप्रैल 1996

जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन का संपादन किया

परामर्शकारी और सलाहकारी सेवाएं

सदस्य, संपादकीय सलाहकार मंडल, हायर एजुकेशन पालिसी (1996)

सदस्य, नौवीं पंचवर्षीय योजना (1997-2002) उच्च शिक्षा कार्यदल, नई दिल्ली' योजना आयोग (1995-97)

सहयोगी सदस्य, शैक्षिक विकास संस्थान का अंतर्राष्ट्रीय कार्यदल, आगा खाँ विश्वविद्यालय, कराची (1996)

सदस्य, शोध सलाहकार समिति, डी पी ई जी ब्यूरो, भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली 1995

परामर्शदाता, एशियाई विकास बैंक, मई–अक्तूबर 1996, श्रीलंका में शैक्षिक वित्त का अध्ययन

शोधनिर्देशन

पी–एच. डी. शोध प्रबंध (अर्थशास्त्र) उत्कल विश्वविद्यालय (शोध प्रबंध विश्वविद्यालय को प्रस्तुत किया गया है)

1996-97

विदेश दौरे

इंगलैंडः आक्सफोर्ड विश्वविद्यालयः आगा खाँ विश्वविद्यालय, कराची के लिए शैक्षिक विकास संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय कार्यदल के सहयोगी सदस्य के रूप में भाग लिया और आक्सफोर्ड अर्थशास्त्र तथा सांख्यिकी विभाग का भी दौरा किया। (20-24 जुलाई 1996)

टोक्यो, जापान, हितोत्शूबाशी विश्वविद्यालयः पूर्वी एशिया के विकास में सामाजिक व्यय पर विश्व बैंक की कार्यशाला (6-9 जनवरी 1997)

कोलंबो, श्रीलंकाः श्रीलंका में शैक्षिक वित्त व्यवस्था का अध्ययन करने के लिए एशियाई विकास बैंक का सलाहकार (मई–अक्तूबर (1996) इस दौरान राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान का दौरा किया और शैक्षिक योजना और वित्तयन से संबंधित मुद्दों पर व्याख्यान दिए।

पुस्तक समीक्षाएं

इनवेस्टमेंट वूमेनग्ज हयूमन कैपिटल (सं. टी. पी. शुल्ट्ज) जर्नल आफ एजुकेशनलन प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन 10(2) अप्रैल 1996) : 219-21

सोशल डायमेंशंस आफ एडजस्टमेंट (सी. जयराजा और अन्य) जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन 10(3) (जुलाई 1996) : 351-54

इंटरनेशनल इन साईकलोपीडिया आफ इकानमिक्स आफ एजुकेशन (सं. एम. कार्नाय) जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन 10(4) अक्तूबर (1996) : 457-59

पब्लिक एक्सपेंडिचर डिसीजन मेंकिंग (ए. बसु) जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन 11(1) जनवरी 1997) : 131-32

फायनेंसिंग यूनिवर्सीटीज इन डवलपिंग कांट्रीज (ए. जिडरमान और डी एलब्रेख्त), एजुकेशन इकानमिक्स (प्रेस में)

वाई. पी. अग्रवाल

माध्यमिक शिक्षा के विकास की परियोजना के सिलसिले में एशियाई विकास बैंक के स्टाफ सलाहकार के रूप में वियतनाम का दौरा (अक्तूबर 1996)

स्माल स्कूल्सः इसूज इन पालिसी एण्ड प्लानिंग, नीपा, ओ के जर्नल पेपर-22

प्लानिंग एण्ड इम्पिलिमेंटेशन इसूज एण्ड रिस्पांस मैट्रियल, डी पी इ पी का लिंग, फरवरी 1997

पी. एच. डी चेम्बर्स आफ कामर्स, नई दिल्ली आयोजित संगोष्ठी में दिल्ली में शैक्षिक विकास के मसले पर आलेख प्रस्तुत किया।

परामर्शकारी और सलाहकारी सेवाएं

सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय संपादक मंडल, इंटरनेशनल जर्नल आफ एजुकेशनल डवलपमेंट, पर्गामन, यू.के.

महासचिव, भारतीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संघ

एन. वी. वर्गीज

शोध पत्र/आलेख

"डिसेंट्रलाइजेशन आफ एजुकेशनल प्लानिंग इन इंडियाः द केस आफ डी पी ई पी" *इंटरनेशनल जर्नल आफ एजुकेशनल डवलपमेंट*, वाल्यूम 16, अंक 4, (1996) पृ. 355-56

"हायर एजुकेशन एण्ड इम्पलायमेंट आफ द एजुकेटेड इन इंडिया" *प्रॉडक्टिविटी* वाल्यूम 37, अंक 3, 1996, पृ. 444-50

"डिसेंट्रलाइजेशन आफ एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड डी पी ई पी" ओ के जनल पेपर नं. 22, नीपा नई दिल्ली

प्रॉविजंस एण्ड पर्फारमेंसेंजः ए स्टडी आफ द प्राइमरी स्कूल्स इन मालापुरम, केरल (के. एस. संजीव के साथ) परियोजना रिपोर्ट, नीपा, नई दिल्ली 1997

1996-97

एक्सेस वर्सेस एचीवमेंट एस्टडी आफ द प्राइमरी एजुकेशन इन केरल *"इंटरनेशनल कांफरेंस ऑन केरल डवलपमेंट एक्सपेरियंसः नेशनल एण्ड ग्लोबल डायमेंसंस*, 9-11 दिसंबर 1996, नई दिल्ली

शिक्षा और सांस्कृतिक विरासतः दिल्ली विजन 2010 आयोजित संगोष्ठी में दिल्ली में विद्यालय शिक्षाः निजी विद्यालयों पर टिप्पणी, पर आलेख प्रस्तुत, 15 नवंबर 1996

"ट्रेनिंग प्रोग्राम आफ मंबर इंस्टीट्यूशंसः एन ओवर व्यू", *एंट्रीप न्यूजलेटर*, वर्ष 1, अंक 2, 1996, पृ. 4-6

फ्राम बी.ई.पी. टू डी.पी.ई.पी. : इंप्लीकेशंस फार प्लानिंग एण्ड मैनेजमेंट (यह रिपोर्ट डी.पी.ई.पी ब्यूरो को प्रस्तुत), नीपा, नई दिल्ली, फरवरी 1997

"रिसेंट ट्रेंड्स इन डिसेंट्रलाइजेशन आफ प्लानिंग और प्राइमरी स्कूल्स इन इंडिया", *एंट्रीप न्यूंजलेटर*, वर्ष 1996 पृ. 4-5

"डिसेट्रलाइजेशन आफ एजुकेशनल प्लानिंग इन इंडियाः एन एसेसमेंट आफ ट्रेनिंग नीड्स", *डिसेंट्रलाइजेशन आफ एजुकेशनल मैंनेजमेंट एक्पेरिएंस फ्रांम साउथ एशिया* (आर. गोविंद), आई आई ई पी ए, पेरिस, पृ. 138-163

"क्वालिटि आफ प्राइमरी एजुकेशनः हाट डू वी लर्न फ्राम रिसर्च," *जर्नल आफ एजुकेशन एण्ड सोशल चेंज* (प्रकाशनाधीन)

प्रशिक्षण सामग्री

शिक्षा की जिला स्तरीय योजना पर 12 माड्यूलों का संपादन (प्रकाशनाधीन)

परामर्शकारी और सलाहकारी सेवाएं

सदस्य, कार्यक्रम शोध सलाहकार समिति, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय;

सदस्य, अध्यापक भर्ती विशेषज्ञ समिति, एन सी टी ई, नई दिल्ली

सदस्य, राष्ट्रीय आधार रेखा सलाहकार समिति, एन सी ई आर टी, नई दिल्ली

सदस्य, पंचवर्षीय योजना कार्य दल, प्रारंभिक शिक्षा, योजना आयोग, नई दिल्ली

सदस्य, केरल राज्य की डी पी ई पी शासी निकाय, तिरुवनंतपुरम

सदस्य, डी पी ई पी ब्यूरों द्वारा गाठेत समितियां, मा.सं. वि.म.

सदस्य, सीमेट की कार्यकारी समिति, उत्तरप्रदेश

के. सुधाराव

31 अक्तूबर 1996 को पुनः नीपा में कार्यभार ग्रहण किया

प्रकाशन

पुस्तकें

प्लानिंग एण्ड मैंनेजमेंट आफ टेकनिकल एजुकेशन इन इंडिया (सं.) ए आई सी टी ई, नई दिल्ली-1997

पुस्तकाकार मोनोग्राफ

एकादमिक स्टाफ कालेज इन इंडियाः फैक्ट्स एण्ड फिगर्स

संपादित पुस्तकों में अध्याय

"वोकेशनलाइजेशन आफ हायर एजुकेशन" हायर एजुकेशन इन इंडियाः इन रिसर्च आफ क्वालिटी (सं.: के.बी. पवार और एस सी पंडा), ए आई.यू., नई दिल्ली, 1996

"डवलपमेंट एण्ड स्टेटस आफ आटोनॉमस कालेजेज" *हायर एजुकेशन इन इंडियाः इन सर्च आफ क्वालिटी* (सं.: के. बी. पवार और एस. सी. पंडा) ए. आई.यू, नई दिल्ली 1996

"रोल आफ रेगुलेटरी बाडीज इन टेकनिकल एजुकेशन" प्लानिंग एण्ड मैंनेजमेंट आफ टेकनिकल एजुकेशन इन इंडिया" ए. आई.सी.टी.ई., 1996

1996-97

शोध पत्र/आलेख

क्वालिटि आफ टेकनिकल एजुकेशन एण्ड रोल आफ स्टेट गवर्नमेंट एण्ड लोकल एनीशिएटिव्सः जर्नल आफ हावर एजुकेशन, वर्ष 20, अंक 2, ग्रीष्म 1997

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाएं शीर्षक से आलेख प्रस्तुत किया, दिल्लीः 4-6 जनवरी 1997

दक्षिण एशिया में नगरीय स्थानीय सरकारों में महिलाओं पर यू. एन/एस्केप सम्मेलन की क्षेत्रीय कार्यशाला में 'निर्णय कार्य में महिलाएं, शीर्षक से आलेख प्रस्तुत किया (2-4 दिसंबर 1996)

अभियायिकी कालेजों की स्वायत्ता पर कोयंब्टूर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अभियांत्रिकी कालेजों की स्वायत्तता में अ. भ. त. शि. आ. की भूमिका पर मुख्य व्याख्यान (16-22 दिसंबर 1996)

भारतीय महिला वैज्ञानिक संघ की राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रौद्योगिकी शिक्षा में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने में नियमनकारी निकायों की भूमिका शीर्षक से मुख्य व्याख्यान रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की 5-7 सितंबर 1996

सदस्य, मानव संसाधन विकास विशेषज्ञ समिति, मनोविज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद 17 जनवरी 1997

अकादमिक शोध निर्देशन

पी–एच. डी. शोध प्रबंध–"ए स्टडी आफ लीडिरशीप इफेक्टिवनेस इन सेकेंडरी स्कूल्स आफ दिल्ली" जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय (पी–एच. डी उपाधि प्राप्त)

सलाहकारी और परामर्शकारी सेवाएं

सदस्य सचिव तकनीकी शिक्षा के अध्यापकों की योग्यताओं, सेवा शर्तों और वेतनमान संशोधन हेतु राष्ट्रीय विशेषज्ञ समिति

सदस्य, शासी संयुक्त परियोजना संचालन समिति, कनाडा–भारत सांस्थानिक सहकारी परियोजना, भारत

सदस्य, अखिल भारतीय महिला तकनीकी शिक्षा परिषद अ.भा. त.शि.प.

सदस्य, शासी परिषद, आई ई टी ई सी ए एस ई टी–नव प्रौद्योगिकी उच्च अध्ययन केंद्र, हैदराबाद

सदस्य, गुणवत्ता निर्धारण पैनल–इं.गा. खुला विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की दूरवर्ती शिक्षा परिषद की स्थाई समिति

सदस्य, अकादमिक स्टाफ कालेज की स्थाई समिति, वि. अ. आ. भारत

सदस्य, अ. स्टाफ कालेजों की समीक्षा समिति, वि. अ. आ. भारत

सदस्य सचिव, अखिल भारतीय स्टाफ विकास और अनवरत शिक्षा परिषद, अ. भा. त. शि. प.

सदस्य, तमिलनाडु में स्वायत्त कालेजों की समीक्षा समिति, वि. अ. आ., नई दिल्ली

सदस्य, अकादमिक स्टाफ कालेज सलाहकार समिति, गोवा विश्वविद्यालय,

सदस्य, सलाहकार समिति, प्रबंधन विकास कार्यक्रम, जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली

ब्रिटिश परिषद द्वारा शैक्षिक प्रौद्योगिकी पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में मुख्य वक्ता (16-17 जुलाई 1996)

के. सुजाता

पुस्तकें

सिंगल टीचर्स स्कूल्स इन ट्राइबल एरियाज : ए स्टडी आफ गिरिजन विद्या विकास केंद्राज इन आंध्र प्रदेश, नीपा–विकास पब्लिशिंग हाउस, 1996

1996-97

आलेख

रिसर्च आन ट्राइबल एजुकेशन, *स्टेट्स आफ ट्राइबल्स इन इंडिया* (सं.) ए.के. सिंह और एम.के.जाबी, हरआनंद पब्लिकेशंस नई दिल्ली, 1996

अरुण सी मेहता

पुस्तकें

सब नेशनल पापुलेशन ग्रोथः ए केस स्टडी आफ इंडिया, कामनवेल्थ पब्लिशर्स, 1996, नई दिल्ली

आलेख

डियोग्राफिक इकानमिक इंटर एक्शन मॉडल फार सबनेशनल पापुलेशन प्रोजेक्शन–ए केस स्टडी आफ राजस्थान, राजस्थान इकानमिक जर्नल, वर्ष 17, अंक 2, जुलाई 1996 जयपुर (बी. सी. मेहता के साथ)

एजुकेशन इन मैनिफेस्टोज : प्रीआरटीज एण्ड कमीटमेंट्स, नेशनल हेराल्ड, 1 मई 1996

स्टेट्स आफ एजुकेशन फार आल, योजना, वर्ष 40, अंक 6, जून 1995, नई दिल्ली

रिलाएबिलिटी आफ एजुकेशन डाटा इन द कांटेक्स्ट आफ एन सी ई आर टी सर्वे, जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन, वर्ष 10, अंक 3, जुलाई 1996 नीपा, नई दिल्ली

डवलपमेंट एण्ड यूटिलाइजेशन आफ डाटाबेस फार नान-फार्मल लिटरेसी प्रोग्राम्स एण्ड नेटवर्किंग आफ कंप्यूटर्स, इंडियन जर्नल आफ एडल्ट एजुकेशन, अप्रैल–जून 1996, नई दिल्ली

परामर्शकारी और सलाहकारी सेवाएं

यूनेस्को (ए सी सी यू), जापान के लिए एशिया और प्रशांत सांस्कृतिक केंद्र द्वारा संसाधन व्यक्ति के रूप में आमत्रित और भारत में महिलाओं तथा लड़कियों के लिए साक्षरता संसाधन केंद्र के विकास पर आयोजित कार्यशाला में साक्षरता कार्यक्रम के लिए आंकड़ा आधार का विकास और उसकी उपयोगिता पर आलेख प्रस्तुत किया।

सदस्य, भारत सरकार पूर्व मूल्यांकन मिशन बिहार शिक्षा परियोजना, पटना, 3-16 मार्च 1997

विदेश दौरे

हावर्ड अंतराष्ट्रीय शैक्षिक विकास संस्थान, हार्वड विश्वविद्यालय, कैम्ब्रीज मेंसाचूट्स में शैक्षिक नीति और योजना पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया। 16 जून 19 जुलाई 1996

प्रशिक्षण सामग्री

शैक्षिक योजना के लिए आंकड़ा की जरूरत : मौजूदा सूचना प्रणाली की सीमाएं और उसमें अंतराल

अखिल भारतीय सर्वेक्षणों का परिचय

शिक्षा का अखिल भारतीय परिवार सर्वेक्षण का परिचय

भारत में शैक्षिक सूचना प्रणालीः सीमाएं और सुधार के सुझाव

एस एम आई ए ज़ैदी

पुस्तक समीक्षाएं

'अथेंटिक एसेसमेंट (सी एफ फिशर और आर. एम. किंग) जर्नल आफ एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन (जे. ई. पी. ए.) वर्ष 10, अंक 1, जनवरी 1996

'गर्ल्स ड्राप आउट फ्राम प्राईमारी एजुकेशन इन मिडल ईस्ट एण्ड नार्थ अफ्रीका (मेहरान गोलनार) जे. ई. पी. ए. वर्ष 10, अंक 3, जुलाई 1996

प्रशिक्षण सामग्री

शैक्षिक विकास के संकेतक पर माड्यूल, नीपा, नई दिल्ली 1996

व्यष्टिस्तरीय योजना पर माड्यूल (सहलेखक) नीपा, नई दिल्ली 1996

1996-97

परामर्शकारी और सलाहकारी सेवाएं

भारत सरकार और ओडीए के संयुक्त मूल्यांकन मिशन के सदस्य के रूप में पश्चिम बंगाल के डी पी ई पी जिला कूच बिहार और कलकत्ता का दौरा किया और प. बंगाल की डी पी ई पी जिला और राज्य परियोजनाओं का मूल्यांकन करके रिपोर्ट प्रस्तुत (13 मई 3 जून 1996)

डी पी ई पी ब्यूरों, एम एच आर डी द्वारा 'परियोजना की योजना, चरण बद्धता, क्रमबद्धता और लागत निर्धारण पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया। यह कार्यक्रम तिरुवनंतपुरम में आयोजित किया गया और इसका विशेष संदर्भ केरल के तीन नए जिले थे। (अक्टूबर 8-10, 1996)

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परियोजना का जिला विस्तार के लिए भारत सरकार के मूल्यांकन मिशन का नेतृत्व (15-29 नवंबर 1996) दल ने लखनऊ समेत दो जिलों के दौर किए और भारत सरकार को रिर्पोट दी।

बिहार के डी पी ई पी जिलों के योजनाकार दल के लिए बिहार शिक्षा परियोजना द्वारा जिला योजना पर आयोजित कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया (27-29 जनवरी 1997)

योजना सहायता मिशन के रूप में जिला/राज्य दलों की डी पी ई पी योजना में सुधार हेतु मदद के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया, पटना, 27-29 जनवरी 1997

डी पी ई पी जिलों (मध्य प्रदेश में 15 जिलों में डी पी ई पी के विसतार हेतु) और राज्य योजना के मूल्यांकन के लिए पूर्व मूल्यांकन कार्यदल का नेतृत्व किया। इस दौरान भोपाल गया और कुछ जिलों के दौरे किए तथा भारत सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत की (3-14 फरवरी 1997)

पटना में डी पी ई पी जिलों के लिए बि.शि.प. द्वारा परियोजना कार्यान्वयन और सामाजिक मूल्यांकन पर आयोजित कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया (20-22 फरवरी 1997)

प्रमिला मेनन

प्रशिक्षण सामग्री

'शिक्षा के प्रबंध में समुदाय की भागीदारी' अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा संचालित संस्थानों के प्रमुखों के लिए योजना और प्रबंधन में अभिविन्यास कार्यक्रम 19-30 अगस्त 1996

अकादमिक समर्थन प्रणाली—डाइट की भूमिका, पूर्वोत्तर क्षेत्र और सिक्किम में शैक्षिक योजना और प्रबंधन पर कार्यशाला, 3-5 अक्तूबर 1996

सिक्किम राज्य की शैक्षिक प्रशासन का विवरण, पूर्वोत्तर क्षेत्र और सिक्किम में शैक्षिक योजना और प्रबंधन पर कार्यशाला 3-5 अक्तूबर 1996

परामर्शकारी और सलाहकारी सेवाएं

सदस्य, प्रौढ़ और अनवरत शिक्षा की वि अ. आ. विशेषज्ञ समिति, इस हैसियत से वि. अ. आ. की बैठक में भाग लिया। इसकी उपसमिति के भाग के रूप में निम्नांकित मुख्य विश्वविद्यालयों की समीक्षा के लिए दौरे किए :

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (ACEE)

केरल विश्वविद्यालय (ACEE)

जयपुर विश्वविद्यालय (ACEE)

मुबंई विश्वविद्यालय (ACEE)

दौरे के बाद समीक्षा रिपोर्टें वि. अ. आ. के पेश की गई।

अल्पसंख्यकों की राष्ट्रीय निगरानी समिति की दूसरी बैठक में भाग लिया।

नलिनी जुनेजा

आलेख

राइट टू चाइल्ड टू एजुकेशन एण्ड इसूज इन इंप्लिमेंटेशन

1996-97

आफ कंपलसरी एजुकेशन, *न्यू फ्रांटियर इन एजुकेशन* वर्ष 27 अंक 1, जनवरी–मार्च 1997

सीमेट और यूनिसेफ द्वारा सीमेट, इलाहाबाद में बच्चों का शिक्षा का अधिकार'' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अनिवार्य शिक्षा के कार्यान्वयन के मुददे और बच्चों का शिक्षा का अधिकार' पर आलेख प्रस्तुत किया। (27-29 अक्तूबर 1996)

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में भागीदारी

सीमेट और यूनिसेफ द्वारा सीमेट, इलाहाबाद में बच्चों का शिक्षा का अधिकार' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। (27-29 अक्तूबर 1996)

बालमजदूर पर राज्य श्रम मंत्रियों की बैठक, संसद सौंध 22 जनवारी 1997

अन्य अकादमिक और वृत्तिक गतिविधियां

साकारात्मक सोच' पर एपीजे स्कूल, नई दिल्ली (अप्रैल 1996 सलवान पब्लिक स्कूल (2 मई 1996) और केंद्रीय विद्यालय पुष्प विहार (22 मई 1996) में व्याख्यान दिए।

'सम्प्रेषण का कौशल' पर डाइट, राजेंद्र नगर, नई दिल्ली (24 मई 1996) के. वि. पुष्प विहार (27 मई 1996) और डाइट राजेंद्र नगर (16 जुलाई 1996) में व्याख्यान दिए।

'तनाव प्रबंधन' पर एस सी ई आर टी नई दिल्ली (11 सितंबर 1996) और गुड़गांवा के कालेज अध्यापकों के अभिविन्यास कार्यक्रम (24 अक्तूबर 1996) और इसी कार्यक्रम में 'आत्म सशक्तीकरण' (12 नवंबर 1996) पर व्याख्यान दिए।

जय श्री जलाली

आलेख/शोध पत्र

''री–एडजस्टिंग वोकेशनल एजुकेशन इन पोलैंड–सम लेसंस फार इंडिया'', *मेनस्ट्रीम* जून 1996

प्रकाशनार्थ स्वीकृत आलेख

प्राथमिक शिक्षा का विकेंद्रीकरण–मिजोरम के लाई स्वायत्त जिला परिषद का अध्ययन, *परिप्रेक्ष्य* नीपा में प्रकाशनार्थ स्वीकृत

''वोकेशनलाइजेशन आफ सेकेंडरी एजुकेशन इन पोलैंड–सम इंप्रेसंस आन विजिट टू स्कूल्स'', एफ. एल. ए. यू. एल, यूनिवर्सिटी आफ लाज, पोलैंड

एजुकेशन आन टाप आफ द वर्ल्ड–लद्दाख, इंडियन, न्यूज एजेंसी

शोध पत्र

मा. सं. वि. मं. के शिक्षा विभाग के लिए लिखे गए शोध पत्र

''एन एप्रोच टू द डवलपमेंट आफ द एजुकेशनल प्लान फार द नार्थ–इस्टर्न रीजन'', अप्रैल 1996

प्राबलम्स एण्ड स्टेटस आफ एलीमेंटरी एजुकेशन इन नार्थ–इस्ट एन एप्रोच पेपर सितंबर 1996

प्रशिक्षण सामग्री

विद्यालय प्रभाविता की निगरानी के लिए सुझाए गए उपकरण, नीपा, डाइट कार्यक्रम, 3-14 मार्च 1997

'प्राथमिक विद्यालयों के मूल्यांकन के लिए प्रपत्र और उपकरण' नीपा, डाइट कार्यक्रम 3-14 मार्च 1997

प्रारंभिक विद्यालयों की सांस्थानिक योजना के लिए मार्गदर्शन, (वाई. जोसेफिन के साथ), नीपा, डाइट कार्यक्रम 3-14 मार्च 1997

परामर्शकारी और सलाहकारी सेवाएं

पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए एन ई ई पर 9वीं पंचवर्षीय योजना

राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी

नीपा द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र में शैक्षिक योजना और प्रशासन पर

1996-97

आयोजित कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया और 'प्राथमिक शिक्षा का विकेंद्रीकरण–मिजोरम की स्वायत्त जिला परिषद की भूमिका, पर आलेख प्रस्तुत किया। शिलांगः 3-5 अक्तूबर 1996

रश्मि दीवान

आलेख

द क्वालिटी रिवाल्युशनः रोल आफ स्कूल लीडर्स इन मीटिंग द चैलेंजस, न्यू फ्रंटियर्स इन एजुकेशन जिल्द XXV, अंक 3, जुलाई–सितंबर 1995

वैल्यूस एस इन्सट्रूमेन्ट आफ चेंज इन एजुकेशनल इंस्टीट्यूशनस विजन, जिल्द XVI, अंक 1-2, जुलाई–दिसंबर 1996

पूर्ण किए गए अध्ययन

क्वालिटी आफ प्राइमरी एजुकेशन इन कंपोसिट एंड म्यूनिसिपल कार्पोरेशन स्कूल आफ देहली, नीपा, नई दिल्ली

विजय कुमार पांडा

अनुसंधान अध्ययन

उड़ीसा में आश्रम विद्यालय' पर अध्ययन समाप्त किया।

जन–अंतरापृष्ठ हेतु सूचना प्रचार केंद्रों का विकास' पर पाइलट अध्ययन समाप्त किया।

आलेख

जनजातियों की शिक्षाः तीन विभिन्न विद्यालयों का अध्ययन, परिप्रेक्ष्य, जिल्द 2, अंक 3, 1995

प्राथमिक विद्यालयों के प्रमुख शिक्षकों की भूमिका जिल्द 3, अंक 2, 1996

उड़ीसा के कोरापुट जिले में जनजातियों के विद्यालयों में कक्षाओं का आयोजन, न्यू फ्रंटियर्स इन एजुकेशन, जिल्द, XXVI, अंक 3, 1996

अध्यापक शिक्षा तथा अध्यापक (सिंह, एल. सी तथा श्याम पी. सी. शैक्षिक योजना और प्रशासन पत्रिका, जिल्द X, अंक 1, 1996

पी. एन. त्यागी

प्रक्षिशण

दिनांक 1-19 जुलाई 1996 के दौरान इलैक्ट्रोनिक डिजाइन और प्रोद्योगिकी केन्द्र में 'कंप्यूटर ग्राफिक्स तथा एनिमेशन विषय पर आयोजित तीन सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

सम्मेलन

आई.आई.टी., नई दिल्ली में दिनांक 16-19 दिसंबर, 1996 के बीच आयोजित सोलहवे आई.एन.सी.ए अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस सम्मेलन में भाग लिया।

वाई जोसेफिन

प्रकाशित अनुसंधान आलेख

भारत में शिक्षा का वित्तीय प्रशासन – *प्रशासन*, जिल्द XXII, अंक 1

भारत में शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय, *जर्नल विजन*, जिल्द XV अंक 2

प्रशिक्षण सामग्री

प्राथमिक स्तर पर सांस्थानिक योजना

भारत के उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में शैक्षिक प्रयासों में क्षेत्रीय विषमताएं

राष्ट्रीय संगोष्ठियों में प्रस्तुत शोध आलेख

कांस्ट फ्री एजुकेशन एंड इट्स इमपैक्ट आन इक्यूलाईज़ेशन आफ एजुकेशन इन नार्थ इस्ट आफ इंडिया, उत्तर पूर्वी क्षेत्र और सिक्किम में शैक्षिक योजना और प्रबंधन पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में आलेख प्रस्तुत किया (शिलांग 3-5 अक्तूबर, 1996)

1996-97

कमलकान्त बिस्वाल

प्रकाशन

सामयिक आलेख (प्रकाशन के लिये स्वीकृत)

एजुकेशनल एक्सपिरियंस एंड अर्निंग्स इन द सेगमेन्टेड लेबर मार्केट एविडेन्स फ्राम दिल्ली, इंडिया, अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान, आई.आई.ई.पी. पेरिस (यूनेस्को) द्वारा प्रकाशन के लिये स्वीकृत

शोध आलेख

दिसंबर 1996 में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में "डिटरमिनेंट्स आफ अर्निंग इन द सेगमेन्टेड अर्बन लेबर मार्केट : द सिगनिफिकेन्स आफ द लेवल आफ एजुकेशन एस एन एक्सप्लैनेटरी वैरियबल (ए स्टडी आफ सेलेक्टेड मैनुफैक्टरिंग यूनिट्स इन दिल्ली" विषय पर शोध अध्ययन जमा किया।

प्रशिक्षण सामग्री

शिक्षा में जिला योजना पर प्रशिक्षण माड्यूल के भाग के रूप में (डा. एन.वी. वर्गीज़ के साथ) क्रियान्वयन के लिये योजना पर प्रशिक्षण माड्यूल, 1996

राष्ट्रीय, अंतराष्ट्रीय संगोष्ठियों/सम्मेलनों में भागीदारी

दिनांक 1 जनवरी से 30 अप्रैल 1997 के दौरान (यूनेस्को) आई.आई.ई.पी., पेरिस में शैक्षिक योजना और प्रशासन पर वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया

एन.के मोहन्ती

पुस्तक समीक्षा

"परफारमेन्स आफ अकादमिक स्टाफ कालेज इन इंडिया," के एस. चलम की पुस्तक की समीक्षा, शैक्षिक योजना और प्रशासन पत्रिका, जिल्द XI, अंक 2, अप्रैल 1997, पृ. 232 234

अनुसंधान आलेख

"माइग्रेशन एस ए सोर्स आफ ह्यूमन रिसोर्स डवलपमेंट', एन इंडियन एर्मपरिकल एक्सपिरियंस" आर्थिक व्यवस्था अनुसंधान, नीदरलैंड में प्रकाशन के लिए स्वीकृत

प्रशिक्षण सामग्री

प्रतिगमन विश्लेषण और शैक्षिक योजना में इसका प्रयोग

गैर–प्राचलिक परिमाण सांख्यिकी तथा शैक्षिक योजना में इसका प्रयोग

1996-97

परिशिष्ट - I

नीपा परिषद

(31 मार्च 1997 के अनुसार)

अध्यक्ष

मानव संसाधन विकास मंत्री
शास्त्री भवन, नई दिल्ली

उपाध्यक्ष

प्रो. कुलदीप माथुर
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

पदेन सदस्य

प्रो. (सुश्री) ए.एस. अमिति देसाई	अध्यक्षा, वि.अ. आयोग, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली
शिक्षा सचिव	मा.सं.वि. मंत्रालय, शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001
श्री एस. सत्यमूर्ति	संयुक्त सचिव तथा वित्त सलाहाकर, मा.सं.वि. मंत्रालय, शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली -110001
श्रीमती किरण अग्रवाल	अतिरिक्त सचिव, जन शिकायत, पेंशन और कार्मिक मंत्रालय, सरदार पटेल भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली -110001
श्री एन. गोपालस्वामी	सलाहकार (शिक्षा), योजना अयोग योजना भवन, नई दिल्ली 110001
डॉ. ए.के. शर्मा	निदेशक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली 110016

1996-97

शिक्षा सचिव

राज्य शिक्षा सचिव

श्री ए. के. पैतांडी	सचिव तथा डी.पी.आई. (शिक्षा), अरुणाचल प्रदेश सरकार, पी.ओ. इटानगर - 791111
श्री वी.एच. पचुआ	सचिव, शिक्षा विभाग, गोवा सरकार, पणजी (गोवा) - 403001
श्री के.के. विजय कुमार	महासचिव, शिक्षा विभाग, सचिवालय (केरल सरकार), तिरुवनंतपुरम - 695001
श्री डी.एन. पाढ़ी	आयुक्त तथा सचिव, विद्यालय शिक्षा विभाग, उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर - 751001
श्री आर. आर. भरद्वाज	प्रधान सचिव (उच्च), पंजाब सरकार, चंडीगढ़ - 160001

राज्य शिक्षा निदेशक

श्री आर. खोदानदारामा रेड्डी	आयुक्त (महाविद्यालय शिक्षा), आंध्रप्रदेश सरकार, नामपल्ली, हैदराबाद -500022
श्री अम्बुभाई पटेल	निदेशक (प्राथमिक शिक्षा), पुराना सचिवालय भवन, ब्लाक नं. 12, गांधी नगर - 382010
प्रो. आर. के. छिब्बर	निदेशक (विद्यालय शिक्षा), जम्मू और कश्मीर सरकार (जम्मू क्षेत्र), काची छावनी, जम्मू तवी, जम्मू, द्वारा रिजीडेंट कमीशनर, जम्मू और कश्मीर सरकार, 5 पृथ्वीराज मार्ग, नई दिल्ली
श्री एच. आर. बोरा	निदेशक (विद्यालय शिक्षा), नागालैंड सरकार, कोहिमा - 797001
श्रीमती कुलदीप कौर	जन शिक्षा निदेशक (विद्यालय), चंडीगढ़ प्रशासन, संघ क्षेत्र सचिवालय, सेक्टर 9, चंडीगढ़ - 160017

विख्यात शिक्षाविद्

प्रो. एम.वी. माथुर	भूतपूर्व निदेशक (नीपा), एफ-48, सुंदर मार्ग, 'सी' स्कीम, जयपुर - 302001
प्रो. बशीरूद्दीन	कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, जामिया नगर, नई दिल्ली - 110029
श्री पी.के. उमाशंकर	भूतपूर्व निदेशक, आइ.आई.पी.ए., 857, 13वां मुख्य मार्ग, अन्ना नगर, मद्रास - 600042

1996-97

प्रो. ए.एच. कालरो	अध्यक्ष, आर.जे.सी.एम.ई.आई. भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रपुर, अहमदाबाद - 380015
प्रो. के.एन. पणिकर	डीन, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली 110067
प्रो. मोहित भट्टाचार्य	कुलपति, बर्दवान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल

नीपा संकाय

डॉ. वाई.पी. अग्रवाल	वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष, संक्रियात्मक अनुसंधान और प्रबंधन प्रणाली एकक
सुश्री जयश्री जलाली	सह–अध्येता, प्रादेशिक प्रणाली एकक

कार्यकारी समिति के सदस्य

श्री चंपक चटर्जी	संयुक्त सचिव (योजना), मा.सं.वि. मंत्रालय, शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110001
श्री अशोक दास	आयुक्त और निदेशक, जन शिक्षा (विद्यालय शिक्षा), गौतम नगर, मध्य प्रदेश सरकार, भोपाल
संयुक्त निदेशक	संयुक्त निदेशक नीपा, नई दिल्ली - 110016

सचिव

श्री पी.आर.आर. नायर	कुलसचिव, नीपा, नई दिल्ली - 110016

1996-97

परिशिष्ट - II

कार्यकारी समिति

(31 मार्च 1997 के अनुसार)

1. प्रो. कुलदीप माथुर — अध्यक्ष
   निदेशक
   राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
   नई दिल्ली -110016

2. श्री चंपक चटर्जी
   सचिव (योजना)
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली - 110001

3. श्री एस. सत्यमूर्ति
   संयुक्त सविच व वित्त सलाहकार
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली - 110001

4. श्री एन. गोपालस्वामी
   सलाहकार (शिक्षा)
   योजना आयोग, योजना भवन
   नई दिल्ली -110001

5. श्री आर. आर. भारद्वाज
   प्रधान सचिव (उच्च)
   पंजाब सरकार
   चंडीगढ़ -160001

6. प्रो. एम.वी. माथुर
भूतपूर्व निदेशक (नीपा)
एफ-48, सुंदर मार्ग, 'सी' स्कीम
जयपुर - 302001

7. प्रो. ए.एच. कालरो
अध्यक्ष, आर.जे.सी.एम.आई.
भारतीय प्रबंध संस्थान
वस्त्रपुर
अहमदाबाद - 380015

8. श्री अशोक दास
आयुक्त और निदेशक, जन शिक्षा निदेशालय
(विद्यालय शिक्षा) गौतम नगर
मध्यप्रदेश सरकार, भोपाल

9. संयुक्त निदेशक
नीपा, नई दिल्ली - 110016

10. डॉ. वाई. पी. अग्रवाल
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
संक्रियात्मक अनुसंधान और प्रबंधन प्रणाली एकक
नीपा, नई दिल्ली - 110001

11. श्री पी. आर. आर. नायर — सचिव
कुलसचिव
नीपा
नई दिल्ली - 110001

परिशिष्ट - III

वित्त समिति

(31 मार्च 1997 के अनुसार)

1. प्रो. कुलदीप माथुर — अध्यक्ष
   निदेशक
   राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
   नई दिल्ली - 110016

2. श्री चंपक चटर्जी
   संयुक्त सचिव (योजना)
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली - 110001

3. श्री एस. सत्यमूर्ति
   संयुक्त सविच व वित्त सलाहकार
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली - 110001

4. श्री एस. रघुनाथन
   सचिव (शिक्षा)
   राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
   नई दिल्ली - 110001

5. संयुक्त निदेशक
   नीपा, नई दिल्ली - 110016

6. श्री पी. आर. आर. नायर — सचिव
   कुलसचिव
   नीपा
   नई दिल्ली - 110016

1996-97

परिशिष्ट - IV

योजना और कार्यक्रम समिति

(31 मार्च 1997 के अनुसार)

1. प्रो. कुलदीप माथुर — अध्यक्ष
   निदेशक
   राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
   नई दिल्ली - 110016

2. संयुक्त निदेशक
   नीपा
   नई दिल्ली - 110016

3. श्री चंपक चटर्जी
   सचिव (योजना)
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन
   नई दिल्ली - 110001

4. डॉ. आर.पी. गांगुर्दे
   अतिरिक्त सचिव
   विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
   बहादुरशाह जफर मार्ग
   नई दिल्ली - 110001

5. श्री एन. गोपालस्वामी
   सलाहकार (शिक्षा)
   योजना आयोग
   योजना भवन
   नई दिल्ली - 110001

6. कुलपति
जीवाजी विश्वविद्यालय
ग्वालियर - 474011
मध्यप्रदेश

7. श्री पी.सी. शर्मा
आयुक्त तथा सचिव
शिक्षा विभाग
राजधानी परिसर
असम सरकार
दिसपुर - 781006
गुवाहाटी

8. श्री जे.पी. शर्मा
प्रधान सचिव
शिक्षा विभाग
कर्नाटक सरकार
बंगलौर - 560001

9. शिक्षा निदेशक
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली
नई दिल्ली - 110054

10. श्री विजय प्रकाश
निदेशक
जनशिक्षा
नया सचिवालय, बिहार सरकार
पटना

11. प्रो. अतुल शर्मा
भारतीय सांख्यिकीय संस्थान
7, शहीद जीत सिंह मार्ग
कटवारिया सराय
नई दिल्ली - 110016

12. प्रो. स्नेह जोशी
अध्यक्ष, शैक्षिक प्रशासन विभाग
शिक्षा तथा मनोविज्ञान संकाय
एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा
बड़ोदरा - 390002

13. प्रो. पी.आर. पंचमुखी
निदेशक
बहुआयामी विकास अनुसंधान केंद्र
डी. बी. रोद्दा रोड, जुबिली सर्किल
धारवाड़ - 580007
कर्नाटक

14. प्रो. आर. राधाकृष्णन
आई.सी.एस.एस.आर.
35, फिरोजशाह मार्ग
नई दिल्ली - 110001

15. प्रो. मोहम्मद मियां
डीन (शिक्षा)
जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय
जामिया नगर,
नई दिल्ली - 110025

16. डॉ. आर. के. बहंल
प्रोफेसर (भूगोल)
निदेशक
राज्य शिक्षा संस्थान
सेक्टर, 32/C
चंडीगढ़

17. डॉ. एम मुखोपाध्याय
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
शैक्षिक प्रशासन एकक
नीपा
नई दिल्ली - 110016

18. डॉ. के.जी. विरमानी
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
अंतर्राष्ट्रीय एकक
नीपा
नई दिल्ली - 110016

19. डॉ. आर. गोविंदा
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा एकक
नीपा
नई दिल्ली - 110016

20. प्रो. श्रीप्रकाश
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
शैक्षिक योजना एकक
नीपा, नई दिल्ली - 110016

21. डॉ. जे.बी.जी. तिलक
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
शैक्षिक वित्त एकक
नीपा
नई दिल्ली - 110016

22. अध्यक्ष
शैक्षिक नीति एकक
नीपा
नई दिल्ली - 110016

23. डॉ. वाई.पी. अग्रवाल
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
संक्रियात्मक अनुसंधान व प्रबंधन प्रणाली एकक
नीपा
नई दिल्ली - 110016

1996-97

24. डॉ. एन.वी. वर्गीज
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
प्रादेशिक प्रणाली एकक
नीपा
नई दिल्ली - 110016

25. डॉ. के सुधा राव
वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष,
उच्च शिक्षा एकक,
नीपा
नई दिल्ली - 110016

26. श्री पी. आर. आर. नायर — सचिव
कुलसचिव
नीपा
नई दिल्ली - 110016

1996-97

परिशिष्ट - V

संकाय और प्रशासनिक स्टाफ

(31 मार्च 1997 के अनुसार)

कुलदीप माथुर, निदेशक

शैक्षिक योजना एकक

श्रीप्रकाश, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
अरुण, सी. मेहता, सह–अध्येता
एस.एम.आइ.ए. जैदी, सह–अध्येता
एन. मोहंती, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

शैक्षिक प्रशासन एकक

एम. मुखोपाध्याय, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
के. सुजाता, अध्येता
वाई. जोसेफिन, सह–अध्येता
मंजू नरूला, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

शैक्षिक वित्त एकक

जे.बी.जी. तिलक, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
ए. नरेंद्र रेड्डी, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

शैक्षिक नीति एकक

प्रमिला मेनन, सह–अध्येता
नलिनी जुनेजा, सह–अध्येता
एस.के. मलिक, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

1996-97

विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा एकक

आर. गोविंदा, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
सुदेश मुखोपाध्याय, अध्येता
रश्मि दीवान, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी
वी.पी.एस. राजू , अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

उच्च शिक्षा एकक

के. सुधा राव, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
कौसर विजारत, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

प्रादेशिक प्रणाली एकक

एन.वी. वर्गीज, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
जयश्री जलाली, सह–अध्येता
कमलकांत बिस्वाल, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

अंतर्राष्ट्रीय एकक

के.जी. विरमानी, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
सुनीता चुग, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

संक्रियात्मक अनुसंधान और प्रबंधन प्रणाली एकक

वाई. पी. अग्रवाल, वरिष्ठ अध्येता और अध्यक्ष
के. श्रीनिवासन, सिस्टम एनलिस्ट

कुलसचिव

पी. आर. आर. नायर

पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र

निर्मल मल्होत्रा, पुस्तकाध्यक्षा
एन.डी. कांडपाल, प्रलेखन अधिकारी
दीपक मकोल, व्यावसायिक सहायक
नजमा रिजवी, व्यावसायिक सहायक

1996-97

प्रकाशक एकक

एम. एम. अजवानी, उप प्रकाशन अधिकारी

हिंदी कक्ष

सुभाष शर्मा, हिंदी संपादक

मानचित्रण कक्ष

पी.एन. त्यागी, मानचित्रकार (संगणक अनुप्रयोग)

समन्वय

बी.के. पांडा, अनुसंधान और प्रशिक्षण सहयोगी

प्रशासन और वित्त

जी. एस. भारद्वाज, प्रशासनिक अधिकारी
डी. पी. सिंह, वित्त अधिकारी
एम.एल. शर्मा, अनुभाग अधिकारी
एस. आर. चौधरी, अनुभाग अधिकारी
पी. मणि, अनुभाग अधिकारी
आर.सी. शर्मा, अनुभाग अधिकारी

परिशिष्ट - VI

वार्षिक लेखा और लेखा परीक्षा रिपोर्ट

1996-97

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना
1.4.96 से 31.3.97 तक

प्राप्तियां

अर्थ शेष		
हस्तगत रोकड़	0.00	
अग्रदाय	1,000.00	
बैंक में रोकड़	4,141,163.25	4,142,163.25

1996-97

और प्रशासन संस्थान
की प्राप्तियां और भुगतान लेखा

	भुगतान	
योजनेत्तर (व्यय)		
अधिकारियों का वेतन		
प्रशासन	154,274.00	
वित्त एवं लेखा	65,325.00	
अनुसंधान एवं प्रशिक्षण	896,466.00	
पुस्तकालय एवं प्रलेखन	148,730.00	
प्रकाशन	64,100.00	1,328,895.00
संस्थागत वेतन		
प्रशासन	744,346.00	
वित्त एवं लेखा	115,520.00	
अनुसंधान एवं प्रशिक्षण	611,524.00	
पुस्तकालय एवं प्रलेखन	123,101.00	
प्रकाशन	45,193.00	
छात्रावास	72,786.00	1,712,470.00
भत्ते एवं मानदेय		
प्रशासनिक	1,760,299.00	
वित्त तथा लेखा	388,198.00	
अनुसंधान एवं प्रशिक्षण	2,509, 656.00	
पुस्तकालय एवं प्रलेखन	507,443.00	
प्रकाशन	218,823.00	
छात्रावास	148,157.00	5,532,576.00
समयोपरि भत्ता	256,804.00	256,804.00
चिकित्सा व्यय पूर्ति	241,772.00	241,772.00
अवकाश यात्रा रियायत	66,938.00	66,938.00
तदर्थ बोनस	203,423.00	203,423.00

1996-97

प्राप्तियां

भारत सरकार से प्राप्त सहायता

योजनेत्तर	9,770,000.00	
योजना	9,989,000.00	19,759,000.00
प्रकाशन बिक्री (रायल्टी)	28,259.00	28,259.00
छात्रावास किराया	1,375,855.00	1,375,855.00

	भुगतान	
भविष्य निधि अंशदान पर ब्याज	1,068,445.00	1,068,445.00
पेंशन तथा उपदान	1,166,989.00	1,166,989.00
अध्येतावृत्ति/पुरस्कार शुल्क		
अ) **संकाय/स्टाफ सदस्यों का यात्रा भत्ता**	184,733.00	
भागीदारों का यात्रा भत्ता	435,501.00	
संसाधन व्यक्तियों का यात्रा भत्ता	12451.00	
संसाधन व्यक्तियों का मानदेय	31,292.00	663,977.00
ब) **अकादमिक गतिविधियां**		
विज्ञापन प्रभार	79,998.00	
मनोरंजन तथा आतिथ्य	87,388.00	
विविध	292,261.00	
मुद्रण/जिल्द प्रभार	153,164.00	
डाक एवं तार प्रभार	136,146.00	
पैट्रोल, तेल तथा ल्यूब्रिकेंट प्रभार	132,140.00	
टेलिफोन/ट्रंककाल प्रभार	475,146.50	
स्टेशनरी/स्टोर का सामान	914,951.00	
स्टाईपेन्ड/भागीदारों को पुस्तक अनुदान	282,082.00	
पुस्तकालय की पत्रिकाएं (पी-421)	402,650.65	2,955,927.15
अन्य प्रभार (आवर्ती)		
अ) कार्यालय व्यय		
लेखा शुल्क	70,360.00	
कूलियेज/कार्टेज/कस्टम इत्यादि	11,241.00	
मनोरंजन तथा आतिथ्य	10,975.00	
गरम तथा सर्द मौसम प्रभार	1,058.00	
बागवानी	25,414.00	
बीमा	63,298.00	
वर्दी	54,201.00	
कानूनी व्यय	28,900.00	
गाड़ियों का रख–रखाव	148,332.43	

1996-97

प्राप्तियां

ब्याज

निवेश	0.00	
पी. एफ निवेश पर ब्याज	851,615.81	
ब्याज वाली पेशगियों पर ब्याज	83,045.00	934,660.81

	भुगतान	
साज–समान का रख–रखाव	286,719.00	
फर्नीचर व फिक्सचर का रख–रखाव	36,533.00	
भवन का रख–रखाव (सिविल)	522,512.00	
विविध भुगतान	347,377.00	
अखबार शुल्क (पी-186)	16,559.00	
किराया, दर तथा कर	4,992.00	
पानी तथा बिजली प्रभार	651,252.00	2,279,723.43
प्रकाशित–प्रकाशन (पी-419)	205,953.00	205,953.00
ब) गैर–आवर्ती		
फर्नीचर व साज–सामान	701,624.00	
अन्य कार्यालय उपकरण	147,120.00	
पुस्तकालय की पुस्तकें (पी-423)	258,803.00	1,107,547.00
स) अग्रिम भुगतान		
भवन का निर्माण (इलैक्ट्र.)	500,000.00	500,000.00
वसूली योग्य पेशगियां		
त्यौहार पेशगी	40,200.00	
कार पेशगी	0.00	
स्कूटर पेशगी	13,000.00	
साईकिल पेशगी	0.00	
पंखा पेशगी	0.00	
भवन निर्माण पेशगी	179,750.00	
कंप्यूटर पेशगी	0.00	232,950.00
विविध पेशगियां	2,633,302.00	2,633,302.00
कुल व्यय (योजनेत्तर)	**22,157,691.58**	
योजना (व्यय)		
अधिकारियों का वेतन		
प्रशासन	31,743.00	
वित्त तथा लेखा	0.00	
अनुसंधान एवं प्रशिक्षण	103,350.00	
पुस्तकालय तथा प्रलेखन	0.00	
प्रकाशन	0.00	135,093.00

1996-97

	प्राप्तियां	
अनुपयोगी वस्तुओं की बिक्री	157,013.00	157,013.00
विविध प्राप्तियां		
मकान किराया (लाइसेंस शुल्क)	65,694.00	
पानी का शुल्क	6,865.00	
विविध प्राप्तियां	6,091,806.63	6,164,365.63
अवकाश वेतन तथा पेंशन	46,720.00	46,720.00
वसूली योग्य पेशगियां		
साईकिल पेशगी	540.00	
स्कूटर पेशगी	25,710.00	
त्यौहार पेशगी	35,660.00	
भवन निर्माण पेशगी	1,33,860.00	
कार पेशगी	86,478.00	
पंखा पेशगी	0.00	
कंप्यूटर पेशगी	51,700.00	333,948.00
विविध पेशगियां	2,658,818.00	2,658,818.00

1996-97

	भुगतान	
संस्थागत वेतन		
प्रशासन	45,342.00	
वित्त तथा लेखा	27,750.00	
अनुसंधान एवं प्रशिक्षण	107,319.00	
पुस्तकालय तथा प्रलेखन	0.00	
प्रकाशन	17,040.00	
होस्टल	0.00	197,451.00
भत्ते तथा मानदेय		
प्रशासन	133,565.00	
वित्त तथा लेखा	52,676.00	
अनुसंधान एवं प्रशिक्षण	281,147.00	
पुस्तकालय तथा प्रलेखन	0.00	
प्रकाशन	34,824.00	
होस्टल	0.00	502,212.00
समयोपरि भत्ता	5,208.00	5,208.00
चिकित्सा व्यय पूर्ति	41,606.00	41,606.00
अवकाश यात्रा रियायत	17,466.00	17,466.00
तदर्थ बोनस	19,347.00	19,347.00
अध्येतावृत्ति/पुरस्कार शुल्क		
अ) स्टाफ सदस्यों/संकाय का यात्रा भत्ता	243,958.00	
संसाधन व्यक्तियों का यात्रा भत्ता	17,556.00	
संसाधन व्यक्तियों का मानदेय	1,200.00	262,714.00
ब) अकादमिक गतिविधियां		
मनोरंजन तथा आतिथ्य	48,962.00	
माइक्रो प्रोसेसर प्रभार	118,000.00	
विविध आकस्मिक व्यय	134,845.00	
प्रिंटिंग/बाईंडिंग प्रभार	46,210.00	
डाक व तार प्रभार	28,788.00	
पैट्रोल, तेल तथा ल्यूब्रिकेन्ट प्रभार	42,287.00	
टेलिफोन/ट्रंककाल प्रभार	138,829.00	
अखबार शुल्क	12,258.00	
स्टेशनरी/स्टोर का सामान	467,733.00	1,037,912.00

1996-97

प्राप्तियां

विविध प्राप्तियां		
डॉ. जया इंदिरसेन	1,000.00	
मैसर्स रवि भूषण	5,000.00	
पी.आर.आर. नायर	1,094.00	
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	607,896.00	
एम.टी.एन.एल.	18,000.00	
एम.टी.एन.एल.	30,000.00	662,990.00

1996-97

		भुगतान	
	अन्य प्रभार (आवर्ती)		
अ)	कार्यालय व्यय		
	कूलियेज/कार्टेज/कस्टम इत्यादि	255.00	
	बागवानी	950.00	
	गाड़ियों का रख–रखाव	13,279.00	
	उपकरणों का रख–रखाव	879,906.00	
	भवन का रख–रखाव (सिविल)	3,300.00	
	भवन का रख–रखाव (इलैक्ट्र.)	13,750.00	
	किराया, दर तथा कर	193,900.00	
	पानी तथा बिजली शुल्क	180,554.00	1,285,894.00
ब)	गैर–आवर्ती		
	फर्नीचर व साज–समान	357,681.00	
	अन्य कार्यालय उपकरण	1,193,816.00	
	स्टाफ़ कार/टाइपराइटर	268,621.00	1820,118.00
स)	अग्रिम भुगतान		
	भवन का निर्माण (सिविल)	2,463,366.00	
	भवन का निर्माण (इलैक्ट्र.)	1,517,261.00	3,979,627.00
	विविध भुगतान		
	श्री टी.आर. ध्यानी	1,000.00	
	डा. आर.एस. शर्मा	1,000.00	
	डा. जया इंदिरेसन	1,000.00	
	एम.टी.एन.एल	30,000.00	33,000.00
	कुल व्यय (योजना)	**9,337,648.00**	
	नीपा अनुसंधान अध्ययन		
	शिक्षा पर द्वितीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण		
	वेतन	210,074.00	
	यात्रा/दैनिक भत्ता	60,968.00	
	स्टेशनरी/प्रिंटिंग/बाईंडिंग	31,518.00	
	मानदेय	7,000.00	
	विविध आकस्मिकताएं	86,670.00	396,230.00
	दिल्ली में विद्यालयी शिक्षा - ''समीक्षा और मूल्यांकन''		
	विविध आकस्मिकताएं	1,960.00	1,960.00

1996-97

प्राप्तियां

प्रायोजित कार्यक्रम (प्राप्तियां)		
आई.डी.ई.पी.ए. (ग्यारहवां कार्यक्रम)		
अनुदान	2,554,355.00	2,554,355.00
डाइट के पुस्तकालय स्टाफ के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम		
मा.सं.वि. मंत्रालय से प्राप्त अनुदान	96,400.00	96,400.00

1996-97

	भुगतान	
महिला विद्यालयों के लिए तीव्रता निर्धारण		
वेतन	53,535.00	
आकस्मिकताएं	20,943.00	74,748.00
माध्यमिक शिक्षा में विद्यालयी गुणवत्ता की रूप रेखा		
वेतन	57,500.00	
यात्रा/दैनिक भत्ता	18,276.00	
आकस्मिकताएं	27,956.00	103,732.00
प्राथमिक शिक्षा की प्रबंधन और योजना में लाई (स्वायत्त मिजोरम परिषद की भूमिका (डा. जलाली)		
स्टाफ को यात्रा/दैनिक भत्ता तथा मानदेय	3,700.00	
आकस्मिकताएं	0.00	3,700.00
परियोजना-अनिवार्य शिक्षा (नलिनी जुनेजा)		
वेतन	11,899.00	
आकस्मिकताएं	2,290.00	14,189.00
आंध्रप्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में एकल अध्यापक विद्यालय (डा. सुजाता)		
स्टाफ को मानदेय	20,625.00	20,625.00
प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता तथा दिल्ली के संघटक विद्यालय (रश्मि दीवान)		
वेतन	6,467.00	
यात्रा/दैनिक भत्ता तथा आकस्मिकताएं	1,828.00	8,295.00
उड़ीसा के आदिवासी जिलों के लिये आश्रम विद्यालय - (डा. पांडा)		
वेतन	3,400.00	
आकस्मिकताएं	1,163.00	4,563.00
नामांकन पर प्रोत्साहन योजना का प्रभाव (वाई. जोसेफिन)		
आकस्मिकताएं	11,348.00	11,348.00
सहायता योजना (योजना)		
अनुसंधान अध्ययन के लिए अनुदान	9,450.00	9,450.00
अनुसंधान अध्ययनों पर कुल व्यय	**648,570.00**	
महायोग (योजना) व्यय [1 + 2]	**9,986,218.00**	

1996-97

	प्राप्तियां	
भारत में चुनिंदा विश्वविद्यालयों का विवरण (वि. अ. आ. प्रायोजित)		
वि. अ. आ. से प्राप्त अनुदान–यात्रा/दैनिक भत्ता	261,889.00	261,889.00
आधार रेखा अध्ययन (केरल)		
बची हुई राशि की अदायगी	27247.00	27247.00
डी.आई.एस.ई और ई.एम.आई.एस. का संस्थापन और संचालन (यूनीसेफ़)		
प्राप्त अनुदान	1,326,604.00	1,326,604.00
डाइट-आर.एस.एस के लिये आठवां प्रशिक्षण कार्यक्रम/जलाली		
प्राप्त अनुदान	1,60,000.00	1,60,000.00
केरल के अनुदान प्राप्त विद्यालय - विश्व बैंक (डा. वर्गीज़)		
विश्व बैंक से प्राप्त अनुदान	0.00	0.00
विश्व बैंक परियोजना - छात्र नामांकन प्रवाह (डा. मेहता)		
अनुदान	0.00	0.00

1996-97

	भुगतान	
प्रायोजित कार्यक्रम/अध्ययन		
आई.डी.ई.पी.ए. XI कार्यक्रम		
वेतन	76,995.00	
कार्यक्रम व्यय	756,933.00	
भागीदारों को भुगतान	256,214.00	
यात्रा/दैनिक भत्ता	5,936.00	
आवास प्रभार	602,157.00	
आकस्मिकताएं	890,461.00	
पूंजीकृत मद और स्टेशनरी	77,296.00	2,665,992.00
प्रतिदर्श सर्वेक्षण तकनीक का प्रयोग (प्रो. श्रीप्रकाश)		
वेतन	63,240.00	
आकस्मिकताएं	428.00	63,668.00
यू.ई.ई. की निगरानी (आर.के. माथुर)		
बचत की वापसी	255,597.00	
आकस्मिकताएं	25,000.00	280,597.00
डाइट के पुस्तकालय स्टाफ का प्रशिक्षण		
यात्रा/दैनिक भत्ता	43,516.00	
आकस्मिकताएं	4,790.00	48,306.00
सामाजिक सुरक्षा कवच		
विकास प्रबंधन सूचना प्रणाली डी.पी.ई.पी		
वेतन	265,941.00	
यात्रा/दैनिक भत्ता	0.00	
आकस्मिकताएं	300.00	
स्टेशनरी/कंप्यूटर	0.00	266,241.00
आधार रेखा अध्ययन (केरल)		
वेतन	60,717.00	
यात्रा/दैनिक भत्ता	0.00	
आकस्मिकताएं	0.00	
स्टेशनरी/कंप्यूटर	1,220.00	61,937.00
आधार रेंखा अध्ययन (कर्नाटक)		
वेतन	15,692.00	
यात्रा/दैनिक भत्ता	0.00	
आकस्मिकताएं (पूंजी)	182,490.00	198,182.00

1996-97

	प्राप्तियां	
योजना और प्रबंधन में क्षमता निर्माण (डी.पी.ई.पी)		
(डा. वर्गीज़)		
एडसिल से प्राप्त अनुदान	3,775,000.00	3,775,000.00
श्रीलंका के वरिष्ठ विद्यालयों के प्राचार्यों के लिये शैक्षिक प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम - एशियाई विकास बैंक द्वारा प्रायोजित		
श्रीलंका से प्राप्त अनुदान	9,152,434.00	9,152,434.00
उच्च शिक्षा पर उप-क्षेत्रीय कार्यशाला आई.आई.ई.पी. - यूनेस्को - नीपा (डॉ. जी.डी. शर्मा)		
प्राप्त अनुदान	0.00	0.00
बंग्लादेश के वरिष्ठ शैक्षिक अधिकारियों के लिये शैक्षिक योजना और प्रबंधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम (यूनेस्को द्वारा प्रायोजित) (सितम्बर 26 - अक्तूबर 25, 1995)		
अनुदान	151,147.00	151,147.00

1996-97

	भुगतान	
डी.आई.एस.ई/इ.एम.आई.एस. की स्थापना और संचालन (यूनिसेफ)		
वेतन	165,754.00	
यात्रा/दैनिक भत्ता	133,489.00	
आकस्मिक	159,645.00	
स्टेशनरी	173,271.00	
हार्डवेयर/कंप्यूटर	229,885.00	862,044.00
यूनेस्को-आई.आई.ई.पी - दस्तावेज की तैयारी करार सं 94.30.63		
आकस्मिकताएं	5,170.00	5,170.00
डाइट के लिए आठवां प्रशिक्षण कार्यक्रम (जलाली)		
यात्रा/दैनिक भत्ता	99,493.00	99,493.00
केरल - सहायता प्राप्त विद्यालय - विश्व बैंक (डा. वर्गीज़)		
आकस्मिकताएं	62,765.00	62,765:00
भारत के विश्वविद्यालयों में अर्थशास्त्र के शोध अध्ययनों की गुणवत्ता पर रिपोर्ट (वि.अ.आ.)		
वेतन	0.00	
आकस्मिकताएं	6,283.00	6,283.00
विश्व बैंक परियोजना - छात्र नामांकन प्रवाह - डा. ए.सी. मेहता		
आकस्मिक/स्टेशनरी	156,160.00	156,160.00
डी.पी.ई.पी योजना प्रबंधन में क्षमता निर्माण (डा. वर्गीज़)		
डी.पी.ई.पी सूचना का आधुनिकीकरण		
1. **पुस्तकालयों का नेटवर्क (एन. मल्होत्रा)**		
वेतन	244,958.00	
2. **विद्यालय प्रभाविकता पर डी.पी.ई.पी कार्यक्रम (डा. गोविंदा)**		
वेतन	142,641.00	
यात्रा/दैनिक भत्ता	783,056.00	
आकस्मिकताएं	127,882.00	
3. **डी.पी.ई.पी. विद्यालय सुधार संगोष्ठी (डा. अग्रवाल)**		
वेतन	26,594.00	
आकस्मिकताएं	86,553.00	1,411,684.00
ए.वि.बै. द्वारा प्रायोजित शैक्षिक प्रबंधन पर वरिष्ठ विद्यालय प्राचार्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम - श्रीलंका		
वेतन	107,365.00	
यात्रा/दैनिक भत्ता	56,734.00	
प्रवास प्रभार	823,986.00	
कार्यक्रम व्यय	6,525,295.00	
पूंजी	370,990.00	

1996-97

	प्राप्तियां	
वरिष्ठ चीनी अधिकारियों का अध्ययन दौरा चीन गणराज्य (20-25 नवंबर 1995) डॉ. गोविन्दा		
अनुदान	0.00	0.00
शैक्षिक योजना और प्रबंधन के साथ राष्ट्रीय प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थानों का एशियाई नेटवर्क (5-9 दिसंबर, 1995) - डा. वर्गीज़	279,381.50	279,381.50
सी.बी.एस.सी. से जुड़े विद्यालय के प्राचार्यों के लिये प्रशिक्षण कार्यक्रम (डॉ. एस मुखोपाध्याय)		
अनुदान	12,968.00	12,968.00
योग में न्यूनतम अधिगम स्तर का अध्ययन (ए.के सिन्हा)		
एन.सी.ई.आर.टी. से प्राप्तियां	25,000.00	25,000.00
वि.अ. आयोग द्वारा भुगतान	500,000.00	500,000.00

1996-97

	भुगतान	
आकस्मिकताएं	1,168,131.00	9,052,501.00
उच्च शिक्षा पर उपक्षेत्रीय कार्यशाला - आई.आई.ई.पी. यूनेस्को नीपा - डॉ. जी.डी. शर्मा		
वेतन/कार्यक्रम सचिवालय	31,970.00	
हवाई यात्रा व्यय	13,151.00	
कार्यक्रम पर खर्च	0.00	
मानदेय/आकस्मिकताएं	4,000.00	49,121.00
बंगलादेश के व.शि. अधिकारियों के लिए यूनेस्को प्रायोजित कार्यक्रम – (26 सित -25 अक्तू., 95)		
वेतन	0.00	
यात्रा/दौनिक भत्ता	45,540.00	
प्रवास प्रभार	0.00	
आकस्मिक	378,230.00	423,770.00
चीन के व. अधिकारियों का अध्ययन दौरा, नीपा, चीन गणराज्य - (20-25 नवंबर 1995) (डा. गोविंदा)		
विविध आकस्मिक	52,014.00	52,014.00
शैक्षिक योजना प्रशासन तथा प्रबंधन से संबंधित संस्थानों का एशियाई नेटवर्क - (5-7 दिसंबर 1995) (डा. वर्गीज़)		
यात्रा/दैनिक यात्रा	0.00	
स्टाफ को मानदेय	10,400.00	
आकस्मिक/स्टेशनरी	0.00	10,400.00
सी.बी.एस.ई. से संबद्ध विद्यालयों के प्राचर्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (15-19 जनवरी 1996) (सुदेश मुखोपाध्याय)		
यात्रा/दैनिक भत्ता/आकस्मिक	0.00	0.00
शिक्षा संकेतकों की गुणवत्ता (मा.सं.वि.मं) करार सं 840.972.4/94/158 (161) - (डा. मेहता)		
यात्रा/दैनिक आकस्मिक	85,092.00	85,092.00
योग शिक्षा का न्यूनतम अधिगम स्तर (ए.के. सिन्हा)		
व्यय	14,471.00	14,471.00
वि. अ. आ. की ओर से भुगतान		
भागीदारों के यात्रा/दैनिक भत्ते	199,377.00	199,377.00
आई आई ई पी - नीपा कार्यक्रम		
आकस्मिकताएं	117,641.00	

1996-97

	प्राप्तियां	
आई.आई.ई.पी. - नीपा कार्यक्रम	142,110.00	142,110.00
मूल्यांकन और प्रत्यायन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (डॉ. एस. राव)		
अनुदान	150,000.00	150,000.00
पिछड़ा क्षेत्र कार्यक्रम पर प्रभाविकता अध्ययन (प्र. मेनन)		
अनुदान	245,750.00	245,750.00
प्रेषित धन		
आय कर (पार्टी)	12,417.00	
आय कर (वेतन)	392,505.00	
पी.आर.सब तथा पेशगी वसूली	2,454,735.00	
प्रतिनियुक्तों का भविष्यनिधि खाता	103,857.00	

1996-97

	भुगतान	
यात्रा/दैनिक भत्ता	24,469.00	142,110.00
मूल्यांकन और प्रमाणीकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (सुधा राव) व्यय	49,305.00	49,305.00
केरल में डाइट कार्यक्रम आकस्मिक व्यय	22,417.00	22,417.00
भारत में स्वैप के तहत विदेशी सरकारों के प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण आकस्मिक व्यय	2,000.00	2,000.00
नीपा में शैक्षिक योजना और प्रशासन में चीन के 6 प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण आकस्मिक व्यय	51,538.00	51,538.00
पर्यावरण शिक्षा पर स्रोत पुस्तक की तैयारी आकस्मिक व्यय	33,493.00	33,493.00
विक्रेंद्रीकरण पर अभिविन्यास कार्यक्रम आकस्मिक व्यय	4,857.00	4,857.00
पंचायती राज के शोधकर्ताओं की बैठक आकस्मिक व्यय	39,814.00	39,814.00
प्रायोजित परियोजनाओं पर कुल व्यय	**16,420,802.00**	

1996-97

प्राप्तियां		
प्रतिनियुक्तों का भवन निर्माण पेशगी	63,244.00	
पे रोल बचत योजना	152,340.00	
समूह बचत लिंक बीमा	98,348.00	
स्टाफ़ का जीवन बीमा	103,122.00	
सोसायटी देय	345,138.00	
सी.जी.ई.जी.आई.एस	5,373.00	
आंध्र प्रदेश के चक्रवात पीड़ितों के लिये सहायता	3,859.00	3,735,288.00
महायोग		**58,859,366.19**

प्रमाणित किया जाता है कि भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान का अपेक्षित प्रयोजनों पर उपयोग किया गया है और निर्धारित शर्तों का पूरी तरह पालन किया गया है।

ह./–
(डी.पी. सिंह)
वित्त अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

1996-97

	भुगतान	
प्रेषित धन		
आयकर (पार्टी)	12,417.00	12,417.00
आयकर वेतन	392,505.00	392,505.00
पी. आर. सब और पेशगियों की वसूली	2,454,735.00	2,454,735.00
प्रतिनियुक्तों का भ.नि.	103,857.00	103,857.00
प्रतिनियुक्तों का भ.नि.पे.	63,244.00	63,244.00
पे रोल बचत योजना	152,340.00	152,340.00
जी.एस.एल. आई	98,456.00	98,456,00
स्टाफ का जीवन बीमा	103,422.00	103,422.00
सोसायटी का बकाया	345,188.00	345,188.00
सी.जी.ई. जी.आई.एस	5,373.00	5,373.00
आंध्रप्रदेश के तूफान के लिए सहायता	3,859.00	3,859.00
कुल प्रेषित धन	**3,735,396.00**	
रोकड़बाकी		
हस्तगत रोकड़	0.00	
अग्रदाय	5,000.00	
बैंक में रोकड़	6,554,258.61	6,559,258.61
कुल योग		**58,859,366.19**

प्रमाणित किया जाता है कि भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान का अपेक्षित प्रयोजनों पर उपयोग किया गया है और निर्धारित शर्तों का पूरी तरह पालन किया गया है।

ह./–
(पी.आर.आर. नायर)
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

ह./–
(चंपक चटर्जी)
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और
प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

1996-97

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
1996-97 का आय-व्यय लेखा (31 मार्च 1997)

	व्यय
अधिकारियों का वेतन	1,463,988.00
संस्थागत वेतन	1,909,921.00
भत्ते तथा मानदेय, समयोपरि भत्ता, चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति अवकाश वेतन तथा पेंशन सहित	6,664,582.00
यात्रा भत्ता	0.00
पेंशन तथा उपदान	1,166,989.00
पी.एफ. नियोक्ता का अंशदान, अंशदाता के खाते में शोधित/देय पी. एफ. पर ब्याज	1,068,445.00
बोनस	222,770.00
छात्रावृत्ति तथा पुरस्कार	32492.00

1996-97

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
1996-97 का आय-व्यय लेखा (31 मार्च 1997)

आय		
भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान	19,759,000.00	
पूंजीकृत अनुदान को घटाकर		
फर्नीचर व साज–सामान	1,059,305.00	
कार्यालय के अन्य उपकरण	1,609,557.00	
पुस्तकालयों की पुस्तकें	258,803.00	16,831,335.00
छात्रावास किराया		
वर्ष के दौरान प्राप्तियां	1,375,855.00	
वर्ष के दौरान व्यय	4,200.00	
पिछले साल को घटाकर	940.00	1,379,115.00
ब्याज		
निवेश पर	0.00	
ब्याजवाली पेशगियों पर	83,045.00	83,045.00

1996-97

	व्यय
प्रकाशन व्यय	205,953.00
अकादमिक गतिविधियां	4,888,038.15
अनुसंधान अध्ययन	648,570.00
अन्य प्रभार (आवर्ती)	
कार्यालय व्यय (21,837,365.58)	3,565,617.43
व्यय से अधिक आय	3,704,102.86
योग	**25,541,468.44**

ह./-
(डी.पी. सिहं)
वित्त अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

1996-97

आय		
विविध प्राप्तियां		
रायल्टी	28,259.00	
मकान किराया (लाइसेंस शुल्क)	65,694.00	
पानी का शुल्क	6,865.00	
विविध प्राप्तियां	6,091,806.63	
अनुपयोगी वस्तुओं की बिक्री	157,013.00	
अवकाश वेतन तथा पेंशन	46,720.00	6,396,357.63
भविष्य निधि निवेश पर ब्याज		
वास्तविक	851,615.81	
उपचय	0.00	851,615.81
योग		**25,541,468.44**

ह./-
(पी.आर.आर. नायर)
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

ह./-
(चंपक चटजी)
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
रोकड़ बाकी का विवरण (31 मार्च 1997)

शीर्ष	अर्थ शेष	अनुदान	अन्य प्राप्तियां	योग	भुगतान	शेष
योजनेत्तर	830,407.12	9,770,000.00	12,362,629.44	22,963,036.56	22,160,691.58	802,344.98
योजना	11,001.33	9,989,000.00	0.00	10,000,001.33	9,983,218.00	16,783.33
प्रायोजित कार्यक्रम	3,300,646.80	18,860,285.50	0.00	22,160,932.30	16,420,802.00	5,740,130.30
जी.एस.एल.आई. योजना	108.00	0.00	0.00	108.00	108.00	0.00
योग	**4,142,163.25**	**38,619,285.50**	**12,362,629.44**	**55,124,078.19**	**48,564,819.58**	**6,559,258.61**

ह/–
(डी.पी. सिंह)
वित्त अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

ह/–
(पी.आर.आर. नायर)
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

ह/–
(चंपक चटर्जी)
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान

31 मार्च 1997 के अनुसार निर्धारित कार्यक्रम/अध्ययन का लेखा प्रपत्र

क्र.सं	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थ शेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
1.	अनौपचारिक शिक्षा की प्रयोगात्मक परियोजना– मूल्यांकन अध्ययन (शिक्षा मंत्रालय)	14923.36	0.00	14923.36	0.00	14923.36
2.	अनौपचारिक शिक्षा समेत प्रारंभिक स्तर पर शिक्षा का प्रारंभिक तथा नवाचारी कार्यक्रम (कोप) तथा जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए एम.आई.एस.	(–)13087.70	0.00	(–)13087.70	0.00	(–)13087.70
3.	मौजूदा सुविधाओं का अधिकाधिक प्रभावी प्रयोग	13037.00	0.00	13037.00	0.00	13037.00
4.	शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा	514396.14	2554355.00	3068751.14	2665992.00	402759.14
5.	उच्च शिक्षा में क्षमता, गुणवत्ता और लागत का अध्ययन	1043.00	0.00	1043.00	0.00	1043.00
6.	शिक्षा में प्रतिदर्श सर्वेक्षण तकनीक	37637.00	0.00	37637.00	63668.00	(–)26031.00
7.	प्रारंभिक शिक्षा की संचारेक्षण प्रणाली (डॉ. आर.के. माथुर)	280597.00	0.00	280597.00	280597.00	0.00
8.	शैक्षिक प्रौद्योगिकी योजना का मूल्यांकन अध्ययन	182136.00	0.00	182136.00	0.00	182136.00

क्र.सं	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थ शेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
9.	प्रतिभाशाली छात्रों के लिए (देहात के) मूल्यांकन अध्ययन	60645.00	0.00	60645.00	0.00	60645.00
10.	केरल में जि.शि.प्र.सं. के लिए कार्यक्रम (जारी)	22417.00	0.00	22417.00	0.00	22417.00
11.	पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए डाइट कार्यक्रम	76689.00	96400.00	173089.00	48306.00	124783.00
12.	स्कैप कार्यक्रम के अंतर्गत भारत में विदेशों से नामित प्रशिक्षार्थियों का कार्यक्रम	2000.00	0.00	2000.00	0.00	2000.00
13.	भारत में चुने हुए विश्वविद्यालयों की रूपरेखा (वि.अ. आयोग)	(–)164124.00	261889.00	97765.00	22417.00	75348.00
14.	भारत में आधारभूत स्तर पर महिलाओं का कल्याण (मा.सं.वि. मंत्रालय)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
	महिलाओं की स्थिति और रोग विज्ञान (प्रथम चरण)	127283.00	0.00	127283.00	0.00	127283.00
15.	शैक्षिक और आर्थिक रूप से पिछड़े जिलों में महाविद्यालयों का विकास (वि.अ. आयोग)	51081.00	0.00	51081.00	0.00	51081.00
16.	नीपा में शैक्षिक योजना और प्रबंध पर प्रशिक्षण कार्यक्रम चीन के वैज्ञानिक तकनीकी संघ के छह सदस्य	51538.00	0.00	51538.00	51538.00	0.00

क्र.सं	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थ शेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
17.	वरिष्ठ चीनी अधिकारियों का दौरा – नीपा, चीनी गणतन्त्र (20-25 नवंबर, 1995) डॉ. गोविन्दा	52014.00	0.00	52014.00	52014.00	0.00
18.	उच्च शिक्षा में आधारभूत सुविधाओं का मूल्यांकन (डॉ. जे. इंदिरेसन)	(–)13183.00	0.00	(–)13183.00	0.00	(–)13183.00
19.	सामाजिक सुरक्षा कवच योजना (मा.सं.वि. मंत्रालय)	546323.00	0.00	546323.00	266241.00	280082.00
20.	केब – पंचायती राज संस्थान (मा.सं.वि. मंत्रालय)	88360.00	0.00	88360.00	0.00	88360.00
21.	बेस लाइन अध्ययन (केरला) बेस लाइन अध्ययन (कर्नाटक)	312715.00	27247.00	339962.00	61937.00 198182.00	79843.00
22.	प्रारंभिक अध्यापक शिक्षा के लिए पर्यावरण शिक्षा – स्रोत पुस्तक की तैयारी	33493.00	0.00	33493.00	33493.00	0.00
23.	शैक्षिक विकास में विकेन्द्रीकृत भागीदारी पर क्षेत्रीय संगोष्ठि	4857.00	0.00	4857.00	4857.00	0.00
24.	डी.आई.एस.ई. की स्थापना और संचालन (यूनीसेफ़)	(–)44549.00	1326604.00	1282055.00	862044.00	420011.00
25.	शिक्षा का विकेंद्रीकृत प्रबंध और पंचायतीराज पर कार्यरत शोधकर्ताओं की बैठक	39814.00	0.00	39814.00	39814.00	0.00
26.	यूनेस्को – आई.ई.ई.पी. दस्तावेज की तैयारी करार सं. 94. 30. 63	5170.00	0.00	5170.00	5170.00	0.00
27.	डाइट के लिए नौंवा प्रशिक्षण कार्यक्रम (जलाली)	14105.00	160000.00	174105.00	99493.00	74612.00

क्र.सं	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थ शेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
28.	अनुदान प्राप्त विद्यालय (केरल)	62765.00	0.00	62765.00	62765.00	0.00
29.	विश्व बैंक – छात्र नामांकन (ए.सी. मेहता)	156160.00	0.00	156160.00	156160.00	0.00
30.	भारतीय विश्वविद्यालयों में अर्थशास्त्र विषय में हो रहे अनुसंधानों की स्थिति पर रिपोर्ट (वि.अ. आयोग)	(–)7100.00	0.00	(–)7100.00	6283.00	(–)13383.00
31.	राष्ट्रीय शिक्षक आयोग-II	20686.40	0.00	20686.40	0.00	20686.40
32.	योजना और प्रबंधन में क्षमता निर्माण (डी.पी.ई.पी.) (एन.वी.वी)	420465.00	3775000.00	4195465.00	1411684.00	2783781.00
33.	श्रीलंका के वरिष्ठ विद्यालय प्राध्यापकों के लिए शैक्षिक प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (एशियन विकास बैंक द्वारा प्रायोजित)	339.00	9152434.00	9152773.00	9052501.00	100272.00
34.	दक्षेप कार्यक्रम – डॉ. कुसुम प्रेमी	(–)45652.00	0.00	(–)45652.00	0.00	(–)45652.00
35.	उच्च शिक्षा पर अनु–क्षेत्रीय कार्यशाला आई.आई.ई.पी. – यूनेस्को, नीपा (डॉ. जी.डी. शर्मा)	79509.00	0.00	79509.00	49121.00	30388.00
36.	बंग्लादेश का शैक्षिक दौरा – (शिक्षाविद्) यूनेस्को द्वारा प्रायोजित बंग्लादेश के वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक योजना और प्रबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम (26 सितंबर – 25 अक्टूबर, 95)	272623.00	151147.00	423770.00	423770.00	0.00
37.	शैक्षिक योजना और प्रबंधन के साथ राष्ट्रीय प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थानों का एशियन नेटवर्क (5-9 दिसंबर, 1995) डॉ. एन.वी. वर्गीज़	(–)8630.00	279381.50	270751.50	10400.00	260351.00

क्र.सं	कार्यक्रम/अध्ययन का नाम	अर्थ शेष	प्राप्तियां	योग	व्यय	शेष
38.	योग शिक्षा के न्यूनतम अधिगम स्तर का अध्ययन (ए.के. सिन्हा)	0.00	25000.00	25000.00	14471.00	10529.00
39.	के.मा.शि. बोर्ड से जुड़े विद्यालयों के प्राचार्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम (15-19 जनवरी, 1996) डॉ. सुदेश मुखोपाध्याय	(–)12968.00	12968.00	0.00	0.00	0.00
40.	शैक्षिक संकेतकों की गुणवत्ता (मा.सं.वि. मंत्रालय) करार सं. 840.972.4/159 (161) डॉ. अरुण मेहता	85806.00	0.00	85806.00	85092.00	714.00
41.	वि.अ.आ. की ओर से कालेज प्राचार्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	0.00	500000.00	500000.00	199377.00	300623.00
42.	आई.आई.ई.पी नीपा कार्यक्रम	0.00	142110.00	142110.00	142110.00	0.00
43.	मूल्यांकन और निर्धारण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 24-27/3/1997 (डॉ. श्रीमती सुधाराव)	0.00	150000.00	150000.00	49305.00	100695.00
44.	शैक्षिक रूप से पिछड़ों के लिए सघन क्षेत्र कार्यक्रम का अध्ययन	0.00	245750.00	245750.00	0.00	245750.00
	योग	**3321333.20**	**18860285.50**	**22181618.70**	**16420802.00**	**5760816.70**

ह/–
(डी.पी. सिंह)
वित्त अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

ह/–
(पी.आर.आर. नायर)
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

ह/–
(चंपक चटर्जी)
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

1996-97

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
तुलन पत्र (31 मार्च 1997)

देयताएं		
पूंजीकृत अनुदान		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	50,675,450.44	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	3,481,145.00	
परिवर्धन (समायोजन द्वारा)	3,835,237.00	
पूंजीनिवेश बट्टे खाते को घटाकर	563,339.00	
93-94 के संशोधन को घटाकर	2,706.00	57,425,787.44
व्यय से अधिक आय		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	4789,938.45	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	3,704,102.86	
समायोजन घटाकर	3,835,237.00	
संशोधन जोड़कर	2,706.00	4,661,510.31
प्रायोजक एजेंसियों को वापिस किए जाने वाला अव्ययित शेष (निर्धारित कार्यक्रम)		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	3,321,333.20	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	18,860,285.50	
वर्ष के दौरान व्यय को घटाकर	16,420,802.00	5,760,816.70

1996-97

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
तुलन पत्र (31 मार्च 1997)

परिसंपत्तियां		
भूमि तथा भवन		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	29,904,076.55	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	3,835,237.00	33,739,313.55
उपकरण तथा मशीनरी टाइपराइटर, कंप्यूटर, वाहन, इत्यादि		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	17,040,545.27	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	3,222,342.00	
बट्टे खाते को घटाकर	557,326.00	19,705,561.27
पुस्तकालयों की पुस्तकें		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	3848,093.38	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	258,803.00	
उदाहरण और दान के द्वारा बढ़ोत्तरी	13,594.00	
बट्टे खाते की पुस्तकों की कीमत घटाकर	6,013.00	4,114,477.38
भविष्य निधि निवेश		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	7,900,000.00	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	1,450,000.00	
वर्ष के दौरान निकाली गई राशि	0.00	9,350,000.00
के.लो.नि. विभाग के पास जमा		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	2,213,074.00	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	4,479,627.00	
समायोजन घटाकर	3,835,237.00	2,857,464.00
विभिन्न देनदार		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	716,324.00	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	30,000.00	
वर्ष के दौरान निकाली गई राशि	656,990.00	89,334.00

1996-97

देयताएं		
भविष्यनिधि		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	9,053,147.00	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	3,817,267.00	
वर्ष के दौरान निकाली गई राशि	2,259,834.00	10,610,580.00
विभिन्न लेनदान		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	14,500.00	
वर्ष के दौरान प्राप्त राशि	5000.00	
वर्ष के दौरान समाशोधन	2000.00	17,500.00
उपहार तथा दान		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	119,970.76	
वर्ष के दौरान प्राप्त राशि	13,594.00	133,564.76
सामूहिक बचत लिंक बीमा योजना		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	108.00	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	0.00	
वर्ष के दौरान भुगतान	108.00	0.00
योग		**78,609,759.21**

ह./-
(डी.पी. सिंह)
वित्त अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

1996-97

परिसंपत्तियां

वसूली योग्य पेशगियां		
मोटरकार पेशगी	116,810.00	
भवन निर्माण पेशगी	560,960.00	
त्यौहार पेशगी	28,640.00	
साईकिल पेशगी	0.00	
स्कूटर पेशगी	31,030.00	
संगणक पेशगी	68,385.00	
पंखा पेशगी	0.00	805,825.00
विविध पेशगियां (नीपा)		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	127,700.00	
वर्ष के दौरान बढाई गई राशि	27,184.00	
समायोजन घटाकर	52,700.00	102,184.00
विविध पेशगियां (एन.सी.टी.-II)	20,686.40	20,686.40
छात्रावास से प्राप्त आय		
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष राशि	1,815.00	
वर्ष के दौरान बढ़ाई गई राशि	4,200.00	
प्राप्तियां घटाकर	940.00	5,075.00
धन प्राप्ति	0.00	0.00
शेष रोकड़		
हस्तगत रोकड़	0.00	
अग्रदाय	5000.00	
बचत खाता टी-87	6,554,258.61	
भविष्य निधि बचत खाता टी-2	1,260,580.00	7,819,838.61
योग		**78,609,759.21**

ह./-
(पी.आर.आर. नायर)
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

ह./-
(चंपक चटर्जी)
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान

वर्ष 1996-97 के लिए जी.पी. एफ./सी.पी.एफ. की प्राप्ति तथा भुगतान लेखा

प्राप्तियां		भुगतान	
अर्थ शेष	1,153,147.00	पेशगियां और निकासी	2,259,834.00
अंशदान तथा पेशगियों की वापसी	2,744,772.00	आवर्ती जमा निवेश	1,450,000.00
जी.पी. एफ./सी.पी.एफ. पर ब्याज और नियोक्ताओं का भाग	1,072,495.00	अंत शेष	1,260,580.00
योग	**4,970,414.00**		**4,970,414.00**

ह/–
(डी.पी. सिंह)
वित्त अधिकारी
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

ह/–
(पी.आर.आर. नायर)
कुलसचिव
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

ह/–
(चंपक चटर्जी)
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

1996-97

लेखा परीक्षा प्रमाण पत्र

मैंने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के 31 मार्च 1997 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के आगत और भुगतान लेखा/आय और व्यय लेखा तथा 31 मार्च 1997 के तुलन पत्र की जांच कर ली है। मैंने सभी अपेक्षित सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं तथा संलग्न लेखा परीक्षा प्रतिवेदन में दी गई अभियुक्तियों के आधार पर अपनी लेखा परीक्षा के परिणामस्वरूप मैं प्रमाणित करता हूं कि मेरी राय में तथा मेरी जानकारी और मुझे दिए गए स्पष्टीकरण एवं संस्थान की बहियों में दर्शाए गए विवरणों के अनुसार ये लेखे और तुलनपत्र उपयुक्त रूप से तैयार किए गए हैं तथा संस्थान के कार्यकलापों का सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं।

ह./–
महानिदेशक, लेखा परीक्षा
केंद्रीय राजस्व

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक :

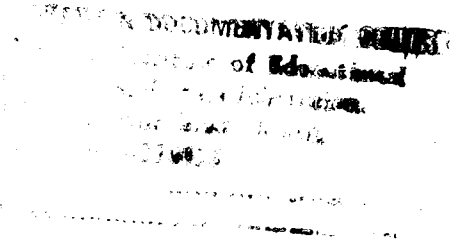

नीपा पुस्तकालय की एक झलक

हिंदी दिवस के अवसर पर कविगोष्ठी

रवांडा के शिक्षा मंत्री नीपा में

शिमला में हिमाचल प्रदेश की शैक्षिक योजना और
प्रशासन पर आयोजित संगोष्ठी का एक सत्र